वर्ष : 17 अंक : 203 लखनऊ गुरुवार, 31 जुलाई, 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

नगर संस्करण **

मूल्य ₹4

ई-पेपर पढ़ने के लिए स्कैन करें हमारा क्यू आर कोड

मौसम

सूर्योदय	5:30
सूर्यास्त	6:55
अधिकतम	31:00°
न्यूनतम	26:00°

नागार्जुन ने ईशा कोप्पिकर को 14 थप्पड़ मारे थे 10

निजीकरण के विरोध में प्रांत व्यापी आंदोलन जारी 2

आज के दौर का साहित्य और मुंशी प्रेमचंद 6

जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बना रही सीएम युवा स्कीम 12

ट्रंप ने भारत पर लगाया 25% टैरिफ

एक अगस्त से होगा लागू, रूस से तेल आयात पर जुर्माना भी ठोका

जुर्माना और टैरिफ के प्रभाव पर अध्ययन कर रहा भारत

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। ट्रंप का यह फैसला आगामी 1 अगस्त से लागू हो जाएगा। ट्रंप ने बुधवार को सोशल प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर इसकी घोषणा करते हुए कहा है कि अमेरिका 1 अगस्त से भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। वहीं ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर जुर्माना लगाने का भी ऐलान किया है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि दोस्त होने के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच कम व्यापार ही हुआ है। ट्रंप ने लिखा, ₹याद रखें, भारत हमारा दोस्त है, लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है क्योंकि वे बहुत ज्यादा टैरिफ लगाते हैं। उनके दुनिया में सबसे ज्यादा हैं और दुनिया में किसी भी देश की तुलना में भारत में सबसे कठोर ट्रेड बैरियर्स हैं।₹

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि भारत हमेशा से अपने ज्यादातर सैन्य उपकरण रूस से खरीदता और चीन की तरह, रूस के साथ सबसे ज्यादा व्यापार करता है। ट्रंप ने लिखा, 'ऐसे समय में जब हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में युद्ध को रोके, यह सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ के अलावा और जुर्माना भी देना होगा।" वहीं ट्रंप ने एक अलग पोस्ट में कहा कि अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा बहुत अधिक है।

जीडीपी में 0.5% तक की कमी का अनुमान

इसके अलावा अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि अगर ये टैरिफ वित्त वर्ष 2026 तक जारी रहे, तो भारत की जीडीपी में 0.2% से 0.5% तक की कमी आ सकती है। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक के एमएसएमई और निर्यात केंद्र विशेष रूप से ट्रंप टैरिफ की मार से प्रभावित हो सकते हैं। लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में सक्रिय रूप से बदलाव के साथ, मौजूदा व्यवधान में सुधार होने और नए बाजार की तलाश होने की भी संभावना है।

अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से की गई इस घोषणा पर सरकार ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय उत्पादों पर एक अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ और जुर्माना लगाने की घोषणा के प्रभाव का अध्ययन कर रही है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, "सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर ध्यान दिया है। सरकार इसके प्रभाव का अध्ययन कर रही है।" दरअसल, भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। ट्रंप के इस कदम को एक तरफ कूटनीतिक तो दूसरी तरफ अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए संरक्षणवादी कहा जा रहा है।

बहरहाल, ट्रंप के इस ऐलान से भारत में एक्सपोर्ट सेक्टर की चिंता बढ़ गई है क्योंकि उसे अब पहले से ज्यादा टैक्स देने होंगे। दरअसल, भारत अमेरिका को करीब 87 अरब डॉलर का निर्यात करता है। भारत अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है। अब ट्रंप की नई टैरिफ व्यवस्था से भारत से शीर्ष निर्यातक सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। इनमें ऑटोमोबाइल, ऑटो कंपोनेंट, स्टील, एल्युमीनियम, स्मार्टफोन, सोलर मॉड्यूल, समुद्री उत्पाद, रत्न-भूषण, और चुनिंदा प्रसंस्कृत खाद्य एवं कृषि उत्पाद शामिल हैं। इन सभी पर 25% का शुल्क लगाया गया है।

बता दें कि अमेरिका निर्यात करने वाले प्रमुख सेक्टर्स में फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, रत्न एवं आभूषण तथा वस्त्र एवं परिधान शामिल हैं। फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट के संस्थापक-निदेशक राहुल अहलूवालिया ने कहा कि इनमें से फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को पहले की टैरिफ लिस्ट में बाहर रखा गया था लेकिन इस बार उसे भी शामिल किया गया है। यानी अब पहले से ज्यादा सेक्टर्स पर असर पड़ने वाला है। हालाँकि, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों को 25 फीसदी टैरिफ की सूची से बाहर रखा गया है। उनके मुताबिक अगर आने वाले समय में अगर इसमें संशोधन होता है और फिर से उन दो सेक्टर्स को लिस्ट से बाहर किया जाता है तब रत्न एवं आभूषण और वस्त्र एवं परिधान सेक्टर पर ही सबसे ज्यादा टैरिफ की मार पड़ेगी।

ट्रंप के नए टैरिफ की वजह से टाटा मोटर्स और भारत फोर्ज जैसी कंपनियों को अमेरिका में, खासकर उच्च-मूल्य वाले वाहनों और सटीक पुर्जों की, माँग में प्रत्यक्ष गिरावट आने का अनुमान है। अमेरिकी ऑर्डरों में गिरावट के कारण भारत में नौकरियों पर खतरा मंडराने के आसार हैं। स्मार्टफोन और सौर पैनल असेंबल करने वाले निर्माताओं को मूल्य निर्धारण और मात्रा पर भारी दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना सर्वोपरि

ट्रम्प को जवाब देने के लिए सरकार सभी जरूरी कदम उठायेगी

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इस पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया आई है। उसने साफ किया है कि सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। सरकार अभी इसके असर का अध्ययन कर रही है। सरकार ने जारी बयान में कहा, "सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर ध्यान दिया है। सरकार इसके निहितार्थों का अध्ययन कर रही है।"

सरकार ने कहा, "भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुंचने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हम इस उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। सरकार हमारे किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) के कल्याण की रक्षा को सर्वोच्च महत्व देती है। सरकार हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी, जैसा कि ब्रिटेन के साथ हुए हालिया व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते सहित अन्य व्यापार समझौतों के मामले में किया गया है।"

ट्रम्प की यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। इस घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसने हाल ही में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं।

भारत अब अमेरिका को ट्रम्प के अंदाज में ही जवाब देने की तैयारी में है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाने को ज्यादा महत्व न देते हुए कहा है कि भारत के पास उसकी जरूरतों को पूरा करने के कई विकल्प हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को इस पर बातचीत करते हुए कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है और रूस से तेल की आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा से निपटने के लिए तैयार है।

पुरी ने रूस पर संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ''मेरे दिमाग में इसे लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है। भारत तेल आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लेकर है। हम पहले 27 देशों से तेल खरीदते थे, अब यह संख्या बढ़कर लगभग 40 हो गई है।'' केंद्रीय मंत्री हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) की तरफ से आयोजित वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

निठारी केस में कोली को बेल सही : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। देश को झकझोर कर रख देने वाले निठारी कांड को भले ही बरसों बीत गए,लेकिन कानूनी लड़ाई अब भी जारी है। इस केस से जुड़े आरोपी सुरेंद्र कोली की बेल को देश की सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी गई थी जिसपर आज सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है।

शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के कोली को जमानत वाले फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि अदालत के फैसले में कोई गलती नहीं है। इस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

सुरेंद्र कोली की जमानत का विरोध वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले में कोई गलती नहीं थी, जिसमें निठारी कांड के आरोपी सुरेंद्र कोली को बरी किया गया था।

मोदी राज्यसभा नहीं पहुंचे, खड़गे बोले- ये सदन का अपमान, वाकआउट

शाह ने डेढ़ घंटे के भाषण में विपक्ष के सवालों के दिये जवाब, बहस खत्म

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में करीब डेढ़ घंटे भाषण दिया। उन्होंने शाम सात बजे सदन में बोलना शुरू किया। विपक्ष ने हंगामा करते हुए पीएम मोदी को बुलाने की मांग की।

इस पर शाह ने कहा- विपक्ष पूछ रहा है कि पीएम कहा हैं? पीएम इस वक्त ऑफिस में हैं, उन्हें ज्यादा सुनने का शौक नहीं है। काम मेरे से निपट रहा है, उन्हें क्यों बुला रहे हो। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- प्रधानमंत्री के दिल्ली में रहते हुए भी वो यहां नहीं आ रहे, ये तो सदन का अपमान है। सदन-सदस्यों का अपमान करना ठीक नहीं है। इसके बाद विपक्ष ने

राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया।

शाह ने रात 8:25 बजे तक भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा- पाकिस्तानी आतंकियों ने जो नुकसान किया, उसके जवाब में भारत सरकार और सेना ने जो मजबूत जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया। ऑपरेशन महादेव में तीन आतंकी मारे गए। शाह के भाषण के बाद राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसी के साथ राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिन की बहस भी खत्म हो गई। शाह ने 2004 से 2025 तक के आंकड़े देते हुए कहा कि आतंकी घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आयी है। शाह ने कहा कि विपक्ष ने 24 अप्रैल की बिहार में पीएम मोदी की जनसभा पर सवाल किए। मैं बताना चाहता हूं कि पीएम मोदी ने 24 अप्रैल को बिहार की जनसभा में जो कहा था, वो चुनावी सभा नहीं थी। पीएम ने कहा था भारत एक-एक आतंकियों की पहचान करेगा, उन्हें सजा देगा, न्याय मिलेगा। उनका बोला हुआ एक-एक शब्द सच हो गया। पीएम ने कहा था आतंकियों के आकाओं को नहीं छाड़ेंगे। सेना ने उन्हें भी नहीं छोड़ा।

शाह ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में 2014 तक एक भी साल ऐसा नहीं था जब आतंकी हमले, बम धमाके न हुए हों। 609 से ज्यादा लोगों की जानें गई। कांग्रेस ने पोटा कानून का विरोध किया।

मोदी सीजफायर पर बोलेंगे तो ट्रम्प सच्चाई बता देंगे : राहुल

ट्रेड डील में मनमानी पर उतर आयेंगे

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सैन्य कार्रवाई रोकने के दावे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गोल मोल जवाब दे रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि यदि सच बोल दिया तो ट्रम्प पूरी सच्चाई सामने रख देंगे।

उन्होंने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवालों पर कहा कि ट्रम्प के मामले में मोदी स्पष्ट जवाब नहीं दे रहे हैं। मोदी जानते हैं कि यदि ट्रम्प को लेकर कुछ बोलेंगे तो व्यापार समझौते में वह मनमानी पर उतर आएंगे इसलिए इस संकट से बचने के लिए प्रधानमंत्री गोल मोल जवाब दे रहे हैं। गांधी ने कहा "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया। ये सबको मालूम है क्या हुआ है और प्रधानमंत्री बोल नहीं पा रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री ने बोल दिया, तो ट्रम्प खुलकर बोलेंगे और पूरी सच्चाई रख देंगे, इसलिए प्रधानमंत्री बोल नहीं पा रहे हैं।

सेना की गाड़ी पर गिरी चट्टान, ले. कर्नल और जवान की मौत

नयी दिल्ली। लद्दाख के लेह में सेना की एक गाड़ी पर चट्टान गिरने से एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक जवान की मौत हो गई, जबकि मेजर रैंक के दो अधिकारी और एक कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए। सेना प्रवक्ता ने बताया कि सुबह करीब 11:30 बजे जब सेना का काफिला दुरबुक से चोंगताश जा रहा था, तभी एक सैन्य गाड़ी चट्टान की चपेट में आ गयी।

घायलों को इलाज के लिए लेह के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल भानु प्रताप सिंह और लांस दफादार दलजीत सिंह के रूप में हुई है। घायलों की पहचान मेजर मयंक शुभम, मेजर अमित दीक्षित और कैप्टन गौरव के रूप में हुई है।

इसरो-नासा का सबसे महंगा सैटेलाइट लॉन्च

अंधेरे में देखने की क्षमता, 97 मिनट में धरती का चक्कर पूरा करेगा

एजेंसी

श्रीहरिकोटा। अब तक के सबसे महंगे और सबसे पावरफुल अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट निसार को बुधवार को लॉन्च किया गया। इस मिशन पर 1.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 12,500 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसे नासा और इसरो ने मिलकर बनाया है। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। रॉकेट ने निसार को 747 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूरज के साथ तालमेल वाली सन-सिंक्रोनस कक्षा में स्थापित किया। इसमें करीब 18 मिनट लगे। निसार 747 किमी की ऊंचाई पर पोलर ऑर्बिट में चक्कर लगाएगा। पोलर ऑर्बिट एक ऐसी कक्षा है जिसमें सैटेलाइट धरती के ध्रुवों के ऊपर से गुजरता है। सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट पोलर ऑर्बिट का ही एक खास

रूप है। यह पहली बार है जब जीएसएलवी रॉकेट से उपग्रह को इस ऑर्बिट में स्थापित किया गया। इस मिशन की अवधि 5 साल है।

निसार एक हाई-टेक सैटेलाइट है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार है। इसे अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो ने मिलकर बनाया है। इस मिशन पर 1.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 12,500 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। ये सैटेलाइट 97 मिनट में पृथ्वी का एक चक्कर लगा लेगा। 12 दिनों में 1,173 चक्कर लगाकर यह पृथ्वी की लगभग हर इंच जमीन को मैप कर लेगा। इसके पास बादलों, घने जंगल, धुएं और यहां तक कि अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। यह धरती की सतह पर बहुत छोटे बदलावों को भी देख सकता है।

निसार मिशन का मुख्य मकसद है धरती और उसके पर्यावरण को करीब से समझना। ये सैटेलाइट खास तौर पर तीन चीजों पर नजर रखेगा। ये देखेगा कि धरती की सतह या ग्लेशियर्स में कितना बदलाव हो रहा है। जैसे जमीन का धंसना या बर्फ का पिघलना। जंगलों, खेतों और दूसरी प्राकृतिक जगहों की स्थिति को मॉनिटर करेगा, ताकि ये समझा जा सके कि पर्यावरण कैसा है। समुद्र की लहरों, उनके बदलावों और समुद्री पर्यावरण को ट्रैक करेगा।

मोदी इंदिरा गांधी से प्रेरणा लें और ट्रंप के सामने खड़े हों : जयराम

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से निर्यात होने वाले सामानों पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेते हुए ट्रंप के सामने खड़े हो जाना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह कटाक्ष भी किया कि अब ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गई एक-दूसरे की तारीफ का कोई मतलब नहीं रह गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत से अधिक शुल्क लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने रूस से आयात करने को लेकर भारत से आयातित सभी वस्तुओं पर दंडात्मक उपाय के तौर पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की। यह 25 प्रतिशत शुल्क से अलग होगा। रमेश

» एक-दूसरे को दोस्त बताने का अब कोई मतलब नही

ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगा दिया है। उनके और 'हाउडी मोदी' के बीच हुई इस सारी तारीफ़ का कोई मतलब नहीं रह गया है।'' उन्होंने कहा, ''मोदी जी ने सोचा था कि अगर वह अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर किए गए अपमानजनक शब्दों पर चुप रहे तो तो राष्ट्रपति ट्रंप के हाथों भारत को विशेष दर्जा मिलेगा।

सरकार को नहीं दिख रहा देश का असली दुश्मन

चीन कर रहा सीमा पर अतिक्रमण, छीन रहा कारोबार : अखिलेश

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि केन्द्र सरकार को देश का असली दुश्मन नहीं दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव ने बुधवार को सांसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि आतंकवादी पाकिस्तान से आते हैं। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ाता है। पाकिस्तान के पीछे चीन खड़ा है। चीन हमारे देश की सीमा पर अतिक्रमण कर रहा है। चीन हमारा कारोबार और व्यापार छीन रहा है लेकिन केन्द्र की भाजपा सरकार को देश का असली दुश्मन नहीं दिख रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि अभी जो युद्ध हुआ उसमें चीन की भूमिका को सभी लोग जान रहे है। सवाल यह है कि जब भी युद्ध होगा तो क्या ऐसी ही परिस्थितियों से गुजरना पड़ेगा जैसा

पिछले दिनों हुआ। बिहार में वोटरलिस्ट की स्पेशल इंटेसिव रिविजन को लेकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा नई-नई रणनीति बनाती है। आठ करोड़ वोट की वोटर लिस्ट सिर्फ एक से डेढ़ महीने में बनाना चाहते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में विपक्ष वोटर लिस्ट को लेकर शिकायत करता है तो प्रशासन के अधिकारी शिकायत नहीं सुनते है। भाजपा की सरकार रहती है तो चुनाव आयोग में शिकायत के बाद भी डीजीपी और अन्य अधिकारी नहीं हटाए जाते हैं। दूसरी पार्टी की सरकार होती है तो तुरन्त हटा दिये जाते हैं। समाजवादी पार्टी ने भाजपा के इशारे पर डिलीट किए गए 18 हजार वोटरों का नाम एफिडेविट के साथ चुनाव आयोग को दिये, उसके बाद भी आयोग ने किसी रिटर्निंग ऑफिसर और बीएलओ पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो उप चुनाव हुआ उसमें पुलिस सर्विस रिवाल्वर निकाल कर वोटरों को धमका रही थी, वोट डालने से रोक रही थी। अगर कुन्दरकी उपचुनाव का सीसीटीवी निकाल कर देखा जाय तो पता चलेगा कि पुलिस खुद वोट डाल रही है। इसी तरह मिल्कीपुर उपचुनाव में हुआ था। भाजपा फैजाबाद-अयोध्या लोकसभा चुनाव हारी थी। वह समाजवादी पार्टी को मिल्कीपुर उपचुनाव में हराना चाहती थी।

शिवपुरी में भीषण बाढ़ सेना लगायी गयी

नयी दिल्ली। देशभर में भारी बारिश का दौर जारी है। राजस्थान में बुधवार को भी 6 जिलों में बारिश का रेड और बाकी में यलो अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश की चेतावनी के बीच आज 14 जिलों में स्कूलों की छुट्टी रही।

मंगलवार देर रात से सवाई माधोपुर में बाढ़ के हालात हो गए हैं। यहां श्योपुर (मध्य प्रदेश) को जोड़ने वाली एक पुलिया बह गई। शहर के कई इलाके पानी में डूब गए। घरों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बहाव इतना तेज था कि गाड़ियां बहते हुए एक-दूसरे पर चढ़ गईं। मध्य प्रदेश के अशोकनगर, श्योपुर, विदिशा समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। कई रास्ते भी बंद हो गए। इसके चलते भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर, अशोकनगर में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। शिवपुरी में 30-35 लोग बाढ़ में फंसे हैं। यहां बचाव के लिए आर्मी के जवानों को लगाया गया है।

संयुक्त राष्ट्र ने माना- पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ जिम्मेदार

रिपोर्ट में कहा- आतंकी संगठन ने अटैक की दो बार जिम्मेदारी ली, लश्कर का भी नाम आया

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम ने ग्लोबल टेररिस्ट संगठनों पर बुधवार को रिपोर्ट जारी की। इसमें उसने माना है कि पहलगाम हमले के लिए द रेजिस्टेंस फ्रंट जिम्मेदार है। टीआरएफ ने हमले के बाद दो बार जिम्मेदारी ली।

टीआरएफ ने हमले वाले दिन 22 अप्रैल को घटनास्थल की फोटो भी प्रकाशित की थी। अगले दिन फिर से जिम्मेदारी ली, लेकिन 26 अप्रैल को अचानक अपना दावा वापस ले लिया। इसके बाद टीआरएफ ने कोई और बयान नहीं दिया और किसी अन्य संगठन ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली। संयुक्त राष्ट्र की यह 36वीं रिपोर्ट आतंकी संगठनों आईएसआईएल, अल-कायदा और उनसे जुड़े गुटों पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक एक सदस्य देश ने कहा कि यह हमला पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा की मदद के बिना संभव नहीं था। टीआरएफ और लश्कर-ए-तैयबा के बीच संबंध हैं। जबकि एक अन्य सदस्य देश ने लश्कर-ए-तैयरा को निष्क्रिय बताया और इन दावों को खारिज किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पहलगाम क्षेत्र में हालात बहुत संवेदनशील हैं और आतंकवादी संगठन इस तनाव का फायदा उठाने की फिर कोशिश कर सकते हैं। पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं। इस दौरान 1 नेपाली नागरिक समेत 26 लोगों की मौत हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 25

अप्रैल को एक प्रेस बयान जारी कर आतंकवादी हमले की निंदा की थी, लेकिन उसमें टीआरएफ का नाम शामिल नहीं किया गया। इसके बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने बताया था कि हमने टीआरएफ का नाम हटवाने की कोशिश की थी और उसे सफलतापूर्वक हटा भी दिया गया था।

इससे पहले 18 जुलाई को अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी की लिस्ट में डाल दिया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी जानकारी दी थी।

मार्को रुबियो ने बयान में लिखा था, 'लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, टीआरएफ ने 22 अप्रैल, 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था।'

'टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 का हमला भी शामिल है। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से पहलगाम हमले के लिए न्याय दिलाने की कोशिश है। यह कदम दिखाता है कि ट्रम्प सरकार देश की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी है।' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टीआरएफ पर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद एक्स पर लिखा, भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी सहयोग की मजबूत पुष्टि हुई है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो को धन्यवाद कि उन्होंने टीआरएफ (लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन) को विदेशी आतंकी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी घोषित किया। टीआरएफ ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसमें आतंकियों ने 26 पर्यटकों की जान ले ली थी। हमले के कुछ ही देर बाद टीआरएफ ने घटना की जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है। हालांकि 26 अप्रैल को टीआरएफ इससे मुकर गया था।

पुंछ में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय सेना के जवानों ने बुधवार को दो आतंकवादियों को ढेर करके घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

रक्षा प्रवक्ता ने कहा, "एक घुसपैठ विरोधी सफल अभियान में भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया।"

उन्होंने कहा कि त्वरित कार्रवाई और सटीक गोलाबारी ने आतंकवाादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया और मौके से तीन हथियार भी बरामद किए गए हैं। नगरोटा स्थित व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की। रक्षा अधिकारी ने कहा कि हमारी खुफिया इकाइयों और जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली समन्वित और समन्वित खुफिया सूचनाओं के आधार पर एक सफल अभियान चलाया गया, जो अभी चल रहा है।

निजीकरण के विरोध में प्रांत व्यापी आंदोलन जारी

निदेशक वित्त निधि नारंग द्वारा निजीकरण के सम्बन्ध में लिये गए सभी निर्णय निरस्त करने एवं उनके कार्यकाल में लिए गए वित्तीय फैसलों की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग

निजीकरण की सारी प्रक्रिया रद्द करने की मांग

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के निदेशक वित्त एवं निजीकरण हेतु बनाई गई टेंडर मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष निधि नारंग का कार्यकाल न बढ़ाये जाने के उत्तर प्रदेश सरकार के निर्णय पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा है कि निदेशक वित्त श्री निधि नारंग द्वारा निजीकरण संबंधी लिऐ गए सभी निर्णयों को तत्काल निरस्त कराने की कृपा करें। संघर्ष समिति ने यह भी मांग की है कि निदेशक वित्त श्री निधि नारंग के कार्यकाल में लिए गए टेंडर संबंधी सभी वित्तीय फैसलों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए क्योंकि यह चर्चा है कि उनके कार्यकाल में भारी घोटाला हुआ है। संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मांग की है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण हेतु बनाए गए सारे दस्तावेज एक बड़े घोटाले का अंग है अतः निजीकरण की सारी प्रक्रिया तत्काल निरस्त की जाए और श्री निधि नारंग के कार्यकाल में निजीकरण के नाम पर किए गए सारे घोटाले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण हेतु जिस प्रकार से ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट की नियुक्ति की गई और झूठा शपथ पत्र देने की बात स्वीकार कर लेने के बावजूद ग्रांट थॉर्टन को कंसलटेंट बनाए रखा गया, इसके बाद ग्रांट थॉर्टन को श्री निधि नारंग ने ही क्लीन चिट दिया और ग्रांट थॉर्टन के जरिए निजीकरण के ऐसे दस्तावेज तैयार कराये गए जो कुछ चुनिंदा निजी घरानों को लाभ देने हेतु बनाए गए है। निजीकरण की वर्तमान में चल रही सारी प्रक्रिया इन्हीं दस्तावेजों पर आधारित है अतः इसे निरस्त किया जाय। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने अपर मुख्य सचिव ऊर्जा को एक पत्र भेज कर यह मांग की है कि श्री निधि नारंग के कार्यालय को तत्काल सील किया जाए क्योंकि यह पता चला है कि निधि नारंग निदेशक वित्त के कार्यालय से कई गोपनीय दस्तावेज की फोटो कॉपी करा रहे हैं और उसे बाहर ले जाना चाहते है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा को भेजे गए पत्र में संघर्ष समिति ने लिखा है कि यह विदित हुआ है कि श्री निधि नारंग निदेशक वित्त उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन अपना कार्यकाल न बढ़ाये जाने के आदेश के आने के बाद से अपने कार्यालय में तमाम गुप्त गोपनीय दस्तावेजों की फोटो कॉपी करा रहे हैं। यदि यह सत्य है तो यह बहुत ही गंभीर बात है। संघर्ष समिति ने अपर मुख्य सचिव ऊर्जा से मांग की है कि वह इस प्रकरण में तत्काल हस्तक्षेप करने की कृपा करें और श्री निधि नारंग के कार्यालय को तत्काल सील कराने का निर्देश देने की कृपा करें। साथ ही यह सुनिश्चित कराने की कृपा करें कि निदेशक वित्त के कार्यालय से कोई भी गोपनीय दस्तावेज फोटोकॉपी होकर बाहर न जाने पाए जिससे पावर कॉरपोरेशन की गोपनीयता और पारदर्शिता प्रभावित न हो। खासकर ऐसे समय में जब पावर कॉरपोरेशन पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण कर रहा है और श्री निधि नारंग को निजीकरण हेतु बनाई गई टेंडर मूल्यांकन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। संघर्ष समिति के आह्वान पर आज लगातार 245 वें दिन बिजली कर्मियों ने प्रदेश भर में निजीकरण के विरोध में व्यापक विरोध प्रदर्शन जारी रखा। आज वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, हरदुआगंज, जवाहरपुर, परीछा, पनकी, ओबरा, अनपरा, और पिपरी में विरोध प्रदर्शन किया गया।

संगीता चौबे पंखुड़ी विश्व हिंदी परिषद की ईकाई कुवैत की संयोजक मनोनीत हुई

विश्ववार्ता ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्व हिंदी परिषद, की नीदरलैंड अध्यक्ष डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे व महासचिव डॉ विपिन कुमार द्वारा श्रीमती संगीता चौबे "पंखुड़ी" को विश्व हिंदी परिषद, कुवैत ईकाई की संयोजक के रूप में मनोनीत किया गया है। परिषद द्वारा यह आशा व्यक्त कि गई है कि श्रीमती चौबे परिषद के मूल उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और भविष्य में हिंदी भाषा को कुवैत व अन्य देशों में जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगी। ज्ञात हो कि परिषद का उद्देश्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित करना है। डॉ विपिन कुमार, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव, श्री डीपी मिश्रा, डॉ नंदकिशोर साह, राष्ट्रीय संपर्क समन्वयक व डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे, को इस बड़े दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। विश्व हिंदी परिषद, हिंदी के प्रचार-प्रसार की सेवा में एक वैश्विक संस्था है। अपने उद्देश्यों के प्रति समर्पित श्रीमती संगीता चौबे "पंखुड़ी" "कई वर्षों से कुवैत में रहते हुए हिन्दी भाषा व अपने काव्य लेखन व अपने मंच, अंजुमन ए पंखुड़ी साहित्यिक मंच के कार्यक्रमों द्वारा साहित्य की सेवा कर रही है। करोना समय से वह हिन्दी के ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इनके दो ग़ज़ल संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। इनकी रचनाएं कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रही हैं। इनको कुवैत सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। संगीता जी को देश-विदेश के इस बड़े दायित्व के लिए अनेक पत्रकार बंधु, साहित्यकार जैसे, नीदरलैंड से साहित्यकार व विश्वहिंदी परिषद् की नीदरलैंड अध्यक्ष डॉ ऋतु शर्मा ननंन पांडे, वर्जीनिया से वरिष्ठ साहित्यकार मंजू श्रीवास्तव जी, भारत इंदौर से शुभ संकल्प साहित्यिक संस्थान की संस्थापक डॉ सुनीता श्रीवास्तव, प्रसिद्ध कवयित्री कवि व शिक्षाविद् कवि राजेंद्र शांडिल्य कवि मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, अंशुमान श्रीवास्तव, यू ए ई से आशा राठौर, हिन्दी साहित्य प्रेमियों की ढेरों शुभकामनाएं एवं बधाई प्राप्त हुई हैं।

जरूरतमंद को आवास दिलाएंगे इलाज भी कराएंगे : सीएम योगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

विश्ववार्ता ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कहा कि सरकार की मंशा है कि हर जरूरतमंद के पास पक्का आवास हो। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट गिफ्ट किया।

यूनिसेफ और स्टार फोरम : विज्ञान आश्रम द्वारा मिलेगा तकनीकी मार्गदर्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षा को नवाचार और व्यावहारिकता से जोड़ने की दिशा में एक नई पहल की जा रही है। 'लर्निंग बाई डूइंग' कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य की योगी सरकार अब शिक्षकों को भी प्रयोगधर्मी और तकनीकी दक्षता से संपन्न बनाने की ओर अग्रसर है। समग्र शिक्षा अभियान और पीएम श्री योजना के तहत चयनित विद्यालयों के विज्ञान व गणित शिक्षकों, तकनीकी अनुदेशकों, डायट के मास्टर ट्रेनर्स के साथ-साथ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की शिक्षिकाओं को भी इस प्रशिक्षण में शामिल किया गया है।लखनऊ स्थित उद्यमिता विकास संस्थान और दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में आयोजित इस चरणबद्ध आवासीय प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से लैस कर विद्यार्थियों के लिए कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक और सीखने योग्य बनाना है।यूनिसेफ और स्टार फोरम-विज्ञान आश्रम द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किये जाने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत 5 अगस्त 2025 से होकर विभिन्न चरणों में 18 मार्च 2026 तक चलेगी, जिसमें चार श्रेणियों के प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।इन श्रेणियों के शिक्षक होंगे प्रशिक्षितविज्ञान और गणित विषयों को समझने की प्रक्रिया को सरल और अनुभवजन्य बनाने के लिए 'लर्निंग बाई डूइंग' मॉडल पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस उद्देश्य को साकार करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जनपद से चयनित विज्ञान विषय के दो प्रवक्ताओं को मास्टर ट्रेनर के रूप में 4 दिवसीय TOT प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनके अलावा 2024–25 में चयनित 2274 विद्यालयों के विज्ञान और गणित विषय के अध्यापकों एवं तकनीकी अनुदेशकों को 2 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्राप्त होगा तथा 2025–26 में चयनित 3288 नवीन विद्यालयों (केजीबीवी समेत) के विज्ञान और गणित शिक्षकों को 3 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विद्यालयों और समुदाय के बीच सेतु बनाते हुए प्रत्येक जनपद के जिला समन्वयकों (सामुदायिक सहभागिता) को भी 2 एवं 3 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। प्रशिक्षण में डायट प्रवक्ताओं (मास्टर ट्रेनर्स) की कुल संख्या 76 है। इसके अतिरिक्त, चयनित 2274 विद्यालयों से अनुमानित 2074 विज्ञान/गणित शिक्षक और तकनीकी अनुदेशक प्रशिक्षण में भाग लेंगे। वहीं, 3288 नवीन विद्यालयों (केजीबीवी सहित) से लगभग 1888 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में सम्मिलित किया जाएगा। इस चरण में केजीबीवी की शिक्षिकाओं को भी वर्ष 2025–26 के दौरान प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा।बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि 'लर्निंग बाई डूइंग' कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के शिक्षा तंत्र को एक नई दिशा देने जा रहा है। यह पहल न केवल शिक्षकों को शिक्षण में दक्ष बनाएगी, बल्कि छात्र-छात्राओं को भी प्रयोग आधारित, रुचिकर और तार्किक शिक्षण का अनुभव प्रदान करेगी।

उपन्यास सम्राट प्रेमचन्द एवं कथा सम्राट चंद्रधर शर्मा गुलेरी स्मृति समारोह

गोस्वामी तुलसीदास, संत साहित्य मर्मज्ञ आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा गोस्वामी तुलसीदास,संत साहित्य मर्मज्ञ आचार्य परशुरामचतुर्वेदी, उपन्यास सम्राट प्रेमचन्द एवं कथा सम्राट चंद्रधर शर्मा गुलेरी स्मृति समारोह के शुभअवसर पर दिन बुधवार 30 जुलाई, 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हिन्दी भवन केनिराला सभागार लखनऊ में पूर्वाहन 11.00 बजे से किया गया। दीप प्रज्वलन,माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण,पुष्पापण के उपरान्त वाणी वंदनाश्रीमती गीता शुक्ला द्वारा प्रस्तुत की गयी। सम्माननीय अतिथि-डॉ० हरिशंकर मिश्र,असित चतुर्वेदी,नरेन्द्र भूषण एवं डॉ०अलका पाण्डेय का स्वागत स्मृति चिहन भेंट कर डॉ० अमिता दुबे,प्रधान सम्पादक, उत्तर प्रदेशहिन्दी संस्थान द्वारा किया गया। डॉ0 हरिशंकर मिश्र ने कहा-गोस्वामी तुलसीदास एक प्रेरणा पुरुष के रूप में हमारेसम्मुख हैं। तुलसीदास जी का जीवन काफी संघर्षमय था।तुलसीदास जी का साहित्य लोकतत्व से परिपूर्ण है। वे लोक सेवा भावना से ओत- प्रोत थे।उन्होंने अपनी रामकथा को गंगा सेजोडने का प्रयास किया।साहित्य ऐसा होना चाहिए जो गंगा की भांति सभी का हितकारी हो।गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने आप को तीर्थराज बनाने का प्रयास किया। संत समाज कोऐसा कार्य करना चाहिए,जिससे वे लोक कल्याण कर सके।तुलसीदास जी ने अपने साहित्य मेंसंत के लक्षणों की व्याख्या की है।कोई भी व्यक्ति वस्त्र व वाणी से नहीं बल्कि जो स्वभाव सेसंत हो वही सच्चा संत होता है। असित चतुर्वेदी ने कहा-सरस्वती के उपासक कभी स्वगीय नही होते हैं।सरस्वती केसाधना में लगे हुए लोग कभी स्वर्गीय नहीं होते है।आचार्य परशुराम चत्र्वेदी जी पेशे से वकीलथे। वे वकालत से अधिक साहित्य साधनारत थे।आचार्य परश्राम चत्र्वेदी जी की उनकी प्स्तक'उत्तरी भारत की संत परम्परा काफी चर्चित है।संत साहित्य पर शोध कार्य उनकी पुस्तकों केबिना पूर्ण नहीं हो सकता है।आचार्य परशुराम चत्र्वेदी जी का नाम संत कवियों में प्रमुखता सेलिया जाता है। ₹संत मरा क्या रोइये जो अपने घर को जाय' की पंक्तियाँ उनके ऊपर चरितार्थहोती हैं। नरेन्द्र भूषण ने प्रेमचन्द के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए कहा-कुछ लोगऐसे होते हैं, जहाँ जन्म लेते हैं वह स्थान धन्य हो जाता है।प्रेमचन्द का साहित्य आज भीप्रासंगिक है।प्रेमचन्द जी अपने लेखन की शुरुआत नबाब राय के नाम से की।प्रेमचन्द कासाहित्य देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण है।प्रेमचन्द के साहित्य में सामाजिक कुरीतियों काव्यापक विरोध मिलता है।प्रेमचन्द उर्दु भाषा के अच्छे जानकार थे। इस अवसर पर तुलसी के पदं यथा श्री रामचन्द्र कृपालु भजमन,गाइये गणपति जगवंदन, दमक चलत राम चन्द्र, मो सो कौन दीन तो सौ कौन दयाल की संगीतमय प्रस्तुति संगीतकला संस्थान के माध्यम से डॉ0पूनम श्रीवास्तव द्वारा की गयी। तबले पर डॉ० राजीव शुक्ला,हारमोनियम पर चन्द्रेश पाण्डे एवं बॉस्री पर दीपेन्द्र कुमार द्वारा सहयोग किया गया। डॉ०अमिता दुबे, प्रधान सम्पादक,उ0प्र० हिन्दी संस्थान द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवंसंगोष्ठी में उपस्थित समस्त साहित्यकारों, विद्वत्तजनों एवं मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त किया गया।

सीएम युवा योजना बनी आत्मनिर्भरता की सीढ़ी, लाभार्थी युवा बोले– थैंक्यू सीएम सर

योजना के लाभार्थियों ने सीएम योगी के प्रति जताया आभार, कहा – अब हम खुद भी आगे बढ़ रहे हैं और दूसरों को भी रोज़गार दे पा रहे हैं

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई 'सीएम युवा योजना' आज उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को पंख दे रही है। सीएम युवा कॉन्क्लेव के दौरान योजना के पांच लाभार्थियों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे यह योजना उनके लिए सिर्फ एक आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की राह का मार्गदर्शन बनी। इन पांचों युवाओं ने सिर्फ अपनी सफलता की कहानी साझा नहीं की, बल्कि इस बात पर भी जोर दिया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस योजना को सिर्फ घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि प्रभावी कार्यान्वयन के जरिए इसे युवाओं के जीवन से जोड़ा है। इसके लिए सभी ने मुख्यमंत्री का आभार जताया और उन्हें धन्यवाद कहा।

कानपुर की प्रभनूर कौर : बेंगलुरू से सीखी ट्रेनिंग, अब केक्स की क्वीन

कानपुर निवासी प्रभनूर कौर एक प्रोफेशनल बेकरी चलाती हैं, जिसमें लग्ज़री और कस्टमाइज केक बनाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से ट्रेनिंग लेने के बाद वे कुछ करना चाहती थीं, लेकिन संसाधनों की कमी आड़े आ रही थी। जब उन्हें जिला उद्योग कार्यालय से सीएम युवा योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने आवेदन किया और 4.25 लाख का लोन प्राप्त किया। इस सहायता से उन्होंने एक बेकरी स्टूडियो खोला और अब अपने साथ-साथ कई अन्य लोगों को भी रोज़गार दे रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "सरकार ने ऐसा मंच दिया, जहां युवाओं को अपने सपने पूरे करने का अवसर मिल रहा है।"

लखनऊ के विजय पांडे : लकड़ी के खिलौनों से 16 जिलों में कारोबार

विजय पांडे लकड़ी के खिलौने बनाते हैं और अब उत्तर प्रदेश के 16 ज़िलों में उनकी सप्लाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास हुनर तो था, लेकिन पूंजी नहीं। सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें सीएम युवा योजना के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद जिला उद्योग केंद्र से संपर्क कर उन्होंने आवेदन किया।

15 से 20 दिनों के भीतर लोन स्वीकृत हुआ और अब वे 15 से ज्यादा लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं। विजय कहते हैं, "मुख्यमंत्री जी ने न केवल यह योजना बनाई, बल्कि इसे धरातल पर भी पूरी प्रतिबद्धता से लागू किया।"

शशांक चौरसिया : फार्मा की नौकरी छोड़ शुरू किया क्रिएटिव स्टूडियो

लखनऊ के शशांक चौरसिया मूलतः फार्मासिस्ट हैं और बेंगलुरु में नौकरी करते थे, लेकिन उन्होंने खुद का कुछ शुरू करने का फैसला किया। सीएम युवा योजना के तहत उन्होंने एक स्टूडियो की शुरुआत की, जिसमें वेडिंग फोटोशूट और कॉमर्शियल शूट्स किए जाते हैं। आज वे खुद के लिए ही नहीं, अन्य युवाओं के लिए भी रोज़गार के अवसर बना रहे हैं। आज उनका टर्नओवर 4-5 लाख पहुंच गया है।

तूबा सिद्दीकी : नेचुरल क्लीनर से देशभर में पहचान बनाई

लखनऊ की रहने वाली बायोटेक्नोलॉजिस्ट तूबा सिद्दीकी ने नेचुरल क्लीनर प्रोडक्ट के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। शुरुआत में उन्होंने लोन लेने को लेकर संकोच किया, लेकिन जब सीएम युवा योजना के बारे में सुना तो उन्होंने प्रयास किया और सिर्फ 15 दिन में लोन स्वीकृत हो गया। अब वे 10 से अधिक लोगों को रोज़गार दे रही हैं और उनके उत्पाद दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों तक पहुंच रहे हैं। तूबा कहती हैं, "आज मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैंने अपनी जगह खुद बनाई है, वो भी एक महिला उद्यमी के रूप में।"

सीतापुर के अमरदीप सिंह : फिजियोथेरेपिस्ट से बन गए सेंटर ओनर

सीतापुर के अमरदीप सिंह, जो कि एक फिजियोथेरेपिस्ट हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों और आर्थिक स्थिति के चलते बाहर नहीं जा सके। एक मित्र के माध्यम से उन्हें सीएम युवा योजना की जानकारी मिली। लोन मिलने के बाद उन्होंने अपना रिकवरी सेंटर शुरू किया और अब 4-5 लोगों को रोज़गार दे पा रहे हैं। वे कहते हैं, "सीएम युवा योजना ने न केवल मुझे व्यवसाय शुरू करने का हौसला दिया, बल्कि मेरी ज़िंदगी की दिशा ही बदल दी।"

आयोग ने पिछड़े वर्गों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी

लखनऊ। भारत सरकार के राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर की अध्यक्षता में बुधवार को लखनऊ स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस में प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल एवं सचिव मीता राजीव लोचन भी उपस्थित रहीं।उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप, उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सुभाष चंद्र शर्मा तथा निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग डॉ. वंदना वर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक का उद्देश्य राज्य और केंद्र के बीच समन्वय स्थापित करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण की योजनाओं एवं नीतियों की समीक्षा और भविष्य की दिशा तय करना था। बैठक की शुरुआत में उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग का संक्षिप्त इतिहास, स्थापना की पृष्ठभूमि और आयोग के कार्यों का सामान्य परिचय प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात आयोग द्वारा पिछड़े वर्गों के हित में किए जा रहे कार्यों और संवैधानिक दायरे में उसे प्राप्त शक्तियों की विस्तृत जानकारी दी गई। यह स्पष्ट किया गया कि आयोग न केवल शिकायतों के निस्तारण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, बल्कि नीतिगत सुझावों एवं अनुसंधान कार्यों के माध्यम से भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का कार्य कर रहा है। आयोग के संगठनात्मक ढांचे, कार्यप्रणाली, स्वीकृत एवं रिक्त पदों की स्थिति, स्टाफ की उपलब्धता और कार्यभार का भी तकनीकी रूप से विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। साथ ही आयोग को उपलब्ध बजट, वित्तीय प्रावधानों का उपयोग, आगामी आवश्यकता तथा राज्य सरकार से अपेक्षित सहयोग जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।बैठक में प्रदेश स्तर पर पिछड़े वर्ग के उत्थान हेतु आयोग द्वारा अब तक किए गए प्रमुख कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिसमें पिछड़े वर्ग की जातियों की पहचान, जातीय अनुसूचियों का अद्यतन, सामाजिक-आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन, क्षेत्रवार अध्ययन और केन्द्र सरकार को भेजी गई संस्तुतियाँ शामिल रहीं। उत्तर प्रदेश राज्य की पिछड़े वर्गों की सूची तथा उससे संबंधित जातियाँ/उपजातियाँ/उपनाम, जो अभी तक भारत सरकार की केंद्रीय सूची में सम्मिलित नहीं हो सकी हैं, का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया गया। आयोग ने इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा राज्य सरकार से प्राप्त सुझावों के आधार पर संस्तुति भेजे जाने की प्रक्रिया पर चर्चा की।

आईटीआई सत्र 2025–26 के तृतीय चरण चयन परिणाम घोषित

लखनऊ। प्रदेश में संचालित राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2025 (छः माह), सत्र 2025-26 (एक वर्षीय) एवं सत्र 2025-27 (दो वर्षीय) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद्, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा तृतीय चरण का चयन परिणाम एवं द्वितीय चरण के पश्चात उच्चीकरण का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए विशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग तथा अधिशासी निदेशक, राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् अभिषेक सिंह ने बताया कि चयन परिणाम परिषद् की वेबसाइट www.scvtup.in अथवा www.upvesd.gov.in/dte पर उपलब्ध है। प्रवेश की निर्धारित तिथि 31 जुलाई से 5 अगस्त, 2025 तक (अवकाश सहित) तय की गई है। चयनित अभ्यर्थी अपना पंजीकरण संख्या एवं जन्मतिथि दर्ज कर बुलावा पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परिषद् द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भी सूचना भेजी जा रही है।जिन अभ्यर्थियों का इस चरण में प्रवेश नहीं हुआ है, उन्हें उनकी रैंक सहित स्थिति वेबसाइट पर प्रदर्शित की गई है। ऐसे अभ्यर्थियों को अगले चरण की प्रतीक्षा करनी होगी। चयनित अभ्यर्थी को बुलावा पत्र की प्रति, समस्त मूल प्रमाण-पत्र, अंकपत्र, उनकी एक-एक स्वप्रमाणित प्रति एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्बन्धित आईटीआई के प्रधानाचार्य से संपर्क कर प्रवेश लेना होगा। बुलावा पत्र में अंकित संस्थान के अनुसार ही प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण की जाए।

वेतन की पारदर्शिता : भारतीय नौकरी की पोस्टिंग में वेतन का खुलासा बढ़ रहा है

बेंगलुरु। इनडीड की नई रिपोर्ट के अनुसार अब विभिन्न पदों के विज्ञापनों में सैलरी की जानकारी दी जा रही है। लेकिन भले ही यह पारदर्शिता लगातार बढ़ रही हो, फिर भी कुछ सेक्टर्स और पदों के लिए सैलरी की जानकारी अभी भी पूरी तरह नहीं दी जाती। भारत में नौकरियों के विज्ञापनों में सैलरी की जानकारी अब एक अहम हिस्सा बनती जा रही है। वर्ष 2025 की शुरुआत में इनडीड इंडिया पर सैलरी दिखाने वाली जॉब पोस्टिंग की संख्या 50% से ज़्यादा हो गई है, जो मार्च 2022 में सिर्फ 26% थी और 2023 के अंत तक 47% तक पहुंची थी। इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह है नौकरी चाहने वाले, जो साफ़ जानकारी, बराबरी और समझदारी से फैसला लेना पसंद करते हैं। इनडीड इंडिया के सेल्स प्रमुख शशि कुमार ने बताया कि, "जल्दी सैलरी बताना अब टैलेंट को आकर्षित करने का एक बड़ा कारण बनता जा रहा है, लेकिन सैलरी को पारदर्शी बनाने के लिए अभी और काम करना बाकी है। पहले सैलरी बताना सिर्फ एक अच्छी बात मानी जाती थी, लेकिन अब यह मॉडर्न कंपनियों की पहचान बनती जा रही है। आज की इस प्रतिस्पर्धा वाली दुनिया में पारदर्शिता ही टैलेंट को आकर्षित करने का नया और बेहतर तरीका है।" रिमोट जॉब्स और जूनियर से मिड-लेवल की नौकरियां सबसे ज्यादा सैलरी की जानकारी देने वाली होती हैं। इनडीड पर हुए एक हाल के सर्वे के अनुसार, रिमोट और हाइब्रिड नौकरियों में सैलरी की जानकारी देना आम बात हो गई है। आंकड़े बताते हैं कि अब इन नौकरियों के ज्यादातर विज्ञापनों में सैलरी की जानकारी दी जाती है। क्योंकि रिमोट और हाइब्रिड नौकरियों के लिए अलग-अलग जगहों के लोग आवेदन करते हैं, इसलिए सैलरी की पहले से दी गई जानकारी कंपनियों के लिए बहुत जरूरी है। इससे वे अलग-अलग इलाकों से अच्छे और योग्य लोगों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। सैलरी की पारदर्शिता नौकरी के स्तर के हिसाब से भी काफी अलग-अलग होती है। सीनियर लीडरशिप की नौकरियों में सबसे कम सैलरी बताई जाती है। सिर्फ 13% पोस्टिंग में ही सैलरी की जानकारी होती है। वहीं जूनियर और मिड-लेवल की नौकरियों में सबसे ज्यादा पारदर्शिता होती है, जिनमें 32% पोस्टिंग में सैलरी बताई जाती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इन पदों के लिए ज़्यादा लोग आवेदन करते हैं, और पहले से सैलरी बताने से कंपनियों को सही उम्मीदवारों को जल्दी चुनने में मदद मिलती है। इसके बाद एंट्री-लेवल की नौकरियां आती हैं, जिनमें 28% पोस्टिंग में सैलरी बताई जाती है। यह दिखाता है कि कंपनियां अब ऐसे युवाओं को ध्यान में रखकर काम कर रही हैं, जो पारदर्शिता को ज़्यादा पसंद करते हैं। सैलरी की पारदर्शिता में आगे रहने वाले सेक्टर अब कई सेक्टर सैलरी की पारदर्शिता को अपनाने लगे हैं, खासकर आईटी प्रोडक्ट्स और सर्विसेज, बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई), कंसल्टिंग, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और फार्मा, और कंज्यूमर गुड्स व रिटेल जैसे क्षेत्र। इन सेक्टर में अब 35% से ज्यादा नौकरी के विज्ञापनों में सैलरी की जानकारी दी जाती है। कंपनियों के नजरिए से देखें तो यह बदलाव उन्हें जल्दी भर्ती करने, बेहतर उम्मीदवार चुनने और आज के कठिन लेबर मार्केट में आगे बने रहने में मदद कर रहा है। इनडीड के डेटा के मुताबिक, 62% नौकरी चाहने वाले उन्हीं जॉब लिस्टिंग को पसंद करते हैं, जिनमें सैलरी की जानकारी होती है। जिन विज्ञापनों में सैलरी बताई जाती है, उन्हें ज़्यादा क्लिक, सेव किया जाता है, साथ ही उन्हें अच्छे उम्मीदवार मिलते हैं, जिससे यह साफ होता है कि टैलेंट को आकर्षित करने में पारदर्शिता अब बहुत जरूरी बन गई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत शेषपुर विकास खण्ड मोतिगरपुर, सुलतानपुर

पत्रांक : मेमो/आपूर्ति/निविदा /2025-26 दिनांक 30/07/2025

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत शेषपुर विकास खण्ड मोतिगरपुर, सुल्तानपुर में वर्ष 2025-26 में आरजीएसए योजना अंतर्गत ईंट (प्रथम श्रेणी), गिट्टी, मोरंग, बालू,सीमेंट,सरिया आदि निविदा आमंत्रित किया जाता है। शेष नियम व शर्तें योजना गाइड लाइन्स/ग्राम पंचायत के अंतर्गत किए जायेंगे। समस्त सामग्री उपलब्ध निर्धारित कार्य स्थल पर लिया जाएगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	ग्राम पंचायत में जनसेवा केंद्र हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण	500000.00 रूपये

उपरोक्त कार्य हेतु इच्छुक आपूर्ति कर्ता विज्ञापन तिथि से दिनांक 07/08/2025 तक कार्यालय पंचायत भवन ग्राम पंचायत शेषपुर विकासखंड मोतिगरपुर जनपद सुल्तानपुर में दोपहर 2 बजे तक व्यक्तिगत या किसी अन्य माध्यम पत्राचार द्वारा उपलब्ध करा सकते है। उसी दिन शाम 4 बजे निविदादाताओं के समक्ष निविदा खोली जाएगी।

नियम व शर्ते :
1.आयकर नियमानुसार जमा करना होगा।
2. भुगतान चेक/नेफ्ट के माध्यम से खाते में भेजा जाएगा।

सचिव /प्रधान
ग्राम पंचायत - शेषपुर
विकास खण्ड - मोतिगरपुर
जनपद - सुलतानपुर

एक नजर

काकोरी में 27 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही तीन अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शहर में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को प्रवर्तन जोन–3 की टीम ने काकोरी क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान लगभग 27 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही 03 अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। प्रवर्तन जोन–3 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि गुड्डू व अन्य द्वारा काकोरी के ग्राम–सकरा में घुसुरी तालाब से कठिंगरा को जाने वाले मार्ग पर एक जगह 15 बीघा व दूसरी जगह 05 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य कराते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। इसके अलावा अशोक कुमार, मो0 शाहबुद्दीन, मो0 जमाल, मो0 मुइद्दीन सिद्दीकी, फिरोज अहमद, राजाराम व अन्य द्वारा काकोरी के ग्राम–मौदा में लगभग 07 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। प्राधिकरण से ले–आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इन तीनों अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया। जिसमें निजी विकासकर्ताओं द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवॉल आदि को ध्वस्त कर दिया गया।

करंट की चपेट में आकर दंपत्ति की मौत

लखनऊ। गोसाईंगंज के धौरहरा गांव में बिजली का करंट लगने से दंपति की मौत हो गई। घटना शाम छह बजे ट्रुल्लू चलाते समय हुई। बताया गया है कि गोसाईंगंज के धौरहरा गांव निवासी गजराज की पत्नी गीता ट्रुल्लू चलाने गई तो सीलन के कारण करंट की चपेट में आ गईं। गीता 55 वर्ष करंट की चपेट में आकर गिर कर बेहोश गई। पत्नी को देखकर पति गजराज 60 वर्ष दौड़ कर पहुंचे और पत्नी को जैसे उठाने की कोशिश किया वह भी गिर कर बेहोश हो गए। घटना से घर में कोहराम मच गया। पड़ोस और परिवार के लोगों ने दंपति को किसी तरह से उठाया और तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईंगंज ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर गोसाईंगंज पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और घटना की जानकारी लिया। बताया गया है कि गजराज खेती करते थे। उनके तीन पुत्र और दो पुत्री हैं। दो पुत्र और पुत्रियों की शादी हो चुकी है। क्षेत्रीय लेखपाल ने भी घटना की जानकारी हासिल की।

विमान में खराब भोजन दिए जाने को लेकर शिवसेना ने एयरपोर्ट प्रशासन को दिया शिकायती पत्र

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के एयरपोर्ट मैनेजर को एयर इंडिया द्वारा विमान में बासी एवं दुर्गंध खाद्य पदार्थ सामग्री देने को लेकर शिवसेना यू बी टी के उत्तर प्रदेश सचिव विश्व जीत सिंह ने शिकायती पत्र दिया है। विश्वजीत सिंह का आरोप है कि एयर इंडिया द्वारा शिवसेना प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर अनिल सिंह को विमान में खाने के लिये दिए गए बर्गर से उनको फूड पॉइजनिंग हो गई। जिसके कारण उन्हें उल्टी व लूज मोशन होने लगा शिवसेना के प्रदेश सचिव का कहना है कि 11 जुलाई को एयर इंडिया के विमान AI 812 से शिवसेना प्रदेश अध्यक्ष लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे,विमान में उन्हें डिब्बे में पैक बर्गर दिया गया बर्गर खाने से उन्हें सड़न युक्त बदबू आने लगी। जब वह बर्गर पलट कर देखे तो उसमें सफेद फफूंदी लगी हुई थी और वह खाने योग्य नहीं था। इसकी शिकायत अध्यक्ष ने तत्काल एयर होस्टेस को किये और पार्टी के पदाधिकारी तथा सोशल मीडिया द्वारा एयर इंडिया को भी अवगत कराया गया। शिवसेना प्रदेश सचिव का कहना है कि एयर इंडिया द्वारा मानक की विपरीत गैर जिम्मेदार रवैया अपनाते हुए खराब गुणवत्ता वाले दुर्गंध युक्त भोजन भरोसा जा रहा है, जिससे यात्रियों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शिवसेना प्रदेश सचिव ने इस प्रकरण को गंभीरता पूर्वक लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में त्रिस्तरीय जांच कमेटी गठित कराकर दोषी एयर इंडिया व फूड प्रोवाइड कराने वाली कंपनी द्वारा इस मामले से जुड़े सभी लोगों के खिलाफ तत्काल विधिक कार्रवाई कराये जाने के लिए एयरपोर्ट प्रशासन को लिखित शिकायत किया गया। उनका कहना है कि अगर इस पर कार्रवाई नहीं की गई तो शिवसेना द्वारा जनहित में आंदोलन करने की बात की है।

मारपीट, जाति सूचक गाली देने और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट कराई दर्ज

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में युवक ने जाति सूचक गालियां देने और मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है लखनऊ के लालकुआं स्थित छितवापुर भेडी मंडी निवासी गोविंद कनौजिया का कहना है कि वह 29 जुलाई को विनय राजपूत और रवि जायसवाल के पास बंथरा रवि के रुपये हड़पने वाली पूनम और उसके पति रंजीत से रुपये लेने गए हुये थे पीड़ित का कहना है कि बिजनौर थाना क्षेत्र के सैनिक एंक्लेव निवासी पूनम और उसका पति रंजीत रुपये देने के लिए 8:00 बजे रात को घर पर बुलाये हुए थे, जब वहां से वापस लौट रहे थे। तभी वैगन आर कार UP 32 MT 3284 से 4–5 लोग आए। जिसमें प्रमोद ,रंजीत और तीन अज्ञात व्यक्ति थे। जिनकी फोटो पीड़ित ने अपने मोबाइल में खींच लिया था। पीड़ित का कहना है कि वह लोग जान से मारने के उद्देश्य से हाथ में ईंटा लेकर आये हुये थे। पीड़ित का कहना है कि वह लोग विनय के ऊपर हमला कर दिये। पीड़ित का कहना है कि वह लोग विनय और उस पर जान से मारने के लिए ताबड़तोड़ वार करने लगे। जिससे उसका सर फट गया, हाथ की उंगली फट गई और गंभीर चोटे आई तो विनय को भी गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का कहना है कि जब आसपास के लोगों ने मारपीट की आवाज सुनकर इकठ्ठा होने लगे तो वह लोग मां–बहन की गालियां देने लगे। जान से मारने की धमकी देने लगे और जाति सूचक गालियां देते हुए वहां से भाग गये। पीड़ित ने बिजनौर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई बिजनौर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

घर का ताला तोड़कर गहने और नकदी चोरी होने की रिपोर्ट कराई दर्ज

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर कीमती गहने और नगदी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर थाना क्षेत्र के काजियाना मोहल्ला निवासी सैयद मजहर अब्बास रिजवी का कहना है कि वह 23 जुलाई को लखनऊ के हुसैनाबाद स्थित अपने ससुराल गए हुये थे। पीड़ित का कहना है कि जब वह दूसरे दिन ससुराल से सुबह वापस अपने घर आये तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था और लाकर से दो नाक की कील, एक सोने की अंगूठी और 50000 हजार रूपये नगद अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया था पीड़ित का कहना है कि घर के सारे सामान को उलट – पलट दिए थे और घर से ढेर सारे सामान भी चोरी कर ले गये थे। जो कि उसे अभी याद नहीं था। पीड़ित ने इसकी सूचना बिजनौर थाने में दिया। बिजनौर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चोरों का पता लगा रही है।

नमाज पढ़ने गए युवक की मस्जिद से मोटरसाइकिल हुई चोरी

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के मस्जिद में नमाज पढ़ने गये युवक की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के कानपुर रोड एलडीए कॉलोनी निवासी अब्दुल हलीम का कहना है कि वह 25 जुलाई को 12:50 बजे नमाज पढ़ने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर स्थित हरि मस्जिद गए हुए थे। पीड़ित का कहना है कि वह मस्जिद के सामने अपनी मोटरसाइकिल UP 32 EF 9257 को खड़ी करके मस्जिद में नमाज पढ़ने अंदर चले गये और जब लौट कर वापस आए तो वहां पर मोटरसाइकिल नहीं दिखी। पीड़ित का कहना है कि वह अपनी मोटरसाइकिल के विषय में आसपास लोगों से पूछा लेकिन किसी ने कोई जानकारी नहीं दिया। पीड़ित का कहना है कि उसने सरोजनीनगर थाने में मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। सरोजनीनगर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

पहली तिमाही में पीएनबी का लाभ 7081 करोड़ पर

लखनऊ। वितीय वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की कुल आय साल–दर–साल 15.7% बढ़कर 37,232 करोड़ हो गई, जबकि शुद्ध ब्याज आय में 1% की वृद्धि हुई। पीएनबी ने बुधवार को वित वर्ष की पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों का एलान किया। इस अवधि में बैंक की बचत जमाराशि साल दर साल आधार पर 2.8% बढ़ कर 4,97,981 करोड़ हो गई जबकि चालू जमाराशि में साल दर साल 9.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है वित वर्ष 26 की पहली तिमाही में कासा जमाराशि साल दर साल आधार पर 3.6% बढ़कर 5,68,638 करोड़ रुपये हो गया। इसी अवधि में कुल रिटेल क्रेडिट साल दर साल आधार पर 11.8% बढ़कर 2,62,219 करोड़ हो गया। पहली तिमाही में कोर रिटेल अग्रिम साल दर साल आधार पर 17.7% बढ़ा है वर्तमान वित वर्ष की पहली तिमाही में आवासीय ऋण साल दर साल आधार पर 16.6% वृद्धि के साथ 1,18,708 करोड़ हो गया जबकि वाहन ऋण में साल दर साल आधार पर 25.3% वृद्धि दर्ज की गई है। कृषि अग्रिमों में 6.2% वहीं एमएसएमई अग्रिम में साल दर साल आधार पर 18.6% वृद्धि दर्ज की गई है।

पुलिस लाइन में एएसपी की पत्नी फंदे से लटकी, मौत

7 दिन से अकेले रह रही थीं, सीबीसीआईडी में तैनात हैं अफसर पति

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में बुधवार को एसीपी मुकेश प्रताप सिंह की पत्नी नितेश सिंह (28) ने सुसाइड कर लिया। पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास में उनका शव पंखे से लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एसीपी मुकेश प्रताप सिंह इस समय सीबीसीआईडी में तैनात हैं।

वहीं, सूचना मिलते ही महानगर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि आत्महत्या के पीछे क्या वजह थी? शुरुआती जांच में पारिवारिक तनाव या डिप्रेशन की आशंका जताई जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस सुसाइड के पीछे की वजह जानने की कोशिश में जुटी है।

पुलिस ने महिला का मोबाइल फोन, डायरी और अन्य निजी वस्तुओं को जांच के लिए कब्जे में लिया है। हालांकि कोई सुसाइड नोट मिला है या नहीं, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। एसीपी मुकेश प्रताप सिंह इस समय छुट्टी पर थे या ड्यूटी पर, यह भी पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी उनके विभागीय अधिकारियों को भी दी गई है।

सीबीसीआईडी में एसपी मुकेश प्रताप सिंह और उनकी पत्नी नितेश सिंह। (फाइल फोटो)

पुलिस का कहना है कि घटना की पूरी गंभीरता से जांच की जा रही है। परिजनों के भी बयान दर्ज किए जाएंगे। एडीसीपी ममता रानी ने बताया- शाम 4 बजे सूचना मिली कि महानगर पुलिस लाइन के ट्रांजिट हॉस्टल में एक अफसर की पत्नी ने सुसाइड कर लिया है। इस सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक महिला के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पीपीएस अधिकारी मुकेश प्रताप सिंह मूलरूप से इटावा की भरथना तहसील क्षेत्र के रहने वाले हैं। फिलहाल उनका परिवार इटावा की शांति कॉलोनी में रहता है। उनके छोटे भाई तहसीलदार हैं। मुकेश प्रताप कोरोना काल में औरैया के बिधूना सर्किट में क्षेत्राधिकारी (सीओ) के पद पर तैनात थे। वहां उनकी तैनाती 2019 से अक्टूबर, 2021 तक रही। वहां से प्रमोशन पाकर अपर पुलिस अधीक्षक क्राइम के पद पर बरेली में तैनात हुए थे। वहां से करीब 4 महीने पहले ही उनका ट्रांसफर सीबी-सीआईडी लखनऊ में एसपी के पद पर हुआ था।

सपा मुखिया ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि केन्द्र सरकार को देश का असली दुश्मन नहीं दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव ने बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि आतंकवादी पाकिस्तान से आते हैं। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ाता है। पाकिस्तान के पीछे चीन खड़ा है। चीन हमारे देश की सीमा पर अतिक्रमण कर रहा है। चीन हमारा कारोबार और व्यापार छीन रहा है लेकिन केन्द्र की भाजपा सरकार को देश का असली दुश्मन नहीं दिख रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि अभी जो युद्ध हुआ उसमें चीन की भूमिका को सभी लोग जान रहे है। सवाल यह है कि जब भी युद्ध होगा तो क्या ऐसी ही परिस्थितियों से गुजरना पड़ेगा जैसा पिछले दिनों हुआ। बिहार में वोटरलिस्ट को स्पेशल इंटेंसिव रिविजन को लेकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा नई-नई रणनीति बनाती है। आठ करोड़ वोट की वोटर लिस्ट सिर्फ एक से डेढ़ महीने में बनाना चाहते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में विपक्ष वोटर लिस्ट को लेकर शिकायत करता है तो प्रशासन के अधिकारी शिकायत नहीं सुनते हैं। भाजपा की सरकार रहती है तो चुनाव आयोग में भी शिकायत के बाद भी डीजीपी और अन्य अधिकारी नहीं हटाए जाते हैं। दूसरी पार्टी की सरकार होती है तो तुरन्त हटा दिये जाते हैं। समाजवादी पार्टी ने भाजपा के इशारे पर डिलीट किए गए 18 हजार वोटरों का नाम एफिडेविट के साथ चुनाव आयोग को दिये, उसके बाद भी आयोग ने किसी रिटर्निंग ऑफिसर और बीएलओ पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

गो तस्कर को बिहार से पकड़ कर लाई गोसाईंगंज पुलिस

लखनऊ। बिहार में बैठ कर पश्चिमी उत्तर प्रदेश से गोवंश की तस्करी कर पश्चिम बंगाल भेजने वाले गो तस्कर इलियास नट उर्फ बादाम को गोसाईगंज पुलिस ने बिहार के औरंगाबाद जिले से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को ट्रांजिट रिमांड के बाद जेल भेज दिया गया।

मालूम हो कि पांच मई को गोसाईगंज क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर लावारिस ट्रक में बीस गोवंश मिले थे। गोवंश ले जाने वाले तस्कर 17 मई की रात पुलिस के निशाने पर आ गए। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने

एक व्यक्ति को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था जबकि उसके साथी भाग निकले और बाद में पकड़े गए। पुलिस उपायुक्त निपुण अग्रवाल, अपर पुलिस उपायुक्त अमित कुमावत और सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज ऋषभ रुणवाल मौके पर पहुंचे और इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी तथा पुलिस टीम से घटना की जानकारी ली। पकड़ा गया तस्कर शोएब उर्फ गेंडा खतौली मुजफ्फर नगर का रहने वाला था। उसका हाल पता मेरठ था।

शोएब पर मुजफ्फर नगर, इटावा और कुशीनगर में कई मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस की घेराबंदी में मुनीर आलम निवासी मुजफ्फर नगर, मुरादाबाद निवासी फिरासत, मुजफ्फर नगर निवासी फैजान और हरिद्वार निवासी जाबिर को भी गिरफ्तार किया गया था।

सभी की गिरफ्तारी पर पता चला कि बिहार में जाने वाले गोवंश को औरंगाबाद के बारुण थाना क्षेत्र में स्थित भुइया टोला मेला कोचार निवासी इलियास नट उर्फ

बादाम खरीदता है। मास्टर माइंड इलियास की गिरफ्तारी के लिए लगी पुलिस टीम ने उसे बिहार के औरंगाबाद से गिरफ्तार कर लिया। ट्रांजिट रिमांड लेकर गोसाईगंज पहुंची पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। बताया गया कि पकड़ा गया इलियास औराई भदोही जिले के 2023 के गैंगस्टर और पशु क्रूरता के मुकदमे में भी वांछित चल रहा था।

उसने पुलिस को बताया कि सस्ती कीमत पर गोवंशों को खरीद कर हम पश्चिम बंगाल भेजते हैं जहां ज्यादा कीमत मिलती है। पुलिस के अनुसार इलियास के नाम तीन ट्रक पंजीकृत हैं। इलियास को गिरफ्तार करने वाली टीम में गोसाईंगंज के उप निरीक्षक विक्रांत सिंह, आरक्षी दीपक कुमार शाह तथा सर्विलांस सेल के आरक्षी रवींद्र सिंह और अंकुर कुमार शामिल रहे।

मालूम हो कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से गोवंश और शराब की तस्करी की जाती है। गोसाईगंज पुलिस शराब और गोवंश तस्करों को पकड़ भी चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार और शुक्रवार के बीच एक्सप्रेसवे से गोवंश लदे ट्रक ज्यादा गुजरते हैं।

मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने आज लेट्स गिव होप फाउंडेशन के सक्षम स्किल सेंटर में किया निरीक्षण

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने आज लेट्स गिव होप फाउंडेशन द्वारा संचालित सक्षम स्किल सेंटर, एस डी एस एन डिग्री कॉलेज (गोमती नगर) का दौरा किया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक श्री आशीष मौर्या ने उन्हें सेंटर की गतिविधियों, बच्चों और महिलाओं के लिए चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने सेंटर में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि वे संस्था को हर संभव सहयोग देने का प्रयास करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस सेंटर को DUDA (डूडा), महिला कल्याण, स्किल डेवलपमेंट आदि विभागों से बच्चों, महिलाओं और युवाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने में सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि यहां प्रशिक्षण लेने वाले बच्चों और महिलाओं को बेहतर अवसर मिल सकें। सक्षम स्किल सेंटर में कंप्यूटर और सिलाई का प्रशिक्षण ले रहे बच्चों से मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने बातचीत की और उनके प्रशिक्षण के विषय में भी जाना। इस अवसर पर एस डी एस एन डिग्री कॉलेज के प्रबंधक कृष्ण मुरारी, अनीशा विष्ट, अखिल गुप्ता, प्रज्ञा साहू, संगीता सिंह, आयुष वर्मा उपस्थित रहे।

क्लर्क ने खुद को गोली से उड़ाया

लखनऊ। सरकारी क्लर्क ने अपने प्लॉट में खुद को गोली से उड़ा लिया। बाहर इंतजार कर रहे ड्राइवर ने जब गोली की आवाज सुनी तो प्लॉट के अंदर भागा। वहां मालिक के खून से लथपथ शव को देखकर परिजनों और पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। घटना सुशांत गोल्फ सिटी के विंड क्लब के पास स्थित एक खाली प्लॉट में शाम करीब पांच बजे हुई।

मृतक की पहचान निगोहां करणपुर के रहने वाले राज कुमार सिंह के रूप में हुई। राज चकबंदी विभाग में क्लर्क और राज कर्मचारी संघ के अध्यक्ष थे। बुधवार शाम करीब पांच बजे वह अपने ड्राइवर केशव राम के साथ प्लॉट देखने आए थे। राज ड्राइवर केशव राम को बाहर इंतजार करने को बोलकर प्लॉट के अंदर चले गए। थोड़ी देर बाद गोली चलने की आवाज आई। इस पर केशव राम ने प्लॉट के अंदर जाकर देखा तो राज खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे। पास ही एक लाइसेंसी रिवाल्वर पड़ा था। ड्राइवर ने घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया- गोली राज के सिर के आर-पार हो गई थी। ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल स्थल को कवर कर दिया गया है।

भूमाफियाओं के अवैध कब्जे में बिजली विभाग भी बना सहायक और दे दिया कनेक्शन

विश्ववार्ता संवाददाता

काकोरी। काकोरी थाना क्षेत्र में एक दबंग ने विधवा महिला की निजी संपत्ति (दुकान) पर दस्तावेजों में हेराफेरी के सहारे अवैध कब्जा कर लिया और फर्जी दस्तावेज दस्तावेज तैयार कर स्वयं दुकान का मालिक बताते हुए पूर्व से लगा बिजली कनेक्शन कटवाकर अपने नाम का विद्युत कनेक्शन भी करा लिया। महिला के विरोध करने पर जान से मार देने की धमकी दे रहा है। पीड़ित विधवा महिला ने पुलिस को तहरीर देकर विधिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

मलिहाबाद कस्बे की रहने वाली बसंती सोनी पत्नी स्वर्गीय हरीश सोनी ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसकी एक दुकान कटरा बाजार, खोया मंडी, काकोरी में स्थित है, जो उसकी वैध एवं पुश्तैनी संपत्ति है। कुछ वर्ष पूर्व उस दुकान को उसने नीरज एवं धीरज नामक व्यक्तियों को किराए पर दिया था। चूंकि दुकान जर्जर स्थिति में थी, उन्होंने उसमें मरम्मत आदि कराकर व्यापार आरंभ किया। मरम्मत में लगाए गए धन को आपसी सहमति से किराए से समायोजित किया। इसी स्थान पर मेरी एक दूसरी दुकान जो कोने पर स्थित है, वह अब्दुल वाहिद उर्फ पप्पू, पुत्र अब्दुल करीम, निवासी सागर तालाब, काकोरी नामक व्यक्ति के पास किराए पर दे रखी है। जब पप्पू से उक्त दुकान को खाली करने को कहा तो उसने यह शर्त रखी कि यदि उसे खोया मंडी वाली दुकान बनवाकर दूं, तो वह पुरानी दुकान छोड़ देगा। मैंने स्पष्ट किया कि मेरी आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है और निर्माण कार्य हेतु धन नहीं है। इस पर पप्पू ने कहा कि वह स्वयं निर्माण करा लेगा और उसकी लागत किराए से समायोजित करता रहेगा। इस शर्त पर मैंने मौखिक सहमति दी। कुछ समय पश्चात पप्पू ने मेरी सहमति एवं जानकारी के बिना फर्जी दस्तावेज बनवाकर मेरी संपत्ति को नगर पंचायत में अपने नाम दर्ज कराने का आवेदन किया, जो पूरी तरह से धोखाधड़ी, षड्यंत्र एवं अवैध कब्जे का गंभीर मामला है। इसके अतिरिक्त, पप्पू ने बिना मेरी अनुमति के मेरे नाम पर चल रहे बिजली कनेक्शन को भी कटवा दिया, जिससे मुझे व्यापारिक एवं निजी स्तर पर गंभीर क्षति पहुंची है। अब पप्पू मेरे विरुद्ध झूठा दावा कर रहा है कि उक्त दुकान उसकी है, जबकि न तो कोई रजिस्ट्री, न ही बिक्री समझौता, न ही कोई विधिक दस्तावेज मेरे द्वारा उसके नाम किए गए हैं। जब मैंने इसका विरोध किया तो उसने मुझे खुलेआम धमकी दी कि यदि किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई की गई तो वह मुझे जान से मार देगा। इस प्रकार मुझे एवं मेरे परिवार को निरंतर मानसिक प्रताड़ना, भय एवं असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पीड़ित महिला की समस्या को जिलाध्यक्ष विजय मौर्य ने संज्ञान लेते हुए बिजली विभाग व पुलिस से गम्भीरता से लेते हुए कार्यवाही की मांग किया है वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर ने पीड़ित महिला की व्यथा को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही जांच कराकर न्यायोचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

86 ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए गए : जिलाधिकारी

लखनऊ। आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स और उनके सुधार के कार्यों की समीक्षा की गई। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण सतेंद्र नाथ द्वारा बताया गया कि कुल 86 ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए गए थे। जिनको विश्वकर्मा पोर्टल पर दर्ज कराते हुए सुधार करने की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा आदर्श ढाबा कट, बीबीडी कट और सुधा कट संबंधित ब्लैक स्पॉट के सुधारात्मक कार्य की प्रगति की जानकारी मांगी गई। जिसके सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग द्वारा बताया गया कि उक्त सभी कट पर सुधार के कार्य अंतिम चरण में हैं। अगली बैठक से पहले सभी कार्य पूर्ण हो जाएंगे। उक्त के बाद बैठक में जिलाधिकारी द्वारा ब्लैक स्पॉट्स के आस पास चिकित्सकीय संस्थान की उपलब्धता के संबंधित बिंदु की भी समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि शहरी क्षेत्रों के अंदर के ब्लैक स्पॉट्स के आस पास तो हॉस्पिटल उपलब्ध है। परन्तु शहर के बाहर के क्षेत्रों जैसे कानपुर रोड, लखनऊ हरदोई रोड और लखनऊ सीतापुर रोड के आस पास ट्रामा/एक्सिडेंट केयर फैसिलिटी चिन्हित करना आवश्यक है। जिसके सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बीकेटी स्थित राम सागर मिश्र 100 शय्या हॉस्पिटल में सीटी स्कैन फैसिलिटी का प्रस्ताव बनाया जा रहा है। जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति से प्रस्ताव भेजना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कानपुर रोड और हरदोई रोड पर भी एक एक चिकित्सीय फैसिलिटी चिन्हित करते हुए एक्सीडेंटल केयर हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराते हेतु प्रस्ताव भेजना सुनिश्चित किया जाए ताकि दुर्घटना के समय रैपिड रिस्पांस किया जा सके। उक्त के बाद बैठक में जिलाधिकारी द्वारा विद्यालयों में

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहूत कराने के संबंधित जानकारी मांगी गई। जिसके सम्बन्ध में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि लगभग 110 विद्यालयों में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहूत की जा चुकी है। साथ ही 270 विद्यालयों द्वारा उनके यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों के विद्यालय आने जाने का साधन और ड्राइवरों का डेटा उपलब्ध करा दिया गया है। जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा एआरटीओ को निर्देशित किया गया कि जिन विद्यालयों के ड्राइवर्स का डेटा प्राप्त हो गया है उसको सत्यापन हेतु पुलिस प्रशासन को भेज कर जांच करवाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही निर्देशित की गया कि शत प्रतिशत विद्यालयों में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहूत करना और विद्यालयों में आने वाले बच्चों के मोड आफ ट्रांसपोर्टेशन एवं ड्राइवरों का डेटा प्राप्त कर सत्यापन करना सुनिश्चित किया जाए। उक्त बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी, जिला विद्यालय निरीक्षक, एआरटीओ, अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जर्जर विद्यालय भवनों का सत्यापन कराकर तत्काल हो ध्वस्तीकरण : मंडलायुक्त

मंडलायुक्त ने की अलंकार योजना की समीक्षा

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय, जर्जर विद्यालयों के ध्वस्तीकरण व प्रोजेक्ट अलंकार के द्वारा किए जा रहे निर्माणधीन कार्यों की समीक्षा बैठक आयुक्त सभाकक्ष कार्यालय में आहूत की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन, संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रदीप सिंह, एडी बेसिक व मंडल के समस्त बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित आधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय मंडल के समस्त जनपदों में बनने के लिए अभी तक जिन जनपदों द्वारा भूमि चिन्ह्यांकन कर प्रस्ताव नहीं भेजा गया है, तो उन जनपदों द्वारा तत्काल भूमि चिन्ह्यांकन कर प्रस्ताव भेजा जाना सुनिश्चित किया जाए। जिससे समय रहते हुए, शासन से फंड रिलीज होने के उपरांत तत्काल मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण कार्य

धरातल पर उतारा जा सके। मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद लखनऊ में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय बनने के लिए तहसीलवार पांच स्थानों का चिन्ह्यांकन करके प्रस्ताव भेज दिया गया है। एडी बेसिक द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय निर्माण के लिये न्यूनतम 5 एकड़ भूमि का प्रावधान है। उक्त के पश्चात मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जर्जर विद्यालयों की तकनीकी समिति से सत्यापन कराकर तत्काल ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाए। यदि ध्वस्तीकरण तत्काल सम्भव न हो तो बिल्डिंग को सील करने की कार्रवाई पूर्ण की जाए ताकि कोई बच्चा उसमे प्रवेश न कर सके। जर्जर भवनों एवं कक्षा-कक्षाओं का आकलन कर अंतिम रूप से पुनर्निर्माण हेतु भवन एवं अतिरिक्त कक्षा-कक्ष की मांग कर ली जाए। खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा पीएम श्री विद्यालयों का पाक्षिक अनुश्रवण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार के तहत विद्यालयों के वृहद निर्माण व अनुरक्षण मद के द्वारा किये किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता व मानक का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समयावधि में सम्पूर्ण कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

मंडलायुक्त ने कहा कि शासनादेश में वर्णित पेयरिंग व्यवस्था से नई शिक्षा नीति को और अधिक प्रभावी किया जाएगा। इससे विद्यालयों में शिक्षकों की अधिक उपलब्धता होगी, भौतिक संसाधनों की उपलब्धता बढ़ेगी। पर्याप्त छात्र नामांकन उपस्थिति से पियर लर्निंग के अवसर बढ़ेंगे तथा ग्रामीण परिवेश में लर्निंग गैप कम होगा। लखनऊ मंडल में अधिकांशतः सभी विद्यालय शिफ्ट किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पेयरिंग में विद्यालय की दूरी, छात्र संख्या एवं प्राकृतिक भौगोलिक बाधाओं तथा रेलवे लाइन, हाईवे, नदी इत्यादि को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। जिस विद्यालय में पेयरिंग की जा रही है वहां आवश्यक संसाधन यथा पर्याप्त कक्षा-कक्ष एवं शौचालय इत्यादि उपलब्ध हो। छात्र संख्या तथा अवस्थापना सुविधाओं को ध्यान में रखकर पेयरिंग किए गए स्कूलों का परीक्षण करलें तथा त्रुटिपूर्ण होने पर संशोधन किया जाए।

इलेक्ट्रिक वाहन रैली में मांगे राम चौहान ग्रीन मोबालिटी एंबेसडर के रूप में होंगे शामिल

लखनऊ/नई दिल्ली। देश में हरित ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में आयोजित हो रही भारत महा ईवी रैली 2025 (Bharat Maha EV Rally 2025) की शुरुआत इस वर्ष 9 सितंबर को भव्य रूप से इंडिया गेट, दिल्ली से होगी। यह रैली देश की सबसे लंबी ईवी (Electric Vehicle) यात्रा होगी, जो 100 दिनों में 21000+ किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 28 राज्यों और 9 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी। इस प्रेरणादायक रैली में ग्रीन मोबालिटी एंबेसडर के रूप में श्री मांगे राम चौहान, उप आवास आयुक्त, बरेली (उत्तर प्रदेश), शामिल होंगे। एक पर्यावरणविद् और हरित आंदोलन के सक्रिय प्रवर्तक के रूप में श्री चौहान की भूमिका इस अभियान को नई दिशा देने वाली होगी। रैली का उद्देश्य देश में ईवी तकनीक को बढ़ावा देना, हरित परिवहन के प्रति जागरूकता फैलाना और एक करोड़ से अधिक वृक्षारोपण के लक्ष्य को पूरा करना है। इस ऐतिहासिक अभियान में 10,000+ प्रतिभागी, 1000+ स्वयंसेवक, 100+ एनजीओ, और 500 से अधिक विश्वविद्यालय एवं 2500+ संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित की

गई है। इस रैली का आयोजन International Federation of Electric Vehicle Association (IFEVA) द्वारा किया जा रहा है, जिसमें ICAT और ARAI जैसे अग्रणी संगठन भी सहयोग कर रहे हैं। श्री मांगे राम चौहान की उपस्थिति न केवल रैली की गरिमा को बढ़ाएगी, बल्कि उनके प्रेरणादायक विचार युवाओं में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और हरित भविष्य की ओर अग्रसर होने की भावना को भी प्रोत्साहित करेंगे। श्री राजीव मिश्रा अध्यक्ष इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल एसोसिएशन द्वारा श्री चौहान को पर्यावरण संरक्षण के इस कार्य में ग्रीन एंबेसडर नियुक्त किया गया है।

एक नजर

जिलाधिकारी ने दिए अफसरों को सख्त निर्देश, लापरवाही बरतने पर होगी कार्रवाई

बरेली। जनता को अपनी समस्याओं के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बड़ा निर्देश जारी किया है। उन्होंने सभी अपर जिलाधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार और जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा है कि वे रोजाना सुबह 10 से 12 बजे तक अपने दफ्तर में मौजूद रहें और इस दौरान आने वाली जन शिकायतों की सुनवाई करें। डीएम ने साफ कहा है कि जनसुनवाई का यह समय सिर्फ जनता के लिए रखा गया है। इस दौरान न तो कोई बैठक होगी और न ही कोई दूसरा काम। अधिकारी सिर्फ फरियाद सुनेंगे और उन्हें हल करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अकसर देखने में आ रहा है कि अधिकारी समय से दफ्तर नहीं पहुंचते, जिससे लोगों को परेशानी होती है और उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई अधिकारी लापरवाही करता पाया गया तो कार्रवाई तय है। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों का समाधान न सिर्फ समय से हो, बल्कि ऐसा करें कि लोग संतुष्ट होकर जाएं। सरकार की मंशा भी यही है कि आम आदमी की परेशानी का हल दफ्तर में ही हो उसे भटकना न पड़े।

नगर निगम में चहेतों को भुगतान कर किया घपला

बरेली। नगर निगम में नियमों को ताक पर रखकर चहेतों को भुगतान किया गया। तीन वर्षों के ऑडिट में सौ करोड़ रुपये से अधिक का घपला सामने आया है। कई मामलों में अनियमित रूप से धन का व्यय दिखाया गया है। स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के ऑडिट की आपत्तियों पर जवाब देने के बजाय जिम्मेदार लीपापोती में जुट गए हैं। वर्ष 2020-21 में हुए ऑडिट में 36 मामलों में 63.73 करोड़ रुपये की अनियमितता सामने आई। वर्ष 2021-22 में निगम के आय-व्यय का फिर ऑडिट हुआ तो उसमें 26 मामलों में 25.46 करोड़ रुपये की हेराफेरी एवं नियम विरुद्ध भुगतान पाया गया। मामला यहीं नहीं थमा। वर्ष 2022-23 के ऑडिट में 22 मामलों में 82.14 करोड़ रुपये से संबंधित गड़बड़ियां सामने आईं। ऑडिटरों ने तीन वर्ष के ऑडिट में 171 करोड़ रुपये के हिसाब-किताब पर सवाल खड़े किए हैं। इसमें से करीब सौ करोड़ रुपये का भुगतान अनियमित खर्चों से जुड़ा है। इन आपत्तियों पर नगर निगम के जिम्मेदार कुंडली मारे बैठे हैं। विभिन्न मदों से प्राप्त अनुदान व अन्य शासकीय धनराशि को गलत तरह से क्यों खर्च किया गया? लेखा परीक्षा विभाग के इस सवाल का जवाब अब तक नहीं दिया है। यह हाल तब है, जबकि इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने के लिए लेखा परीक्षा विभाग के उप निदेशक स्तर से नगर निगम को कई पत्र लिखे जा चुके हैं। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि ऑडिट आपत्तियों पर साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए संबंधित विभाग को मौका मिलता है। यदि उसके बाद भी इन लोगों ने साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं तो इस मामले को देखेंगे और अभियान चलाकर निस्तारण कराएंगे। गड़बड़ी मिलने पर कार्रवाई भी की जाएगी।

आखिरकार एक महीने में पकड़ा गया तेंदुआ

बरेली। जिले के ग्रामीण क्षेत्र के थाना हाफिजगंज थाना इलाके में बीते एक महीने से दहशत फैला रहा तेंदुआ आखिरकार बुधवार सुबह फैजुल्लापुर के पास स्थित बंद फैक्टरी में लगाए गए पिंजरे में तेंदुआ कैद मिला। वन विभाग ने पिंजरे में मुर्गी को चारे के रूप में रखा था। प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भंडारी (आईएफएस) ने बताया कि ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। तेंदुए की दहशत के चलते किसान खेतों में नहीं जा पा रहे थे, जिससे खेती-किसानी का काम प्रभावित हो रहा था। बच्चों के स्कूल जाना भी मुश्किल हो गया था। बुधवार को फैजुल्लापुर के पास स्थित बंद फैक्टरी में लगाया गया पिंजरे में तेंदुआ कैद हो गया। उसे विधिक औपचारिकताओं के बाद उत्तर प्रदेश की बिजनौर सीमा से लगे हुए उत्तराखंड के घने जंगल में तेंदुआ को छोड़ा जाएगा। मालूम हो कि 26 जून को फैजुल्लापुर स्थित बंद पड़ी फैक्टरी में तेंदुए ने वहां तैनात चौकीदार अजय कुमार की गाय पर हमला कर दिया था। अजय कुमार ने छत पर चढ़कर तेंदुए का वीडियो बनाया और शोर मचाकर उसे वहां से भगा दिया। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई, जिसने फैक्टरी में पिंजरा और सीसीटीवी कैमरे लगाए, लेकिन तेंदुआ हर बार चकमा देता रहा। तेंदुए को पकड़ने के लिए मेरठ से बुलाए गए वन्यजीव विशेषज्ञ जीएस खुशवालिया ने फैक्टरी परिसर का निरीक्षण कर नई रणनीति बनाई। उनका मानना था कि यह तेंदुआ पहले पिंजरे के अनुभव से सतर्क है, लिहाजा पारंपरिक तरीके से पकड़ना मुश्किल होगा। इसके बाद रेंज अधिकारी केके मिश्रा, वनकर्मी अकबर अली और मोहम्मद अशरफ की टीम ने उसके संभावित रास्ते पर नया पिंजरा लगाया और उसमें एक जिंदा मुर्गी को चारे के रूप में बंद किया गया। मंगलवार रात हुई बारिश के कारण माना जा रहा है कि तेंदुए को शिकार नहीं मिल सका। भूख से परेशान होकर वह पिंजरे में रखी मुर्गी को देखने आया और उसमें घुस गया। इसी दौरान वह कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने की सूचना पर थाना प्रभारी हाफिजगंज पवन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम भी वहां पहुंची। फिलहाल तेंदुआ विभागीय निगरानी में है।

स्कूल के गेट पर बंधी मिलीं बकरियां, अंदर पढ़ाई कर रहे थे बच्चे

» दो साल से गैरहाजिर शिक्षामित्र की सेवा समाप्त करने के आदेश

» एडीएम ने हटवाया अतिक्रमण, चेताया फिर बांधी तो होगी एफआईआर

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। ददरौल ब्लॉक के शाहबाजनगर प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को एडीएम एफआर अरविंद कुमार ने अचानक निरीक्षण किया। गेट पर पहुंचते ही उन्हें कई बकरियां बंधी मिलीं। स्कूल के बाहर बनी इस चरागाह जैसी स्थिति को देख एडीएम भड़क उठे।

अधिकारी ने मौके पर ही ग्रामीण को बुलवाया, जो बकरियां बांधता था। उसे सख्त हिदायत दी गई कि आगे से ऐसी हरकत न दोहराए, वरना मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। बकरियां मौके से हटवाई गईं। स्कूल में पहुंचने पर एडीएम ने बच्चों से बातचीत की और उनकी किताबें देखीं। बच्चे पढ़ाई में लगे मिले, जवाब भी ठीक-ठाक दिए। लेकिन स्टाफ की उपस्थिति में लापरवाही सामने आई। शिक्षामित्र अनुपम वर्मा गैरहाजिर पाए गए। जिनसे जवाब तलब किया गया है। वहीं शिक्षामित्र मनजीत कौर दो साल से लगातार ड्यूटी से नदारद हैं। एडीएम ने उनकी सेवा समाप्त करने का निर्देश मौके पर ही दे दिया। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिए कि स्कूल में किसी तरह की लापरवाही या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं और इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं चलेगी।

बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किया स्कूलों का औचक निरीक्षण, शिक्षण कार्यों की सराहना

शाहजहांपुर। जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बुधवार को विकास खंड मदनापुर क्षेत्र के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुमटा नवीन, जैतापुर, बंधा, हरसिंहपुर, झपका दिलावरपुर, भीतीया पांकी समेत कई प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था और मध्याह्न भोजन योजना की स्थिति का जायजा लिया। प्राथमिक विद्यालय गुमटा नवीन में शिक्षकों द्वारा कराए जा रहे शिक्षण कार्यों की उन्होंने प्रशंसा की। उन्होंने छात्रों से पुस्तकें मंगवाकर अक्षरों की पहचान एवं विषयवस्तु की जानकारी ली। बच्चों के उत्साह व उत्तरों से संतुष्ट होकर उन्होंने शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। वहीं प्राथमिक विद्यालय जैतापुर में छात्रों से मात्राओं से संबंधित प्रश्न पूछे गए। बच्चों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिए जाने पर बीएसए ने शिक्षण स्तर को सराहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की जांच की और भोजन की स्वच्छता एवं पोषण मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया कि भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और बच्चों को स्वच्छ एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराया जाए। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों से अपील की कि वे पठन-पाठन को और अधिक रोचक बनाएं तथा छात्रों की बौद्धिक क्षमता के समुचित विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के 1500 साल मुकम्मल होने पर दरगाह का अहम पैग़ाम

सेमिनार आयोजित कर पहुंचाए पैग़म्बर ए इस्लाम की तालीमात : अहसन

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। दरगाह आला हज़रत के सज्जादानशीन और (टीटीएस) के आलमी सदर मुफ्ती अहसन रज़ा क़ादरी (अहसन मियां) ने बारह रबी-उल-अव्वल यानी 5 सितंबर 2025 को मनाई जाने वाली ईद मिलादुन्नबी को इस्लामी इतिहास को अहम बताते हुए कहा कि इस बार जब हम अपने नबी-ए-करीम की पैदाइश की खुशी मनाएंगे, तो उनके दुनिया में तशरीफ़ लाने के 1500 साल मुकम्मल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह जश्न मुसलमानों के लिए बेहद खास, ऐतिहासिक और प्रेरणादायक होगा। इस खुशी को सिर्फ उत्सव की तरह नहीं, बल्कि समाज में शांति, इंसानियत और इस्लामी पैग़ाम को फैलाने के अवसर के रूप में मनाया जाना चाहिए।

मुफ्ती अहसन मियां ने देशभर के मुसलमानों के नाम जारी अपने खास पैग़ाम में कहा कि ईद मिलादुन्नबी "ईदों की ईद" है। यह दिन सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए रहमत का दिन है, क्योंकि हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने न सिर्फ इंसानों, बल्कि जानवरों और पर्यावरण तक के हक में आवाज़ बुलंद की। उन्होंने समाज के तमाम वर्गों, मजहबों और नस्लों को जोड़ने का पैग़ाम दिया। इस बार का जश्न-ए-मिलाद हर मुसलमान अपने नबी की सीरत (जीवन शैली), तालीमात (शिक्षाएं) और नसीहतों को आम करें। शिक्षा को एक मिशन बनना चाहिए। पैग़ंबर-ए-इस्लाम का संदेश, समाज की सेवा से जोड़े मुफ्ती अहसन मियां ने कहा कि हमें चाहिए कि इस मुबारक मौके पर हम हर वह काम करें जिससे समाज में नफरत कम हो, मोहब्बत बढ़े और आपसी भाईचारा मजबूत हो। इस बार के जश्न को "वर्ल्ड पीस डे" यानी "विश्व शांति दिवस" के रूप में मनाया जाए और इसका पैग़ाम सिर्फ मस्जिदों तक सीमित न रहकर गली, मोहल्ले, कॉलोनी, स्कूल, कॉलेज और समाज के हर तबके तक पहुंचे।

उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि इस खुशी में प्रतियोगिताएं कराएं, सेमिनार आयोजित करें जिसमें सभी धर्मों के लोगों को आमंत्रित किया जाए। निबंध लेखन, सवाल-जवाब प्रतियोगिताएं कराकर बच्चों को पैग़ंबर-ए-इस्लाम की जीवनी से जोड़ा जाए। यही असल जश्न-ए-मिलाद होगा।मुफ्ती अहसन मियां ने जोर देते हुए कहा कि पैग़ंबर-ए-इस्लाम की तालीमात पर अमल करके ही हम समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। मुसलमानों से उन्होंने कहा कि गरीबों, यतीमों और जरूरतमंदों की मदद करें। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाएं, पौधारोपण करें ताकि पर्यावरण को हरा-भरा रखा जा सके। जश्न-ए-मिलाद के मौके पर किसी गरीब को खाना खिलाना, बीमार का हाल पूछना, पड़ोसी की जरूरत को जानना, यही असली इस्लामी रविश है। बरेली में इस मौके पर दो पारंपरिक जुलूस निकाले जाते हैं। एक ईद मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या पर पुराने शहर से और दूसरा ईद मिलादुन्नबी के दिन कोहाडापीर से। मुफ्ती अहसन मियां ने कहा कि ये जुलूस प्रशासन की गाइडलाइन और शरीअत के दायरे में रहकर पूरे अनुशासन से निकाले जाएं। उन्होंने कहा कि जुलूस के दौरान अगर रास्ते में कोई अस्पताल पड़े तो दरूदो सलाम पढ़ते हुए खामोशी से गुज़रें, कोई एम्बुलेंस आ जाए तो फौरन रास्ता दें।

वित्त मंत्री की भाभी को अंतिम विदाई नम आंखों से लोगों ने दी श्रद्धांजलि

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। प्रदेश सरकार में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की भाभी सरला खन्ना का मंगलवार को निधन हो गया। उनके निधन की खबर से न सिर्फ परिवार, बल्कि समूचे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई। स्व. श्रीमती खन्ना समाजसेवी कमलेश कुमार खन्ना की धर्मपत्नी थीं।

बुधवार को दीवान जोगराज स्थित आवास से उनकी अंतिम यात्रा निकली। जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, व्यापारी वर्ग एवं जनपदवासियों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। हर आंख नम थी और वातावरण भावुक। अंतिम दर्शन के लिए लोगों की लंबी कतारें लगी रहीं। अंतिम यात्रा में शामिल जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों ने स्वर्गीय सरला खन्ना के सामाजिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शमशान घाट पर विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

उर्स-ए-रजवी को लेकर नगर आयुक्त और जमात रज़ा-ए-मुस्तफा पदाधिकारियों की बैठक

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा खां का तीन दिवसीय उर्स-ए-रजवी 18, 19 और 20 तारीख को धूमधाम से मनाया जाएगा। उर्स की तमाम रस्में काज़ी-ए-हिंदुस्तान मुफ्ती मोहम्मद असजद रज़ा खां कादरी की सरपरस्ती और जमात रज़ा-ए-मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उर्स प्रभारी सलमान मियां की सदारत में दरगाह ताजुशरिया और सीबीगंज स्थित मदरसा जामियातुर रज़ा में अदा की जाएंगी।

इस आयोजन को लेकर नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें जमात रज़ा-ए-मुस्तफा के पदाधिकारियों और उर्स कोर कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में उर्स के सफल आयोजन के लिए नगर निगम और अन्य विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। उर्स कोर कमेटी के सदस्य शमीम अहमद ने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए शौचालय, वुज़ू के लिए पानी की टंकियां, बोरिंग की सुविधा और लंगर के लिए पानी के टैंकरों की समय से व्यवस्था आवश्यक है। साथ ही उन्होंने नगर निगम से सहयोग की अपेक्षा जताई। वहीं सदस्य

मोइन खान ने दरगाह से उर्स स्थल तक की सड़क की मरम्मत, नालियों की सफाई, मैदान को समतल करने, कूड़े के डिब्बों की व्यवस्था और साफ-सफाई जैसे बिंदुओं पर जोर दिया। नगर आयुक्त ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि नगर निगम की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उर्स से पहले सभी तैयारियां पूरी करा दी जाएंगी। इस अवसर पर कोर कमेटी के मुख्य सदस्य मोइन खान, अब्दुल्लाह रज़ा खान, समरान खान, शाहिउद्दीन रज़वी सहित अन्य लोगों ने भी अपने सुझाव रखे और आयोजन को सफल बनाने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश, गिरफ्तार, दो फरार

» कई आपराधिक मामलों में वांछित थे आरोपी

अभियुक्तों का अपराधिक इतिहास

लालाराम पर बरेली, पीलीभीत और नवाबगंज थानों में चोरी, लूट, अवैध हथियार और आबकारी अधिनियम सहित कुल 13 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं सरताज पर लूट व चोरी के तीन गंभीर मुकदमे हैं, जिनमें एक फरीदपुर थाने में दर्ज है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि फरार साथियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ा दी गई है।

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। थाना फरीदपुर क्षेत्र में मंगलवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक शातिर अपराधी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, चाकू और दो चोरी व लूट की बाइकें बरामद की हैं।

घटना के दौरान बदमाशों की गोली से एक कांस्टेबल भी घायल हुआ है। दोनों घायलों को सीएचसी फरीदपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध बदमाश इनायतपुर नहर से चोरी व लूट की बाइक के साथ रहपुरा नहर पटरी पर मौजूद हैं। सूचना मिलते ही फरीदपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां चार युवक दो बाइक के साथ खड़े मिले। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश लालाराम गोली लगने से घायल हो गया। वहीं उसका साथी सरताज भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान कांस्टेबल मेघश्याम भी गोली लगने से घायल हो गए। पकड़े गए आरोपियों की पहचान लालाराम पुत्र बाबूराम, निवासी पीलीभीत और सरताज पुत्र शहीद अहमद, निवासी बरेली के रूप में हुई है। इनके पास से एक 315 बोर तमंचा, दो जिंदा व दो खोखा कारतूस, एक चाकू और दो हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गईं। पूछताछ में दोनों ने कबूला कि एक बाइक इनायतपुर नहर और दूसरी बेनीपुर नहर पटरी से चोरी व लूट की गई थी। मुठभेड़ के दौरान दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे, जिनकी पहचान ताहिर उर्फ गुड्डू और बाबू के रूप में हुई है। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है।

सांसद ने हाईमास्ट लाइट और यात्री शेड पर खर्च किए 4 करोड़ 78 लाख

5 करोड़ निधि से 3 करोड़ 79 लाख की लाइट व 99 लाख की लागत से बनवाए यात्री शेड

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपद की जनता का विश्वास जीतकर लगातार दूसरी बार सदन पहुंचे सांसद अरुण सागर ने सांसद निधि के पहले साल में पांच करोड़ रुपये में से चार करोड़ 78 लाख रुपये खर्च तो किए। लेकिन ज्यादातर रकम हाईमास्ट लाइट और यात्री प्रतीक्षालयों पर ही खर्च हो गई। क्षेत्र की जर्जर सड़कों की सुध लेने की बजाय विकास निधि को सिर्फ रोशनी और छांव तक सीमित कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक सांसद अरुण सागर ने 15 स्थानों पर 99 लाख रुपये की लागत से यात्री प्रतीक्षालय बनवाए। वहीं सार्वजनिक स्थलों पर 156 हाईमास्ट लाइटें लगाने में करीब तीन करोड़ 79 लाख रुपये खर्च कर दिए। निधि का बड़ा हिस्सा इन्हीं दो मदों में खप गया। लगातार दूसरी बार जनता का विश्वास जीतकर सदन पहुंचे सांसद ने जनता से सड़क, नाली, पुलिया या स्वास्थ्य सेवाओं जैसे बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने का वादा किया था। लेकिन ऐसी कोई योजना अमल में नहीं लाई गई। हालांकि सांसद ने शाहजहांपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस के स्टॉपेज की मांग जरूर रेल मंत्री से की है, लेकिन अभी तक इस पर स्वीकृति नहीं मिल पाई है। वही सांसद ने मैलानी फर्रुखाबाद रेल लाइन डलवाने का भी वादा किया था लेकिन इसकी अभी स्वीकृति मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

"पहले से मंजूर परियोजनाओं का ध्यान रखा गया है। क्षेत्र के कई गावों में हाई मास्ट लाइटों की आवश्यकता थी आगे अन्य परियोजनाओं को मंजूरी मिल गई है जनता की सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है जल्द ही बदलाव देखने को मिलेगा

अरुण सागर,
सांसद शाहजहांपुर लोक सभा

सावन में तीज महोत्सव की धूम, गीत-संगीत और नृत्य से सजी शाम

कायस्थ चेतना मंच की महिला इकाई ने किया आयोजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। सावन माह में कायस्थ चेतना मंच की महिला इकाई द्वारा तीज महोत्सव की रंगारंग प्रस्तुतियों ने शहरवासियों का मन मोह लिया। कायस्थ चेतना मंच की महिला इकाई द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में पारंपरिक गीत, संगीत और नृत्य की बेमिसाल छटा बिखरी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंजूषा श्रीवास्तव रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. प्रियांशी सक्सेना को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री चित्रगुप्त की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसे पूर्व डिवीजन मैनेजर आरके सक्सेना ने संपन्न किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिता मुकेश ने की। चित्रगुप्त वंदना के जरिए कविता सक्सेना, ललिता सक्सेना और संगीता सक्सेना ने मंच को भावविभोर कर दिया। फिल्मी गीतों पर

प्रकाश सक्सेना का नृत्य प्रस्तुति और मुकेश व राजेश कुमार के मधुर गीतों ने श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं। कविता सक्सेना ने पारंपरिक सावन गीत प्रस्तुत कर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया, जबकि अनुराधा सक्सेना का नृत्य दर्शकों को बेहद पसंद आया।

उपजा प्रेस क्लब के अध्यक्ष, उद्यमी डॉ. पवन सक्सेना, ने भी मंच से सुरों की बौछार कर महफिल लूट ली। मुख्य अतिथि मंजूषा श्रीवास्तव का मोहक नृत्य और विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रियांशी सक्सेना की सुरमयी प्रस्तुति ने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। सुरभि सक्सेना और उन्मुक्त संभव शील की युगल नृत्य प्रस्तुति ने भी कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। तीज महोत्सव में अनीता सिंह, विकल्प सक्सेना और विष्णु सक्सेना ने भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किए, वहीं प्रतिभा जौहरी, पंकज जोहरी और मेधांश ने नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन जीत लिया।

संस्था के अध्यक्ष संजय सक्सेना ने मंच से सभी कलाकारों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए स्मृति चिह्न और उपहार भेंट किए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखते हैं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना भी मजबूत करते हैं। तीज महोत्सव की यह शाम एक यादगार अनुभव बनकर हर दर्शक के मन में अमिट छाप छोड़ गई है। कार्यक्रम का संचालन बेहद आकर्षक अंदाज़ में दीपाली सक्सेना ने किया। इस सांस्कृतिक संध्या में शामिल होकर तीज का आनंद लेने वालों में डॉ. पूजा सक्सेना, बी.के. सक्सेना, अल्पना सक्सेना, अशोक सक्सेना, सुनील सक्सेना, गीता सक्सेना और अधीर सक्सेना प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

साइबर ठग ने एसी कारोबारी के खाते से उड़ाई रकम

बरेली। नामी एसी कारोबारी को वाहन चालान का झांसा देकर साइबर ठगों ने उनके मोबाइल फोन पर एपीके फाइल भेज दी। इसके बाद कारोबारी के खाते से धड़ाधड़ रुपये कटने शुरू हो गए। रात में वह मोबाइल स्विच ऑफ कर एसएसपी आवास पहुंचे तो साइबर सेल ने जांच शुरू की। आवास विकास कॉलोनी निवासी विक्रम गुप्ता का एमसीआई प्लाजा में एसी शोरूम है। विक्रम गुप्ता ने बताया कि शाम साढ़े पांच बजे उनके व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। इसमें लिखा था कि आपके वाहन का चालान हुआ है। एसपी ट्रैफिक चालान लिखी एपीके फाइल को उन्होंने विवरण देखने के लिए खोला तो मोबाइल फोन हैंग हो गया।

बीएलओ/पर्यवेक्षकों को दिया प्रशिक्षण

बरेली। तहसील सदर में उपजिलाधिकारी सदर, प्रमोद कुमार ने पंचायत निर्वाचका नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण के लिए तहसील सदर के अन्तर्गत आने वाले विकास खण्ड- भोजीपुरा, बिथरी चैनपुर, क्यारा व फतेहगंज पश्चिमी (आंशिक) की ग्राम पंचायतों में नियुक्त किये गये बीएलओ, पर्यवेक्षक एवं सम्बन्धित अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एसडीएम ने बताया कि समस्त बीएलओ ग्राम पंचायतवार आगामी 19 अगस्त से घर-घर जाकर मतदात सूची का सत्यापन करेंगें, जिसके बाद मतदात सूची में परिवर्धन संशोधन व विलोपन की कार्यवाही करेंगें।

समीक्षा जिलाधिकारी ने पर्यावरण, वृक्षारोपण व गंगा समिति की बैठक की

हरितिमा अमृत वन ऐप से वृक्षारोपण की जियो टैगिंग 31 जुलाई तक कराने के दिए निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति, जिला वृक्षारोपण समिति व जिला गंगा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने जिला पर्यावरण समिति की बैठक की समीक्षा की और निर्देश दिये कि नगरीय क्षेत्र के अस्तपतालों का निरीक्षण नगर निगम की टीम द्वारा किया जाये और चेक करें कि कहीं भी जैव चिकित्सा व ठोस अपशिष्ट बाहर खुले में ना फेंका जाये। नकटिया नदी किनारे कराये जा रहे निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता बाढ़ खण्ड को निर्देश दिये कि वे उप जिलाधिकारी सदर के साथ बैठक व निरीक्षण कर यह दिखवा लें कि जो निर्माण कार्य हो रहे हैं वे नदी के कैचमेंट क्षेत्र के अन्तर्गत तो नहीं किये जा रहे है।

रामगंगा नदी की फ्लड प्लेन एरिया के निर्धारण हेतु राष्ट्रीय जल आयोग से रिपोर्ट प्राप्त हो गयी है अतः इसका गहन अध्ययन कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण बोर्ड को निर्देश दिए गए कि प्लास्टिक अपशिष्ट निस्तारण के सम्बन्ध में सेमीखेडा चीनी मिल व पराग दुग्ध उत्पादन द्वारा आगामी बैठक से पूर्व प्लास्टिक रिसाइकलर से अनुबन्ध करा लिया जाये। समस्त अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि वे प्लास्टिक रीसाइक्लिंग हेतु ई.पी.आर. के अन्तर्गत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा लिया जाये। सम्भागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए गए कि जनपद में प्रदूषणकारी वाहनों व जनरेटर आदि की सघन चेकिंग करें तथा कृत कार्यवाही से समिति को अवगत कराया जाये। अधिशासी अधिकारी आंवला को निर्देश दिये गये कि मनौना धाम नया मार्ग पर पडे. हुये लिगेसी वेस्ट का तत्काल निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। नगर निगम यह सुनिश्चित करें कि कूडे. का ढुलान

कवर्ड वाहनों से ही किया जाये। सुपीरियर इंडस्ट्री से निकलने वाले दूषित पानी के सम्बन्ध में नगर निगम को निर्देश दिए कि वे नोटिस जारी करें।

वृक्षारोपण के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये कि वर्ष-2025 वृक्षारोपण लक्ष्यों का सभी विभागों द्वारा सफलतापूर्वक शत प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की गयी है। इस सम्बन्ध में समस्त विभागों को निर्देशित किया गया जिन विभागों द्वारा अभी तक जियो टैगिंग का कार्य पूर्ण नहीं कराया गया है वह 31 जुलाई 2025 तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाये। सभी विभाग अपने-अपने वृक्षारोपण क्षेत्रों की वृक्षारोपण पंजिका संधारित करें। प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देश दिये गये कि वे विभागों के वृक्षारोपण की अन्तर्विभागीय क्रॉस चेकिंग हेतु टीम गठित कर दें। समस्त विभाग रोपित पौधों की सिंचाई, सुरक्षा व अनुरक्षण हेतु एक कम्प्रेहैन्सिव प्लान तैयार कर लें, जिसके अनुसार रोपित पौधों की शत प्रतिशत जीवितता सुनिश्चित की जा सकें।

जिला गंगा समिति की बैठक में नगर निगम व प्रदूषण बोर्ड को निर्देश दिए गए कि नगर में संचालित चार एसटीपी का निरीक्षण कर अवगत कराये कि एसटीपी से कितना सीवेज ट्रीट किया जा रहा है तथा ट्रीटेड पानी का उपयोग कहाँ और कैसे किया जा रहा है एवं किस नदी में प्रवाहित होता है। इसका प्रेजेंटेशन के माध्यम से आगामी बैठक में प्रस्तुत करें। अधिशासी अभियंता उप्र जल निगम शहरी को निर्देश दिये गये कि किला नदी एवं वहां संचालित एसटीपी का निरीक्षण कर उसकी वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जाये। उपायुक्त मनरेगा व अपर जिलाधिकारी प्रशासन को निर्देश दिये गये कि जनपद में एक नदी तथा एक वॉटर बॉडी चिन्हित कर उसका पुनरुद्धार किये जाने के निर्देश दिये गये। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इण्डिया के प्रतिनिधि मो. आलम को निर्देश दिये गये कि जिला गंगा योजना के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों की समीक्षा हेतु समस्त बह-हितधारकों (लाइन डिपार्टमेंट) की बैठक मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता शीघ्र कराते हुये आवश्यक कार्यवाही करायें।

एक नजर

रात के अंधेरे में चोर काट ले गए यूकेलिप्टस के छह बेशकीमती पेड़

15 साल पुराने पेड़ों पर चला आरा, पुलिस कर रही छानबीन

बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बसौली गांव में चोरों ने यूकेलिप्टस के छह कीमती पेड़ों पर आरा चला दिया। घटना मंगलवार रात की है, जब चोर बसौली–कसौंजा मार्ग स्थित भैसहा तालाब के पास खेत की मेड़ पर लगे करीब 15 साल पुराने पेड़ों को काट कर ले भागे। पीड़ित किसान अजीत प्रताप सिंह ने सूरतगंज पुलिस चौकी में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोर रात के अंधेरे में खेत में घुसे और बड़े-बड़े यूकेलिप्टस के पेड़ों को काटकर ले गए। सुबह खेत में सिर्फ कटे हुए ठूंठ दिखाई दिए। घटना की जानकारी मिलने के बाद सूरतगंज चौकी प्रभारी उमेश कुमार वर्मा ने बताया कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है, पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लकड़ी तस्करी का गिरोह सक्रिय है, जो आए दिन किसानों की मेहनत पर हाथ साफ कर रहा है। किसान लगातार हो रहे नुकसान से परेशान हैं और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों के बने प्रमाण पत्र

मैगलगंज-खीरी। परिषदीय विद्यालयों में नामांकित दिव्यांग बच्चों का मेडिकल असेसमेंट कैंप बीईओ संजीव कुमार भारती के नेतृत्व में उच्च प्राथमिक विद्यालय पसगवां में आयोजित किया गया, जिसमें दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाए गए,जानकारी अनुसार परिषदीय विद्यालयों में नामांकित दिव्यांग बच्चे जो मानसिक रूप, दृष्टि बाधित, शारीरिक रूप से अक्षम है उनके मेडिकल असेसमेंट हेतु कैंप लगाकर कुल 110 बच्चों की जांच कर प्रमाण पत्र बनाये गये। इस दौरान कैंप में डाक्टर फैजल फिजियोथैरेपिस्ट, निखिल आर्य, सहित जिला समन्वयक समेकित शिक्षा, विशेष शिक्षक प्रहलाद कुमार, मनोज,विवेक त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, सुनील वर्मा, मनोज कुमार उपस्थित रहे। वहीं दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों ने शिक्षा विभाग की इस सराहनीय पहल की प्रसंशा की।

भारतीय जनता पार्टी के बरवर मंडल महामंत्री बने शिवम मिश्रा

मैगलगंज खीरी। शिवम मिश्रा एक साधारण परिवार से निकलकर राजनीति में आए इन्होंने युवा मोर्चा के कार्यकर्ता से काम की शुरुआत की फिर उनकी मेहनत और लगन को देखते हुए पार्टी ने बरवर मंडल का आईटी संयोजक बनाया। उसमें भी अपनी ईमानदारी और मेहनत से काम किया उसके बाद पार्टी ने मंडल उपाध्यक्ष भाजपा युवामोर्चा बनाए गए। साथ में बूथ अध्यक्ष भी रहे इनकी मेहनत और लगन को देखते हुए पार्टी ने शिवम मिश्रा को युवामोर्चा का मंडल अध्यक्ष बनाया। उसमें भी उन्होंने बहुत संघर्ष के साथ काम किया। पार्टी ने अबकी बरवर मंडल में मेन बॉडी भाजपा का मंडल महामंत्री बनाया गया। शिवम मिश्रा ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा निवर्तमान सांसद रेखा अरुण वर्मा ,राज्य मंत्री लोकेंद्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा सुनील सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा कमलेश मिश्रा व शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया व यह भी आश्वासन दिया कि मैं अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी और निष्ठापूर्वक करूंगा।

सामूहिक दुष्कर्म का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नीमगांव खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र में एक किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है पुलिस ने आरोपी मोहित कुमार (20 वर्ष) पुत्र खगेश्वर प्रसाद को गिरफ्तार किया। मोहित ग्राम लल्ताबेहड़, थाना नीमगांव का निवासी है। उस पर मुकदमा संख्या261/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है किशोरी को पुलिस ने पहले ही बरामद कर लिया था और उसे बाल सुधार गृह भेज दिया था। किशोरी के बयान के आधार पर पुलिस ने मामले में दुष्कर्म की धारा भी जोड़ दी। पीड़िता ने अपने बयान में तीन आरोपियों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है पुलिस ने मंगलवार को मोहित कुमार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामले में शामिल अन्य दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तलाश जारी है आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ पॉक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

ट्रांसफार्मर फटने से घरों में दौड़ा 11 हजार वोल्ट करंट, उपकरण बने आग का गोला

बाराबंकी। विद्युत उपखंड फतेहपुर क्षेत्र के ररिया गांव में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब हाई वोल्टेज करंट से एक के बाद एक बिजली के उपकरण पटाखों की तरह फटने लगे। हादसे में करीब 20 घरों के बिजली मीटर, टीवी, फ्रिज, पंखे, मोबाइल चार्जर और सबमर्सिबल पंप समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर खाक हो गए। जानकारी के अनुसार गांव में लगे 10 केवी के ट्रांसफार्मर की बुशिंग अचानक फट गई, जिससे 11 हजार वोल्ट का करंट सीधे लो टेंशन लाइन में दौड़ पड़ा। लोग गहरी नींद में थे तभी अचानक तेज धमाकों की आवाजें सुनकर नींद से जागे और बाहर भागे। ग्रामीणों ने तत्काल विद्युत विभाग को सूचना दी, जिसके बाद विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई। मौके पर पहुंचे जेई आनंद पांडे ने बताया कि देर रात आकाशीय बिजली गिरने से 11 हजार वोल्टेज की लाइन पर ओवर करंट आ गया, जिससे एचटी-एलटी लाइन टूटकर गिर पड़ी और ट्रांसफार्मर की बुशिंग जल गई। फिलहाल बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है और जल्द ही ट्रांसफार्मर बदला जाएगा। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से नुकसान के मुआवजे की मांग की है। इस पर एसडीओ मनोज यादव ने कहा कि घटना की जांच विद्युत सुरक्षा निदेशालय से कराई जाएगी। प्रथम दृष्टया विभाग की कोई लापरवाही नहीं दिख रही है। जले हुए बिजली मीटर जल्द बदले जाएंगे।

हाईवे किनारे महिला सिपाही का मिला शव, मचा हड़कम्प

» एक साल पहले साथी सिपाही पर दर्ज था गंभीर मुकदमा

वर्दी में मिली लाश, प्रारंभिक जांच में सामने आए अहम सुराग

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। थाना मसौली क्षेत्र के लखनऊ-अयोध्या हाईवे के किनारे बुधवार सुबह एक महिला पुलिसकर्मी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान बाराबंकी के सुबेहा थाने में तैनात सिपाही विमलेश (24) के रूप में हुई है, जो 26 जुलाई से लापता चल रही थी। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की बारीकी से जांच की।

महिला का शव क्षत-विक्षत स्थिति में वर्दी में पाया गया, वर्दी पर लगे नेम प्लेट पर 'विमलेश' नाम अंकित था।

पूर्व में साथी सिपाही पर लगाया था आरोप - डीआईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने बताया कि मृतका ने करीब एक वर्ष पूर्व अपने ही साथी सिपाही के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले में पीड़िता ने न्यायालय में 164 के तहत बयान भी दिया था, जिसमें कोर्ट मैरिज की बात कही गई थी। पुलिस इस केस की भी गहराई से जांच कर रही है और संबंधित सिपाही की तलाश की जा रही है। घटना ने जिले की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आला अधिकारी स्वयं मामले की निगरानी कर रहे हैं और जल्द ही रहस्य से पर्दा उठने की उम्मीद है।

28 जुलाई को थी ड्यूटी, दो दिन पहले से थीं गायब

जानकारी के मुताबिक मृतका की ड्यूटी 28 जुलाई को महादेवा मंदिर पर लगी थी, लेकिन वह 26 जुलाई से ही लापता थीं। शव मिलने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय स्वयं मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को गहन जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

औचक निरीक्षण में तीन स्कूल बंद, दो शिक्षक अनुपस्थित मिले

» बीईओ ने जारी किए स्पष्टीकरण नोटिस, शिक्षकों में मचा हड़कंप

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। खंड शिक्षा अधिकारी फिजा मिर्जा ने बुधवार सुबह विकासखंड सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। सुबह 7 से 8 बजे के बीच किए गए इस निरीक्षण में तीन विद्यालय बंद मिले, जबकि दो विद्यालयों में शिक्षक अनुपस्थित पाए गए।

निरीक्षण के दौरान कम्पोजिट विद्यालय परसा-प्रथम, प्राथमिक विद्यालय हजरतपुर और प्राथमिक विद्यालय ढकवा माफी पूरी तरह बंद मिले। वहीं, प्राथमिक विद्यालय कटोरवा में एक शिक्षिका और प्राथमिक विद्यालय शेषपुर टुटरू में एक शिक्षक ड्यूटी से गैरहाजिर मिले। खंड शिक्षा अधिकारी फिजा मिर्जा ने बताया

कि बंद मिले विद्यालयों के प्रभारियों एवं अनुपस्थित शिक्षकों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को समय से विद्यालय आने तथा छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अचानक हुए इस निरीक्षण से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। अधिकारी ने साफ किया कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने के लिए इस तरह के निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बाराबंकी। समाज कल्याण विभाग द्वारा बुधवार को नशामुक्त भारत अभियान के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन चंद्रा डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला समाज कल्याण अधिकारी ने की। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. डॉ. अरुण वर्मा, ओरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. दीप्ति सिंह, एसोसिएट प्रो. डॉ. मोबीन खान, नोडल अधिकारी डॉ. सुजीत सिंह सहित कॉलेज फैकल्टी व समाजसेवी उपस्थित रहे। रिदम फाउंडेशन के अध्यक्ष अश्वनी कुमार रंजन ने छात्रों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त रहने के लिए प्रेरित किया। समाजसेवी प्रदीप सारंग ने नशे से होने वाले सामाजिक और आर्थिक नुकसानों पर प्रकाश डाला।

मैगलगंज की सड़कों पर बारिश बनी मुसीबत, मुख्य मार्ग बना

विश्ववार्ता संवाददाता

मैगलगंज खीरी। बुधवार को हुई महज 20 मिनट की हल्की बारिश ने कस्बे की बदहाल जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। सरोवर के सामने मुख्य मार्ग पर इतना जलभराव हुआ कि वाहनों के चक्के पानी में डूब गए। सड़कें झील का रूप ले चुकी हैं।

यही नहीं, इसी मार्ग पर स्थित भारतीय इंटर कॉलेज में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को छुट्टी के समय काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यह दृश्य सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर कब इस स्थायी समस्या का हल निकलेगा और कौन इसकी जिम्मेदारी लेगा। प्रशासन से कस्बावासियों की मांग है कि जलभराव की इस गंभीर समस्या का जल्द समाधान हो।

स्कूलों को मर्ज करने के खिलाफ कांग्रेस का विरोध

» यह बच्चों के भविष्य की लड़ाई है : नकुल दूबे

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर पूर्व मंत्री नकुल दूबे ने बुधवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष मो. मोहसिन के साथ मसौली ब्लॉक के उन प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया, जिन्हें प्रदेश सरकार द्वारा मर्ज किया जा रहा है। उन्होंने इस फैसले को शिक्षा विरोधी बताते हुए तीखा विरोध जताया। पूर्व मंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूल न केवल शिक्षा के केंद्र हैं, बल्कि सामाजिक समरसता, लैंगिक समानता और अवसर की समानता के मजबूत आधार भी हैं। सरकार का यह फैसला संविधान प्रदत्त शिक्षा के अधिकार का हनन है।

सरकार बना रही है अज्ञानता का माहौल - नकुल दूबे ने कहा कि

वर्तमान सरकार एक तरफ शराब की दुकानें बढ़ा रही है और दूसरी तरफ स्कूलों में ताले लगा रही है। यह नीति प्रदेश को अंधकार की ओर धकेल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस पार्टी इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और जरूरत पड़ी तो सड़कों पर आंदोलन करेगी। निरीक्षण दौरान प्राथमिक विद्यालय भगेला का पुरवा और सोहराबाद के अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों ने स्कूल बंद करने के खिलाफ ज्ञापन सौंपा और इसे राज्यपाल को भेजने की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह फैसला गरीब, दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने की साजिश है। निरीक्षण में अजीत वर्मा, आर.डी. राव, पूर्व प्रधान रेहान मास्टर, अनुराग यादव, मास्टर रईस, संतोष यादव समेत कई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीराम फर्टिलाइजर के उत्पाद गन्ने की फसल में दे रहे बेहतर परिणाम

बरवर खीरी। बरवर के साहुपुर गांव में श्रीराम फर्टिलाइजर के द्वारा फसल प्रदर्शन कार्यक्रम रखा गया। जिसमे कंपनी के अधिकारी सुरेंद्र कुमार शर्मा ने किसानों को श्रीराम सिपट्रोल उपचारित खेत किसानों को दिखाए जो की चोटी बेधक से सुरक्षित मिले। प्रगतिशील किसान दिलीप वर्मा ने बताया कि किसान इस उत्पाद का प्रयोग करके फसल सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। इस मौके पर प्रगति सील किसान मुनेश वर्मा, श्यामप्रकाश वर्मा और अजबापुर मिल जोनल अधिकारी रविन्द्र मिश्र, देवांश वर्मा, मिहिलाल रामजी समेत दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

मिनी स्टेडियम में गंदगी देख भड़के डीएम, अधिकारियों को लगाई फटकार

युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने की जरूरत : डीएम शशांक त्रिपाठी

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। विकासखण्ड मसौली के ग्राम बड़ागांव स्थित ग्रामीण मिनी स्टेडियम में साफ-सफाई की बदहाल स्थिति देख जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कड़ी नाराजगी जताई। डीएम ने बुधवार को निरीक्षण दौरान मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्टेडियम परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखा जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के युवा खेलों की ओर आकर्षित हो सकें।

उन्होंने स्टेडियम के अनुरक्षण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए और निर्देश दिए कि कार्यों की जांच के लिए टास्क फोर्स गठित की जाए। यह टीम अनुमोदित योजना के अनुसार कराए गए

कार्यों का भौतिक सत्यापन करेगी।

चार ब्लॉकों में संचालित हैं मिनी स्टेडियम - जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि मसौली, देवा, त्रिवेदीगंज और बनीकोडर ब्लॉकों में ग्रामीण मिनी स्टेडियम संचालित हो रहे हैं। इनमें से देवा, त्रिवेदीगंज और मसौली में अनुरक्षण कार्यों के लिए शासन से बजट भी प्राप्त हो चुका है।

खेल सुविधा केवल दिखावा नहीं होनी चाहिए : डीएम - डीएम ने दो टूक कहा कि खेल सुविधाएं केवल निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि उनका नियमित अनुरक्षण और उपयोग भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों के जरिए गांव के युवाओं में खेल भावना विकसित की जा सकती है। निरीक्षण दौरान जॉइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल, जिला युवा कल्याण अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ससुर की गैर इरादतन हत्या में दामाद को दस साल की कैद

विश्ववार्ता संवाददाता

पलिया खीरी। दंपती के बीच हुए विवाद को खत्म कराने पहुंचे ससुर को पीटकर मौत के घाट उतारने के 11 साल पुराने मामले में दामाद को दस साल कैद की सजा सुनाई गई है। उसके भाई को भी सात साल के कठोर कारावास की सजा का फैसला एडीजे मनोज कुमार सिंह ने सुनाया। दोनों पर 32 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

पलिया थाना क्षेत्र के गुलरा भगवंत नगर निवासी मदन लाल ने अपनी बेटी की शादी गांव में ही कल्लू के साथ की थी। कुछ दिन बाद ही दंपती के बीच कहासुनी होने लगी। विवाद ज्यादा बढ़ गया तो सात जनवरी, 2014 को समझाने और बीच-बचाव करने के लिए मदन लाल गए तो दामाद कल्लू को इतना नागवार गुजरा कि उसने अपने भाई लाला उर्फ मनोज और घर वालों के साथ मिलकर ससुर मदनलाल की बुरी तरह लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। मरणासन्न स्थिति में उसे घर से निकाल दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नाजुक हालत को देखते हुए मदनलाल को जिला अस्पताल भेजा था, जहां इलाज के दौरान तीसरे दिन मदनलाल की मौत हो गई थी। पुलिस ने खोजबीन के बाद दामाद कल्लू, उसके भाई लल्ला उर्फ मनोज और मां गुड्डी के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान रेशमा देवी, डॉ. आरएस मधौरिया, गंगाराम, रक्षपाल, डॉक्टर मृदुल शुक्ला, इंस्पेक्टर जयप्रकाश यादव ने बयान दर्ज कराए थे। मंगलवार को अदालत ने अपने फैसले में दामाद कल्लू और उसके भाई लल्ला उर्फ़ मनोज को दोषसिद्ध पाया, जबकि उनकी मां गुड्डी को साक्ष्य के अभाव में दोष मुक्त किया है।

अज्ञात कार ने बाइक को मारी टक्कर, तीन लोग घायल दो महिलाएं जिला अस्पताल रेफर

विश्ववार्ता ब्यूरो

निघासन खीरी। लखीमपुर खीरी के निघासन-पलिया स्टेट हाईवे पर बुधवार को एक सड़क हादसा हो गया। पृथ्वी पुरवा चौराहे के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार एक युवक और दो महिलाएं घायल हो गईं। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत मदद करते हुए तीनों घायलों को निघासन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों महिलाओं की हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल लखीमपुर रेफर कर दिया गया। युवक का इलाज निघासन सीएचसी में ही जारी है।

घायलों की पहचान निघासन नगर पंचायत के वार्ड नंबर 12 इंद्रपुरी निवासी कुलदीप, उनकी मां और चाची

के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कुलदीप अपनी मां और चाची के साथ बाइक से पलिया की ओर जा रहे थे। पृथ्वी पुरवा चौराहे पर तेज रफ्तार में आ रही एक अज्ञात कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर के शारदानगर थाना क्षेत्र के तनाजा गांव में एक दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान जयप्रकाश गौतम (35) पुत्र मल्लू गौतम के रूप में हुई है। घटना शाम के समय की है जब जयप्रकाश शारदानगर से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में गांव के ही कुछ लोगों से शराब पीने और जातिसूचक टिप्पणी को लेकर उसका विवाद हो गया।

» शराब पीने और जातिसूचक टिप्पणी पर विवाद, परिजनों ने शव उठाने से किया इनकार

आरोप है कि गांव के जय सिंह, मंगल सिंह, निक्कू सिंह और गुरपेज सिंह ने लाठी-डंडों से जयप्रकाश पर हमला कर दिया। युवक को पिटते देख आसपास के लोगों ने परिजनों को सूचना दी। परिजन जब बचाने पहुंचे और उसे घर ले जा रहे थे, तभी रास्ते में ही जयप्रकाश की मौत हो गई। युवक की मृत्यु से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेने की कोशिश की। हालांकि, परिजनों ने मुकदमा दर्ज करने और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव को नहीं उठाने दिया। फिलहाल पुलिस परिजनों को समझाने में जुटी है। परिजनों का कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, वे शव नहीं उठाने देंगे।

एक नजर

उमरी गांव में दिखा पहाड़ी सांप, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

बाराबंकी। फतेहपुर वन रेंज के उमरी गांव में बुधवार सुबह शिव मंदिर के पास पहाड़ी प्रजाति का एक सांप दिखाई देने से गांव में हड़कंप मच गया। डर के चलते लोग इधर-उधर भागने लगे। समाजसेवी धर्मेश मिश्रा की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन दरोगा मुनेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में करीब एक घंटे की रेस्क्यू कार्रवाई के बाद सांप को सुरक्षित पकड़ लिया गया। सांप की लंबाई लगभग एक मीटर बताई गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग की त्वरित कार्रवाई और सतर्कता की सराहना की। मौके पर पप्पू मिश्रा, योगेश कुमार, रिंकू मिश्रा, छोटू मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

ज्ञानेश शुक्ला बने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव

बाराबंकी। भारतीय युवा कांग्रेस की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जिले के युवा और सक्रिय नेता ज्ञानेश शुक्ला को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से जिले ही नहीं, पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर है। ज्ञानेश शुक्ला लंबे समय से छात्र राजनीति और युवा कांग्रेस से जुड़े हैं। वह पहले उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस में सचिव रह चुके हैं और विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। जनहित के मुद्दों पर उनकी बेबाक आवाज़ और आंदोलनकारी छवि उन्हें युवाओं में खासा लोकप्रिय बनाती है। उनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह पद सिर्फ शुक्ला जी की नहीं, मेहनतकश कार्यकर्ताओं की जीत है।

शारदा नदी के क्षतिग्रस्त बंधे की मरम्मत का कार्य शुरू

बझेड़ा में मिट्टी से भरी बोरियों को रखकर किया मजबूत, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

विश्ववार्ता ब्यूरो

बिजुआ खीरी। लखीमपुर खीरी में बझेड़ा गांव के पास शारदा नदी पर बने बंधे पर कटाव रोकने का कार्य तेज़ी से शुरू कर दिया गया है। यह बंध 2022-23 में प्रशासन की ओर से करीब 6.23 करोड़ रुपए की लागत से बनवाया गया था, लेकिन मात्र दो वर्षों में ही यह कटाव की चपेट में आ गया। शारदा नदी का मंगलवार की शाम को जलस्तर बढ़ने के कारण कटान शुरू हो गया।

यह कटाव बिजुआ के बझेड़ा गांव की पश्चिम दिशा से कृषि भूमि के रास्ते बंधे तक पहुंच गया, जिससे नदी की धारा गांव की ओर मुड़ गई और गांव पर खतरा मंडराने लगा। इसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने लेखपाल और तहसीलदार को दी। फिर तहसीलदार

भीमचंद ने तत्काल बाढ़ खंड को इसके बारे में सूचित किया। पंचायत सचिव आशुतोष सिंह और लेखपाल अमन कुमार सत्यार्थी ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रशासन को विस्तृत जानकारी दी। लेखपाल मौके पर रहकर कार्य की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, मंगलवार की शाम को कटाव शुरू होने के बावजूद कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा था, लेकिन बुधवार सुबह करीब 11 बजे से मरम्मत कार्य शुरू किया गया।

मिट्टी से भरी बोरियों को बंधे को मजबूत करने के लिए उस पर रखा जा रहा है। वहीं, बाढ़ खंड के अवर अभियंता कुंदन लाल ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है और शाम तक क्षतिग्रस्त हिस्से को पूरी तरह से सुरक्षित कर लिया जाएगा।

युवती की मौत के बाद ग्रामीणों का हंगामा, बाराबंकी-हैदरगढ़ मार्ग जाम

» विषाक्त पदार्थ से मौत का मामला, गिरफ्तारी न होने पर पुलिस के खिलाफ फूटा गुस्सा

विश्ववार्ता ब्यूरो

बाराबंकी। जैदपुर थाना क्षेत्र के पनिहल गांव की एक युवती की विषाक्त पदार्थ से मौत के बाद बुधवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज लोगों ने हरख चौराहे पर बाराबंकी-हैदरगढ़ रोड को जाम कर दिया, जिससे मार्ग पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। मामला कुमकुम वर्मा नामक युवती से जुड़ा है, जिसे बीते दिनों दो सगे भाइयों पर जेवरात व रुपये हड़पकर विषाक्त पदार्थ देने का आरोप लगा था।

पीड़िता की मां की तहरीर पर जैदपुर

थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। हालत बिगड़ने पर युवती को लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। गुस्साए ग्रामीणों ने शव के साथ हरख चौराहे पर जाम लगा दिया और पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना पर जैदपुर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को शांत कर घर भेजा। कुछ देर बाद सतरिख थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थिति सामान्य हो चुकी थी।

संपादकीय

सच हुई भविष्यवाणी

रूस में भूकंप के बाद जापान और अमेरिका में सुनामी की लहरें उठी हैं. जापान में स्थिति और भी भयानक हो रही है. इन सबके बीच जापान में एक बार फिर लोगों की नजरें मैंगा आर्टिस्ट रायो तातसुकी की एक भविष्यवाणी पर चली गईं. यह भविष्यवाणी उन्होंने अपने ग्राफिक नॉवेल में की थी. जापान के उत्तरी द्वीप होक्काइदो और रूस के कुरील द्वीपों में पानी की ऊंची लहरें दर्ज की गईं. जापान के फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट से कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया. वहीं अमेरिका के हवाई-अलास्का और पैसिफिक कोस्ट के लिए भी चेतावनी जारी कर दी गई. रूस में आए भूकंप के बाद सुनामी की स्ट्राइक शुरू हो गई है। जापान के अलावा अमेरिका, रूस में सुनामी की लहरें पहुंचने लगी हैं। अमेरिका के तटीय राज्यों में भी सुनामी का खतरा समय के साथ बढ़ता जा रहा है। हवाई तट से सुनामी की लहरें टकराने लगी हैं। अभी लहरों की ऊंचाई भले ही कम हो लेकिन ये आने वाले बड़े खतरे की तरफ इशारा कर रहीं हैं। हवाई के तटीय इलाके को खाली करा दिया गया है। रूस, जापान, अमेरिका, कनाडा, इक्वाडोर, पेरू, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, चीन, फिलीपींस, ताइवान, इंडोनेशिया में सुनामी के खतरा मंडरा रहा है। कोस्टल इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया जा रहा है। ताइवान, इंडोनेशिया में रूस में आए भूकंप से लोग दहशत में हैं क्योंकि यहां भी प्रशासन की तरफ से सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अमेरिका में सुनामी का असर 10 करोड़ लोगों पर पड़ सकता है। सुनामी की दहशत अमेरिका के 9 राज्यों में है। हवाई की आबादी 15 लाख है तो अलास्का में साढ़े सात लाख लोग रहते हैं। सुनामी की लहरों का असर अमेरिका के सबसे बड़े राज्य कैलिफोर्निया पर भी देखने को मिल सकता है। कैलिफ़ोर्निया की कुल आबादी 3.90 करोड़ है। इसी तरह वाशिंगटन, ऑरेगोन, टेक्सस, न्यू मैक्सिको, एरिज़ोना और लुसियाना में भी सुनामी लहरों के कहर का खौफ है। जापान के तटीय इलाकों से सुनामी की लहरें टकरा रहीं हैं। प्रशांत महासागर में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं जिसके बाद जापान के कोस्टल एरियाज को खाली करवाया जा रहा है। 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर भी दिया गया है। जापान के मौसम विभाग ने ईस्टर्न कोस्ट के लिए सुनामी की वॉर्निंग जारी कर दी है। होक्काइडो से क्योशू तक के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है। लोगों से कोस्टल इलाके को खाली करने और समंदर से दूर रहने को कहा गया है। समाचार एजेंसी ने भूकंप के केंद्र के पास सबसे बड़े शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से खबर दी कि डरे-सहमे लोग लोग सड़कों पर निकल आए हैं। कई बिना जूतों या कपड़ों के सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। घरों के अंदर अलमारियां गिर गईं, शीशे टूट गए, कारें सड़क पर क्षतिग्रस्त हो गईं और इमारतों में कांपती नजर आईं। तास ने कामचटका क्षेत्र की राजधानी में बिजली गुल होने और मोबाइल फोन सेवा ठप होने की भी खबर दी। एक स्थानीय रूसी अधिकारी के हवाले से बताया कि सखालिन द्वीप के निवासियों को निकाला जा रहा है और आपातकालीन सेवाएं पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। भारतीय सुनामी पूर्व चेतावनी केंद्र (आईटीईडब्ल्यूसी) ने बुधवार को कहा कि भारतीय तट पर सुनामी का कोई खतरा नहीं है। केंद्र ने सुबह जारी एक बुलेटिन में कहा, 'पूर्व-निर्धारित मॉडल परिदृश्यों के आधार पर भारत को कोई खतरा नहीं है।' अलास्का स्थित राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र ने अलास्का अल्यूशियन द्वीप समूह के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। कैलिफोर्निया, ओरेगन, वाशिंगटन और हवाई सहित पश्चिमी तट के कुछ हिस्सों के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है। इस चेतावनी में अलास्का के तटरेखा के एक बड़े हिस्से को भी शामिल किया गया है, जिसमें पैनहैंडल के कुछ हिस्से भी शामिल हैं। इससे पहले जुलाई में कामचटका के पास समुद्र में पांच शक्तिशाली भूकंप आए थे- जिनमें से सबसे बड़ा भूकंप 7.4 तीव्रता का था। सबसे बड़ा भूकंप 20 किलोमीटर की गहराई पर और 180,000 की आबादी वाले पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर से 144 किलोमीटर पूर्व में था। 4 नवंबर, 1952 को कामचटका में 9.0 तीव्रता के भूकंप से भारी नुकसान हुआ था।

कटाक्ष ▶ हसन जैदी

जहां इतिहास ने वीरांगनाएं गढ़ीं, वहां बेटियां लापता हैं

प्रो. आरके जैन

मध्यप्रदेश की सामाजिक संरचना में लैंगिक असमानता और भेदभाव की दीवारें आज भी अडिग खड़ी हैं। राज्य की 38% आबादी, जिसमें आदिवासी और दलित समुदाय शामिल हैं, सबसे अधिक जोखिम में हैं। इन समुदायों की महिलाएं और बच्चियां न केवल यौन हिंसा का सामना कर रही हैं, बल्कि सामाजिक अलगाव और आर्थिक दबावों से भी जूझ रही हैं। प्रशासनिक तंत्र में, कुछ ऐसी बाधाएं हैं जो इस समस्या को और जटिल बना रही हैं—जैसे कि गुमशुदगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई का अभाव, अपराधियों को पकड़ने में ढिलाई, और शिकायतों को दर्ज करने में अनावश्यक विलंब।

मध्यप्रदेश, वह पावन भूमि जहां सांस्कृतिक वैभव की गंगा बहती है, ऐतिहासिक गौरव के स्वर गूंजते हैं, और प्राकृतिक सौंदर्य की छटा हर दिल को मोह लेती है, आज एक ऐसी सच्चाई के साये में खड़ी है जो आत्मा को झकझोर देती है। यह धरती, जो कभी रानी दुर्गावती और अहिल्याबाई की वीरता की साक्षी रही, आज अपनी बेटियों की खामोश चीखों का दंश झेल रही है। विधानसभा में हाल ही में उजागर हुए आंकड़े समाज के माथे पर एक गहरा दाग बनकर सामने आए हैं। ये आंकड़े केवल ठंडी संख्याएं नहीं, बल्कि उन टूटे सपनों, बिखरे परिवारों और लुप्त होती हंसी की कहानियां हैं, जो मध्यप्रदेश के गौरवशाली इतिहास को चुनौती दे रही हैं। पिछले 18 महीनों (1 जनवरी 2024 से 30 जून 2025) में 21,174 महिलाएं और 1,954 नन्हीं बच्चियां लापता हो चुकी हैं, जिनका कोई सुराग नहीं मिला। ये आंकड़े सिर्फ कागजों पर नहीं, बल्कि उन माताओं के आंसुओं में, उन परिवारों के दर्द में और समाज की उदासीनता पर सवाल उठाते हैं। आखिर हम अपनी बेटियों को कहां खो रहे हैं? यह सवाल केवल मध्यप्रदेश का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है, जिसका जवाब ढूंढना अब अनिवार्य हो गया है। विधानसभा में पूर्व गृहमंत्री के एक सवाल ने इस भयावह सत्य को उजागर किया। सरकार के लिखित जवाब ने बताया कि इस अवधि में 18,776 बच्चियां लापता हुईं, जिनमें से कई को बरामद कर लिया गया, लेकिन 1,954 ऐसी मासूम हैं जिनका एक महीने से अधिक समय तक कोई पता नहीं चला। रतलाम जिला इस त्रासदी की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है, जहां 178 बच्चियां गायब हैं, और उनमें से 124 को सात महीने से अधिक समय से नहीं खोजा जा सका। इंदौर जैसे आधुनिक महानगर में 150 से अधिक बच्चियां लापता हैं, जबकि सागर, जबलपुर, भोपाल और सतना जैसे जिले भी इस संकट की चपेट में हैं। ये आंकड़े प्रशासनिक नाकामी का दर्पण हैं, जो यह चीख-चीखकर बता रहे हैं कि हमारी व्यवस्था अपनी सबसे नाजुक कड़ी—हमारी बच्चियों—की रक्षा करने में असमर्थ साबित हो रही है। इन संख्याओं के पीछे छिपा है एक ऐसा दर्द, जो हर उस परिवार को झेलना पड़ रहा है, जिसकी बेटी की मुस्कान अब केवल यादों में सिमटकर रह गई है। महिलाओं की स्थिति और भी हृदयविदारक है। सरकार के जवाब के अनुसार, 23,128 गुमशुदगी के मामलों में 21,174 महिलाएं और 1,954 बच्चियां शामिल हैं। हैरानी की बात यह है कि कई मामलों में औपचारिक शिकायत तक दर्ज नहीं हुई। क्या सामाजिक डर, दबाव या प्रशासन पर अविश्वास इन परिवारों को चुप रहने के लिए मजबूर कर रहा है? क्या हमारा समाज इतना असंवेदनशील हो चुका है कि वह अपनी बेटियों की गुमशुदगी को सामान्य मानने लगा है? ये आंकड़े केवल गुमशुदगी की कहानी नहीं सुनाते, बल्कि उन अधूरे सपनों, टूटे विश्वास और बिखरे रिश्तों की दास्तान बयां करते हैं, जो हर दिन किसी न किसी परिवार को तोड़ रही है। यह केवल एक परिवार का दुख नहीं, बल्कि पूरे समाज की विफलता का प्रतीक है। इस संकट की जड़ें सामाजिक और प्रशासनिक स्तरों पर गहरी पैठ बनाए हुए हैं। मध्यप्रदेश की सामाजिक संरचना में लैंगिक असमानता और भेदभाव की दीवारें आज भी अडिग खड़ी हैं। राज्य की 38% आबादी, जिसमें आदिवासी और दलित समुदाय शामिल हैं, सबसे अधिक जोखिम में हैं। इन समुदायों की महिलाएं और बच्चियां न केवल यौन हिंसा का सामना कर रही हैं, बल्कि सामाजिक अलगाव और आर्थिक दबावों से भी जूझ रही हैं। प्रशासनिक तंत्र में, कुछ ऐसी बाधाएं हैं जो इस समस्या को और जटिल बना रही हैं—जैसे कि गुमशुदगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई का अभाव, अपराधियों को पकड़ने में ढिलाई, और शिकायतों को दर्ज करने में अनावश्यक विलंब। रतलाम और इंदौर जैसे क्षेत्रों में लापता बच्चियों की संख्या में कमी नहीं आ रही, और कई बार तो शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया में ही लंबा समय लग जाता है। सामाजिक जागरूकता की कमी और पीड़ित परिवारों को पर्याप्त समर्थन न मिलना इस चुनौती को और गहरा रहा है। यह केवल आंकड़ों का मसला नहीं है; यह उन टूटे हुए परिवारों की कराह है, जो हर सुबह अपनी बेटी की वापसी की आस में आंखें खोलते हैं। यह उन बच्चियों की पुकार है, जो समाज की उदासीनता और प्रशासन की निष्क्रियता का शिकार हो रही हैं। यह उस मां की आह है, जो अपनी बेटी के लिए न्याय की गुहार लगा रही है। यह स्थिति केवल मध्यप्रदेश की नहीं, बल्कि पूरे समाज की असफलता का दर्पण है। जब एक समाज अपनी बेटियों को सुरक्षित रखने में नाकाम रहता है, तो वह अपने भविष्य को भी अंधेरे में धकेल देता है। मध्यप्रदेश, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक समृद्धि के लिए जाना जाता है, आज इस सवाल का जवाब ढूंढ रहा है कि उसकी बेटियां कहां गुम हो रही हैं? इस संकट से उबरने के लिए समाज और प्रशासन को एकजुट होकर कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, पुलिस और न्यायिक व्यवस्था में सुधार अनिवार्य है। गुमशुदगी और अपराध के मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। पुलिस को संवेदनशील बनाना होगा, ताकि पीड़ित परिवार बिना डर के अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। सामाजिक जागरूकता अभियानों के माध्यम से लैंगिक समानता और महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में बच्चियों और महिलाओं को उनके अधिकारों, आत्मरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करना जरूरी है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित समुदायों के लिए सुरक्षा योजनाएं लागू की जानी चाहिए, ताकि वे सामाजिक और आर्थिक शोषण से बच सकें। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में निगरानी तंत्र को मजबूत करना होगा, ताकि अपराधों को होने से पहले रोका जा सके। इसके अलावा, सामुदायिक स्तर पर भी बदलाव की जरूरत है। समाज को अपनी बेटियों को केवल बोझ नहीं, बल्कि अपनी शक्ति मानना होगा। परिवारों को अपनी बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के लिए आगे आना होगा। गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। हमें उन परिवारों को सहारा देना होगा, जो अपनी बेटियों की गुमशुदगी के दर्द से जूझ रहे हैं। यह समय केवल आलोचना का नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी का है। मध्यप्रदेश को अपनी बेटियों की मुस्कान लौटानी होगी। यह वह धरती है, जहां की मिट्टी में वीरता और साहस की कहानियां बसी हैं। यह वह भूमि है, जहां की नदियां स्नेह और ममता की कहानियां कहती हैं। अब समय है कि यह धरती अपनी बेटियों की सुरक्षा की नई कहानी लिखे। यह केवल एक चुनौती नहीं, बल्कि एक संकल्प है—एक ऐसा संकल्प जो हर बेटी को उसका हक, उसका सम्मान और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करे। हमें उन खामोश चीखों को सुनना होगा, जो हमसे न्याय मांग रही हैं। हमें उन आंखों को जवाब देना होगा, जो हर दिन अपनी बेटी की राह तक रही हैं। मध्यप्रदेश को अब केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहर का गर्व नहीं करना, बल्कि अपनी बेटियों के भविष्य को संवारना होगा। यह समय है एक नए युग की शुरुआत का, जहां हर बेटी, हर महिला न केवल सुरक्षित हो, बल्कि अपने सपनों को आजाद पंखों के साथ उड़ान भर सके।

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे-
vishwavarta.response@gmail.com

आज के दौर का साहित्य और मुंशी प्रेमचंद

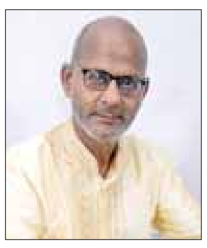
अनिल मिश्रा

साहित्य, कला, संस्कृति तीनो एक धुरी पर चलते है। तीनों एक दूसरे से कच्चा माल ही नहीं प्राप्त करते है, बल्कि ज़मीन भी तलाश करते है। कहा जाता जिस देश की यह तीनो चीजे स्वायत होती है,और उन्हें फलने-फूलने का मौका मिलता है वह देश और उसका समाज उत्कृष्ट होता है। भारतीय साहित्य की जिजीविषा बहुत पुरानी है। प्राचीन काल से लेकर अब तक।साहित्य सृजन की प्रक्रियां ऐसी है, जिसकी भूक मिटती ही नहीं।साहित्य अपने समय की बात करता है। अपने समय की तत्कालिक स्थितियों से अवगत कराता है। साहित्य समाज का प्रतिविम्ब था और है।जिस देश में साहित्य,कला पूजी जाती है,उस देश को अपने होने का गर्व होता है। किसी भी देश की झलक उसका इतिहास बता देता है। साहित्य का काम काटने- छाटने का नहीं बल्कि वर्तमान विसंगतियों को उभारने का है।भारत का साहित्य हर काल समय में अदितीय रहा है। वैसे साहित्य की विधा में भी दो धाराएं काम करती है। एक पक्ष की एक विपक्ष की।कहने का मतलब राग दरबारी साहित्य और जनपक्षीय साहित्य हर काल में मौजूद रहा है।राग दरबारी साहित्य भी कभी-कभी राजाओं को आईना दिखाने का काम करता रहा है।हमारे आधुनिक हिंदी जगत में साहित्यकारों की लम्बी फेरिस्त रही है। लेखकों की त्रयी रही है,तो कालवादी युग भी रहा है।हिंदी जगत में एक से बढ़कर एक साहित्यकार हुएँ। सबकी अपनी लेखनी और बानगी रही है।हर दौर में एक दो नाम जरूर उभरकर सामने आते है।इसी दौर में बीसवीं सदी में कथाकार मुंशी प्रेमचंद का नाम लोगों के सामने आता है। प्रेमचंद्र अपने समय के बेजोड़ कथाकार थे। निश्चय ही उन्हें कथा सम्राट कहने में किसी को कोई आपत्ति नहीं। उन्होने इतना सारा लिखा कि शायद ही हिंदी जगत का कोई दूसरा साहित्यकार हों जो लिख पाया हों। वह अपने दौर के अजूबे कथाकार थे।जो जीते थे वही लिखते थे, जो देखते थे उसी को बुनते थे।एक सदी के बाद भी पढ़ने वालों के बीच उनकी प्रासंगिकता बनी हुई है।उन्होंने अपनी लेखनी मे समय और आने वाले समय पर कड़ा प्रहार किया है। आज समाज का स्वरुप बदल गया है,लेकिन उनकी लेखनी आज भी वर्तमान समय की गवाही देती है।समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं है जिस पर उनकी कलम चली न हों।यथार्थ का चरित्र- चित्रण और सामना करा देना बहुत कम लेखकों के अंदर पाया जाता है।मुंशी प्रेमचंद्र जो जीते थे वही

31 जुलाई मुंशी प्रेमचंद की जयंती

उनका आचरण भी था।आज के लेखकों मे कथनी-करनी में बड़ा फर्क दिखता है। वह जो लिखते है वह शायद ही जीते हों। कुरीतियों, विसंगतियों, पाखंडो का भंडाफोड़ करना हर लेखक के बूते की बात नहीं।प्रेम चंद्र इस मायने में धनी है कि वह व्यक्ति की अंतरपीड़ा को समझ सके। जितने सरल और साफगोई अंदाज में वह अपनी बात कहते है, यह उनकी सात्विकता की निशानी है। प्रेमचंद्र हिंदी कथाकारों की पांत के सर्वश्रेष्ठ कथाकार है। जिस संवेदनशीलता के साथ वह अपनी बात कहते है, वह उनकी कहानियों में देखा जा सकता है। कथा, कहानियाँ, उपन्यास जो भी लिखा,उनकी बेजोड़ कृतियां साबित हुई। पाठकों के दिल को छूँ लेने वाले कथाकार प्रेमचंद्र की खासियत है,वह अपनी लेखनी से कभी समझौता नहीं कर पाये। यही कारण है कि वह आज भी जीवन्तता के साथ लोगों के बीच पढ़े जाते है।बहुत सारे लेखक हुएँ जिन्होंने बहुत सारा लिखा, लेकिन वह एक या दो कृतियों से जाने- पहचाने गये। प्रेमचंद्र का पाठक,प्रेमचंद्र को एक दो कृतियों से नहीं बल्कि उनकी कई कृतियों से जानता है। प्रेमचंद्र के बारे में बहुत कुछ लिखा और कहा जा चुका है। मै विस्तार में नहीं जाना चाहता।लेकिन उनकी दो तीन कहानियों का जिक्र जरूर करना चाहूंगा।ईदगाह,पूस की रात, बूढ़ी काकी,मंत्र यह ऐसी कहानियाँ रही है,जो मानवीय संवेदनाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचती है।हर कहानी का रंग अलग,तेवर अलग,फिर भी मन को अंदर तक झकझोड़ने वाली कहानियां। इतना यथार्थपरक चिंतन बहुत कम कथाकारों में देखने को मिलता है।बात चूँकि प्रेमचंद्र के बाद आज के दौर के साहित्य की हों रही है,तो सवाल यह उठता है,लिखा ती खूब जा रहा है,लेकिन उपयोगिता न के बराबर है।आज के दौर में बहुत सारे माध्यम है,प्लेटफार्म है,जहां पर हर आदमी कुछ न कुछ लिख रहा है,बुन रहा है।परन्तु पाठक एक झटके से ऐसे बहुत सारे लेखन को दरकिनार कर देता है।अपवाद कुछ लेखकों को छोड़ दे,जो सवालों और विसंगतियों के साथ, अपनी लेखनी के माध्यम से पाठकों के सामने आ रहें है।समाज में इतना सारा साहित्य और किताबें है,फिर भी पाठकों के मन को भा नहीं पा रही है।दरअसल आज का साहित्यकार वर्तमान से बहुत कम मुठभेड़ कर रहा है।यथार्थपरक चिंतन को अपनी दृष्टि में उतारने की जहमत नहीं कर पा रहा है। वाद और गुटबाजी से घिरा हुआ है।अपने- अपने खेमों की राजनीति कर रहा है।जाहिर है जो चिंतन या शक्ति अपनी लेखनी में लगानी चाहिए वह कही और जाया हों रही है।मैं यह नही कह रहा हूँ कि अच्छा साहित्य समाज में मौजूद नहीं है।है पर वह पाठकों की पहुँच से दूर है।साहित्य सृजन कभी एक तरफा नहीं हों सकता।साहित्य का धर्म है,कि वह सच के साथ खड़ा रहें।क्योंकि लेखक केवल एक लेखक ही नहीं होता,बल्कि वह समाज को दिशा देता है।बेतरतीब चीजों को दुरुस्त करता है और उन्हें सही स्थान देता है।साहित्यकार को अपने समय की विसंगतियों को रेखांकित करना चाहिए।पहले के कथाकार सामाजिक कार्यकर्ता भी हुआ करते थे।जन संघर्षो में अपनी अहम भूमिका निभाते थे। आज के दौर में यह सब हासिये पर चला गया है। लोकतंत्र तानाशाह हुआ है,लेकिन लेखक मुखर न होकर बीच का माध्यम तलाश रहा है।खैर !जो भी स्थितियां है उन्हें बदलने का काम केवल साहित्यकार और कलाकार ही कर सकता है।फिलहाल प्रेमचंद्र की स्मृति को शतःशतःनमन।

कविता

मोनिका डागा

फिर आई पुरवाई

फिर आई पुरवाई,
तन मन में उमंग छाई,
रिमझिम बूँदे बरसाई,
चहुँ ओर खुशियाँ छाई ।
मन में उठे मीठी हिलोर,
पवन करे आनंद शोर,
उपवनों में झूमे हैं मोर,
अमृत बरसे है घनघोर ।
कजरी गीत दे सुनाई ,
सजनी सखी हर्षाई,
प्रकृति भी मुस्कुराई,
मस्ती हर मन में छाई ।
पत्ता पत्ता है डोला,
संगीत मधुर है घोला,
भीगा सतरंगी चोला,
मन हुआ बॉवरा भोला ।
कोयलिया कूके कारी,
शोभा प्रकृति की प्यारी,
ऋतु बरखा की न्यारी,
खिली देखो फुलवारी।

सीवर में दर्दनाक मौतों का अंतहीन सिलसिला

तारकेश्वर मिश्र

उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जनपद के महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज में बीती 24 जुलाई को सीवर लाइन में सफाई के लिए उतरे दो मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। सीवर लाइन में मजदूरों को बगैर सुरक्षा किट के उतारा गया। निरीक्षण करने पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को लापरवाही मिली है। ये कोई ऐसा पहला मामला नहीं है। आये दिन देश के किसी न किसी कोने से ऐसे दुखद समाचार आते रहते हैं। विडंबना यह है कि अदालतों के सख्त दिशा निर्देश और नियमों के बावजूद सीवर में दर्दनाक मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यह बेहद कष्टकारी व अमानवीय है कि 21वीं सदी में भी कुछ लोग हाथ से मैला साफ करने के व्यवसाय में लगे हैं। जहां सीवर में उतरते ही मौत उनका इंतजार कर रही होती है। लेकिन कोर्ट और सरकारों की सख्ती जमीन पर नजर नहीं आती। सरकार व स्थानीय निकाय यूं तो सीवर साफ करने के लिये कर्मचारी नहीं रखते, लेकिन ठेकेदारों के जरिये ये काम बदस्तूर जारी है। फलतः सीवर में उतरने से मरने वालों को न तो मुआवजा मिल पाता है और न ही किसी की जवाबदेही तय हो पाती है। बीती 22 जून को यूपी के वृंदावन में सीवर सफाई कर रहे दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना केशव धाम पुलिस चौकी के निकट स्थित एक पेट्रोल पंप के पास गेस्टहाउस के सीवर की सफाई के दौरान हुई। 4 जून को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सीवेज सफाई के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतरे थे। 3 जून को ओडिशा के नबरंगपुर जिले में एक निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गई। 6 मई को पंजाब के बठिंडा में एक ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई लिए उतरे तीन लोग फिर जिंदा नहीं लौट पाए। एक सप्ताह बाद, हरियाणा के रोहतक के माजरा गांव में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे एक -दूसरे को जहरीले मैनहोल से बचाने की कोशिश में एक के बाद एक मर गए। बीती 15 मई को फरीदाबाद में एक मकान मालिक ने नियुक्त सफाईकर्मी को बचाने के लिए सैप्टिक टैंक में छलांग लगा दी। दोनों की ही जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। राजस्थान के अलवर जिले के खेड़ली कस्बे में बीती 19 अप्रैल को एक पेपर मिल में सीवर टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस और दलदल में फंसने के कारण दो लोगों की मौत हो गई। बीती 21 फरवरी को दिल्ली के नरेला में एक अपार्टमेंट में सीवर की सफाई के दौरान दो कर्मचारियों की जहरीली गैस से मौत हो गई। निश्चित रूप से ये अलग-अलग दुर्घटनाएं नहीं हैं बल्कि ये व्यवस्था की विद्रूपता के चलते हुई हत्याएं हैं। जिसके कारक तंत्र की उदासीनता, अवैधता और जातीय विवशता में निहित हैं। विडंबना ही है कि रोजगार के रूप में हाथ से सफाई के रोजगार पर प्रतिबंध, सफाईकर्मियों के पुनर्वास अधिनियम 2013 तथा खतरनाक सफाई पर प्रतिबंध लगाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। ऐसे मामलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की जाती है। सुरक्षा उपकरण नदारद रहते हैं। अकसर इसकी जवाबदेही से बचा जाता है। दरअसल, अक्सर सरकारी तंत्र ठेकेदारों को दोषी ठहराकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। आखिर इन ठेकेदारों को काम पर कौन रखता है। निस्संदेह, सरकारी तंत्र भी इस आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार है। आखिर सफाईकर्मियों से जुड़े सुरक्षा मानकों की निगरानी की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? नगर पालिकाएं और राज्य एजेंसियां आउटसोर्सिंग की दुहाई देकर अपने कानूनी और नैतिक कर्तव्यों से बच नहीं सकती। दुर्भाग्य से इन हादसों का स्याह पक्ष जातीय विद्रूपता भी है। अधिकांश सफाई कर्मचारी समाज में हाशिये पर पड़े समुदायों से आते हैं। सफाई जैसा महत्वपूर्ण काम करने के बावजूद उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है। सीवर सफाई के लिये मशीनें खरीदने के दावों के बावजूद हाथ से सफाई का क्रम नहीं टूटता। कई जगह मशीनों के खरीदने पर करोड़ों का परिव्यय दिखाया गया, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदली। मशीनें तो धूल फांक रही हैं और इंसानों को नरक में धकेला जा रहा है। निर्विवाद रूप से हमारे समाज पर मैनुअल स्कैवेंजिंग एक काला धब्बा है। न्यायपालिका सख्ती से इसे रोकने को कहती है, सत्ताधीश आदेश की औपचारिकता पूरी करते हैं, लेकिन फिर भी सीवर की जहरीली गैस में लोगों के मरने का सिलसिला थमा नहीं है। किसी सफाईकर्मी के मरने पर कुछ समय तो हो-हल्ला होता है, मगर फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। वक्त की दरकार है कि नगर निकायों को इन हादसों के लिये सीधे जवाबदेह बनाया जाए। सीवर की सफाई से जुड़ी मौत के लिये स्वतः कानूनी कार्रवाई, तत्काल मुआवजा और विभागीय कार्रवाई की जाए। आखिर क्या वजह है कि सीवर में सफाई करने उतरे मजदूरों की जोखिम भरी जिंदगी और इस काम में उनके अस्तित्व और गरिमा के सवाल पर सोचना हमें जरूरी नहीं लगता? इस मसले पर शीर्ष अदालत के स्पष्ट निर्देश और तीखी टिप्पणियों के बावजूद सरकारों ने शायद ही कभी निजी ठेकेदारों के खिलाफ सख्ती बरतने, किसी की जिम्मेदारी तय करने और सीवर में जोखिम भरे हालात में किसी इंसान को उतारने पर रोक को लेकर गंभीरता दिखाई हो। नतीजा यही है कि आजादी के सात दशक बाद आज भी अक्सर सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरे मजदूर अपनी जान गंवा रहे हैं। विचित्र है कि एक ओर विज्ञान और तकनीक की उपलब्धियों की बदौलत कृत्रिम मेधा से सभी काम आसान होने और अंतरिक्ष तक में अनुसंधान की नई ऊंचाई छूने के दावे किए जा रहे हैं, दूसरी ओर अमानवीय हालात में कुछ लोगों को अपनी जान जोखिम में डाल कर सीवर में घुस कर उसकी सफाई करनी पड़ रही है। क्या ऐसा इसलिए हो पा रहा है कि इस समस्या के पीड़ित आमतौर पर समाज के सबसे कमजोर तबके से आते हैं? मानवीय श्रम की जगह तकनीक के उपयोग से बहुमूल्य जीवन को बचाया जाना चाहिए। ये काम सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे। बदलाव व्यवहार में भी नजर आए। हमारे कानून को ठीक से लागू न कर पाने से किसी की दर्दनाक मौत नहीं होनी चाहिए। सीवर कर्मियों की मौत पर रोते-बिलखते और असहाय परिवारों का अंतहीन दर्द अब खत्म होना ही चाहिए। दुर्भाग्य से परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के मर जाने के बाद उसके परिवार व बच्चों की परवरिश की कोई व्यवस्था नहीं होती। उन्हें मुआवजा देने से भी ठेकेदार बच जाते हैं। ऐसे परिवारों के पुनर्वास को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

एक नजर

हत्या के मामले में आधा दर्जन गिरफ्तार

सीतापुर। संदना पुलिस टीम ने पिटाई से हुई मौत कि मामले में नामजद आधा दर्जन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही की है। इनमें गोविन्द पुत्र मुन्ना, राकेश पुत्र अंगनूलाल उर्फ मटकुट्टे, बनवारी पुत्र अंगनूलाल उर्फ मटकुट्टे, रामस्वरुप पुत्र मुल्लू, सर्वेश पुत्र होरीलाल व अंगनूलाल उर्फ मटकुट्टे पुत्र मुल्लू शामिल है। अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल दो डण्डा बरामद हुए है। उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई को छोटू उर्फ जगदीश पुत्र शोभरन पासी के खेत में मनोज उर्फ गुड्डू निवासीगण ग्राम सहोली थाना संदना की गाय चली गई थी। जिसमें विवाद के बाद हुई पिटाई से छोटू उर्फ जगदीश की मृत्यु हो गयी थी।

शासन की निष्क्रियता से नहीं हो रही कार्यवाही

सीतापुर। विकास भवन के सामने धरनास्थल पर ज्वलंत समस्याओं पर सांकेतिक धरने में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष अनुपम राठौर ने कहा कि पूरे जिले में यूरिया के लिए मची त्राहिमाम सोचनीय प्रश्न है। खुदरा व्यापारियों को खाद उपलब्ध न कराकर समूचे जिले की सिर्फ 60 समितियों तक सीमित कर किसानों को लाइनों में लगने के लिए मजबूर कर दिया गया। खाद की कालाबाजारी पर प्रशासन की आंखें बन्द हैं। विद्युत विभाग द्वारा दी जा रही अघोषित कटौती जर्जर विद्युत लाइने पूरे जिले की ज्वलंत समस्या है। राजेश कुमार सिद्धार्थ ने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों का अरबों रुपए कर्ज माफ कर रही है। साथ ही हर्ष मोदी और अन्य सत्ता पक्ष की सह पर कर्ज न चुकाने वाले अरबों रुपए हड़प कर विदेशों में ऐश कर रहे है उनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं होती, जबकि सभी के लिए किसान समय पर क़र्ज़ न चुका पाने स्थिति में आत्महत्या के लिए विवश है। किसान हित में आय दोगुना करने का दावा करने वाली मोदी सरकार को किसानों का कर्ज माफी समय की सबसे बड़ी जरूरत है। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी शिव प्रकाश सिंह ने कहा कि जिले में मनरेगा योजना के अंतर्गत सामग्री का 40 प्रतिशत देहात क्षेत्र विकास कार्यों का मुख्य जरिया था। समूचे प्रदेश में सीतापुर अकेला जनपद है जहां इस पैसे का दुरुपयोग आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण में किया जा रहा है, साथ ही पंचायत विभाग लूट का अड्डा बन चुका का है। डीपीआरओ शासनादेशों का खुलेआम उलंघन कर लूट में व्यस्त है। ऐलिया बीडीओ द्वारा सीडीओ के आदेश पर बीडीसी सदस्यों द्वारा प्रस्तावित कार्य कार्योजना में शामिल नहीं किए जाते है। शीघ्र ही ब्लॉक मुख्यालय का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस सम्बंध में एक मांगपत्र भी जिला प्रशासन को सौंपा गया। धरनास्थल पर अश्वनी जायसवाल, बबलू दीक्षित, विनोद कनौजिया, आसिफ, जय प्रकाश सिंह, अशोक बघेल, राहुल पाल, अंकुर पाल, बृजकिशोर राठौर, दिलीप रस्तोगी सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गोस्वामी तुलसीदास की जन्म जयंती समारोह मनाया गया

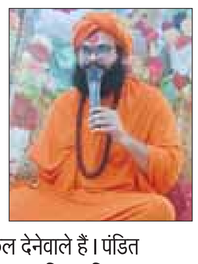

लहरपुर सीतापुर। नगर के मोहल्ला बेहटी स्थित छन्नूलाल द्वारका प्रसाद मंदिर प्रांगण में गोस्वामी तुलसीदास जन्म जयंती समारोह के तहत भगवान के नाम की महिमा का किया गया सुंदर वर्णन। कासगंज से आए कथा व्यास गोरखानंद महाराज ने कहा कि भगवान के नाम का सुमिरन समस्त दुखों को हरने वाला है, इस कलि काल में आप चाहे श्री राम नाम या श्री श्याम के नाम का सुमिरन करें दोनों ही नाम समान है और दोनों ही आपको मनोवांछित फल देनेवाले है। पंडित गोरखानंद महाराज ने कहा कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरहिं पारा। कलयुग में भगवान श्री राम के नाम का सुमिरन करके ही भवसागर को पार किया जा सकता है, उन्होंने कहा कि इस कलि काल में समस्त दुखों को दूर करने वाला हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, हरे राम हरे राम सबसे शक्तिशाली महामंत्र है जिसके सुमिरन से मनुष्य के सभी कष्ट दूर हो जाते है। कथा व्यास ने उपस्थित श्रद्धालुओं को श्री राम नाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि रामनाम कल्पतरु के समान है जिसके सुमिरन करने से सभी काज पूरे हो जाते है और मनुष्य को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है, उन्होंने कहा कि जग में प्यारे है दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम दोनों ही नाम के सुमिरन से मनुष्य सभी दुखों से छुटकारा पा जाता है। श्री राम कथा का रसपान करने के लिए मुकुंदेलाल त्रिवेदी, रामशरण पुरी, श्री राम कपूर,, हरीश रस्तोगी, वीरेंद्र पुरी, शिव पुरी, अनमोल पुरी, श्री नारायण मल्होत्रा सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नई डिजिटल एक्सरे मशीन का किया गया शुभारंभ

लहरपुर सीतापुर। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कई माह से खराब पड़ी एक्स-रे मशीन के स्थान पर नई डिजिटल एक्सरे मशीन का स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक के द्वारा किया गया शुभारंभ। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉक्टर अरविंद वाजपेई ने मरीज सदीप के पैर का एक्स-रे करके नई डिजिटल मशीन का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विगत तीन माह से एक्स-रे मशीन के खराब हो जाने के कारण मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक्स रे का लाभ नहीं मिल पा रहा था, जिसके चलते मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ती थी और बाहर प्राइवेट स्थानों पर एक्स-रे कराना पड़ता था, अब नयी डिजिटल एक्सरे मशीन के आ जाने से मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही एक्सरोंस सुविधा उपलब्ध हो गई है और उन्हें अब बाहर नहीं भटकना पड़ेगा व मरीज को उसके मोबाइल पर एक्स-रे रिपोर्ट मिल जाएगी इस मौके पर प्रमुख रूप से आफताब आलम एक्स-रे टेक्नीशियन, प्रदीप निषाद, गौरव सक्सेना, बीपीएम, मनोज वर्मा बीसीपीएम, अखिलेश पांडे यूनिसेफ, फार्मासिस्ट दिनेश गुप्ता, व स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

वृक्ष भंडारे में किया बच्चों ने सहयोग

लहरपुर सीतापुर। क्षेत्र मे चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत वन विभाग के द्वारा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज ठठेरी टोला में वृक्ष भंडारे का आयोजन कर उपस्थित बच्चों को पर्यावरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को उपवन क्षेत्राधिकारी हरीश श्रीवास्तव व वन विभाग की टीम ने बच्चों को वृक्षारोपण के महत्व से अवगत कराया और एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत उपस्थित बच्चों को एक-एक पौधा रोपित करने के लिए पौध भंडारे का आयोजन किया, जिसमें बच्चों को वृक्षारोपण व पर्यावरण के लिए जागरुक करते हुए 220 बच्चों को एक-एक पौधा रोपित करने के लिए पौधों का वितरण किया। इस मौके पर छात्र छात्राओं को नींबू, आम, अमरूद, अनार, बेल, करौंदा आदि के पौधों को वितरित किया और रोपित पौधों को सुरक्षित रखने के लिए संकल्प दिलाया। इस मौके पर उपवन क्षेत्राधिकारी हरीश श्रीवास्तव, वन दरोगा राजकुमार, राम भगत सिंह, गोवर्धन लाल, शिक्षिका संध्या शास्त्री, सुनीता देवी, निधि वर्मा, सहित विद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मदरसे का छात्र हुआ लापता

लहरपुर सीतापुर। नगर क्षेत्र के गौरिया प्रह्लादपुर के एक मदरसा से 14 वर्षीय छात्र हुआ लापता, पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुजीब पुत्र हबीब अहमद निवासी चंद्रा मल्लापुर थाना हरगांव ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर गुमशुदगी दर्ज कराई है कि, मेरा पुत्र अनस अहमद 14 वर्ष जो सुफ़्फ़ा आवासीय मदरसा स्थित ग्राम गौरिया प्रह्लादपुर में पढ़ता और रहता था विगत 7 जुलाई को उक्त मदरसे से बिना बताए कहीं चला गया इधर-उधर काफी पता लगाया गया लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चल सका, लापता छात्र के पिता मुजीब के द्वारा विगत 23 जुलाई को प्रार्थना पत्र देकर गुमशुदगी दर्ज कराई गई है।

पेट्रोल पंप व ईंट-भट्ठे पर प्रशासन का छापा

- निर्दल प्रत्याशी अतुल वर्मा पर कार्यवाही का सोशल मीडिया पर विरोध
- विधायक ने कार्यवाही को पहले भ्रामक बताया फिर ले लिया यू टर्न

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। महमूदाबाद नगर पालिका उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशियों पर नामांकन वापसी के लिए दबाव बनाने के लिए पुलिस मंगलवार की देर रात दो प्रत्याशियों के घरों के साथ प्रतिष्ठान पर पहुंची और वहां मौजूद लोगों से प्रत्याशियों के बारे में पूछताछ की। बुधवार दोपहर निर्दल प्रत्याशी अतुल वर्मा के पेट्रोल पंप व ईट भट्ठे पहुंची और पेट्रोल पंप के संचालन पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी। इस कार्रवाई को पहले क्षेत्रीय विधायक सोशल मीडिया पर अफवाह बताती रहीं किंतु जब प्रतिष्ठानों पर मौजूद टीम के फोटो, वीडियो सोशल मीडिया पर तैरने लगे तो उन्होंने यू-टर्न लेते हुए लिखा 'जो हो रहा है, गलत हो रहा है, मुझको इसकी जानकारी न थी न है' ।निरीक्षक विधिक माप विज्ञान बिसवां शशांक त्रिवेदी, पूर्ति निरीक्षक महमूदाबाद निशी अग्रवाल तहसीलदार अनिल कुमार, राजस्वकर्मियों की मौजूदगी में फतेहपुर मार्ग स्थित निर्दल प्रत्याशी अतुल वर्मा के पेट्रोल पंप पहुंचे। यहां जांच के दौरान नाजुल से पांच लीटर पेट्रोल नापने पर 10 से 20 मिली कम निकलने की बात कहते हुए अधिकारियों ने अग्रिम आदेश तक पंप के संचालन पर रोक लगा दी। जिला खनन अधिकारी, नायब तहसीलदार राकेश त्रिपाठी, कानूनगो सतीश कुमार, लेखपाल रमाकांत, सरिता, आशुतोष वर्मा, मनोज कुमार की टीम बिलौली बाजार स्थित शिव शक्ति ब्रिक फील्ड पर पहुंची। टीम ने लेखपालों संग नक्शे का मिलान करके नापजोख की किंतु सबकुछ सही पाया गया। नायब तहसीलदार ने बताया कि ईंट-भट्ठे पर बाल मजदूरी व खनन कराए जाने की शिकायत मिली थी, जिसके चलते जांच की गई है। उधर सोशल मीडिया पर निर्दल प्रत्याशी को अर्दब में लेने की कार्रवाई होने की जानकारी मिलते ही अधिकारियों के प्रतिष्ठानों पर मौजूदगी के फोटो, वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही नगर क्षेत्र का माहौल गर्म होने लगा। लोग इसे सत्ता का दुरुपयोग बताते हुए नामांकन वापसी के लिए बनाए जा रहे दबाव की कार्रवाई बताते हुए सोशल मीडिया पर विरोध जताने लगे। मामला तूल पकड़ता देख क्षेत्रीय विधायक आशा मौर्या ने फेसबुक पर पोस्ट कर अतुल वर्मा के प्रतिष्ठान पर कार्रवाई होने व पुलिस द्वारा रात में छापेमारी कर उन पर दबाव बनाने की सोशल मीडिया पर चल रही तमाम पोस्ट को भ्रामक बताते हुए सरकार व प्रशासन को बदनाम करने की साजिश बताया। थोडी देर बाद जब कई आईडी से अधिकारियों व पुलिस कर्मियों की मौजूदगी की फोटो व वीडियो प्रसारित होने लगे तो वह बैक फुट पर आ गईं। अपनी पहली पोस्ट के करीब दो घंटे बाद उन्होंने दूसरी पोस्ट की कि 'जो हो रहा है, गलत हो रहा है, मुझको इसकी जानकारी न थी न है'। उक्त कार्रवाई से नगर के लोगों में भारी नाराजगी है और वे इसे अतुल वर्मा पर नामांकन वापसी का दबाव बनाए जाने के लिए की जा रही कार्रवाई का हिस्सा बता रहे हैं।

कैलाश की आंखें देख सकेंगी खूबसूरत दुनिया

सीतापुर। सक्षम संस्था के मीडिया प्रभारी विकास अग्रवाल ने बताया कि राजाजीपुरम लखनऊ निवासी कैलाश नाथ श्रीवास्तव (85) पुत्र स्व त्रिवेणी श्रीवास्तव का निधन लम्बी बीमारी के चलते हो गया था। उनकी पत्नी माधुरी श्रीवास्तव पुत्र अनुराग श्रीवास्तव पुत्री अभिलाषा एवं पुत्र बहू अर्चना सहाय ने नेत्रदान करवाने हेतु

सीतापुर सक्षम संस्था के अध्यक्ष संदीप भरतीया से संपर्क किया। संदीप भरतीया ने आंख अस्पताल सीतापुर को सूचित करके नेत्रदान के लिए टीम का गठन करवाया। डॉक्टर की टीम ने मौके पर जाकर नेत्रदानी की दोनों कारनिया सुरक्षित कर ली जोकि दो जरूरतमंद लोगों को निशुल्क लगा दी जाएगी। महामंत्री मुकेश अग्रवाल ने इस मौके पर कहा की संस्था द्वारा यह लखनऊ में पहला नेत्रदान कराया गया है, महान है वह परिवार जो विपदा की इस घड़ी में भी नेत्रदान करके समाज के लिए परोपकार कर रहे हैं। जब किसी नेत्रहीन को रोशनी मिलती है तो यह उसके जीवन का सबसे अमूल्य तोहफा होता है। संस्था के सचिव सुभाष अग्निहोत्री ने बताया कि संस्था सदैव नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरुक करती रहती है संस्था द्वारा यह 263वां नेत्रदान कराया गया है।

वन विभाग ने किया ग्रीन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

सीतापुर। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग नवीन खण्डेलवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में सीतापुर वन प्रभाग के लहरपुर रेंज अन्तर्गत ग्रीन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन आज अत्यन्त उत्साह और गरिमा के साथ किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित जन सामान्य को अवगत कराया गया कि पर्यावरण एवं वन संरक्षण एवं संवर्धन के दृष्टिगत ग्रीन चौपाल में ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय समुदायों विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं की पर्यावरण संगत विकास सम्बन्धी सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करेगी, जिससे विकास प्रक्रिया समावेशी और समग्र हो सकेगी साथ ही सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों जैसे स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन और मनरेगा का उचित उपयोग करते हुये ग्राम पंचायतें, इस संस्थागत पहल से पर्यावरणीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम हो सकती है। ग्रीन चौपाल, पर्यावरण संगत विकास हेतु जनमानस की महत्वपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने का एक संस्थागत पहल एवं माध्यम है। इस अवसर पर जनसामान्य की भागीदारी सुनिश्चित की गई तथा कार्यक्रम का समापन किया गया।

भव्यता के साथ मनाई जाएगी तुलसी जयंती

सीतापुर। अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश व हिंदी सभा द्वारा संस्कार भारती, भारतोदय अक्षरा संस्था के सहयोग से तुलसी जयंती महोत्सव का आयोजन 31 जुलाई दिन गुरुवार को हिंदी सभा के नरोत्तम सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए हिंदी सभा अध्यक्ष आशीष मिश्र ने बताया कि तुलसी जयंती महोत्सव 2025 के कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय आयोजन हो रहे है जिसमे विद्यालयों व महाविद्यालयों के छात्रों के मध्य 'रामचरितमानस में जीवन उपयोगी शिक्षाएं' विषय पर लिखित निबंध प्रतियोगिता भी हो रही है जिसमे छात्र अपनी लिखित प्रविष्टियां 31 जुलाई की सुबह 11 बजे तक हिंदी सभा मे जमा कर सकते है। मुख्य आयोजन तुलसीकृत समस्त साहित्य में जीवन उपयोगी शिक्षाएं विषय पर परिचर्चा व तुलसी के राम विषय पर काव्य रामार्चन का कार्यक्रम 31 जुलाई को हिंदी सभा के सभागार में सुबह 11 बजे से मनाया जाएगा। इसके पूर्व प्रात: 9 बजे श्री रामचरितमानस सुंदरकांड का संगीतमय आयोजन प्रात: 9 बजे से होगा।

नवनियुक्ति महामंत्री का स्वागत कर की गई पुस्तक भेंट

लहरपुर सीतापुर। भाजपा नगर मंडल के नवनियुक्त महामंत्री धर्मेंद्र पांड को विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों ने स्वागत कर उन्हें पराक्रम पुस्तक भेंट की। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को युवा भाजपा नेता मोहल्ला अम्बर सराय निवासी धर्मेंद्र पांडेय को भाजपा नगर मंडल का महामंत्री मनोनीत किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष की लहर, भारी संख्या में लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें बधाइयां दी। जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र पांडेय को भाजपा नगर मंडल का महामंत्री नियुक्त किए जाने पर विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष मनीष मल्होत्रा नगर अध्यक्ष महेंद्र मिश्रा ने उनके आवास पर पहुंचकर विश्व हिंदू महासंघ की पुस्तक पराक्रम भेंट की और मुँह मीठा कराया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा ने धर्मेंद्र पांडे को सनातन धर्म और हिंदू हितों की रक्षा के लिए कार्य करने का संकल्प दिलाया। धर्मेंद्र पांडे के महामंत्री बनाए जाने पर क्षेत्र के पूर्व विधायक सुनील वर्मा, भाजपा नेता वीरेंद्रपुरी, मनमोहन गुप्ता, मनोज गुप्ता, विवेक शुक्ला, उमंग मेहरोत्रा, विपिन अवस्थी, रवि शाक्य, दिनेश पटेल, ज्ञानेंद्र पांडेय, निर्मल कुमार पांडेय, देवेंद्र मिश्रा, अवधेश शुक्ला, कृष्ण कुमार, शिवम पांडे, वीरेंद्र कुमार सहित भारी संख्या मे लोगों हर्ष व्यक्त किया।

बच्चों को जलाशयों में जाने से रोकें अभिभावक

सीतापुर। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा कि तालाब, पोखर व नदी में डूबने के कारण हुई जनहानि के प्रकरण संज्ञान में आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में अभिभावक अपने बच्चों को इन जलाशयों में स्नान करने से रोकें। यदि बच्चे जल के समीप हैं तो अभिभावक अपनी देखरेख में रखें। जिससे होने वाली अप्रिय घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुये कहा कि जर्जर व टूटी-फूटी नाव पर सवारी न करें। यह भी देखें कि संचालन के दौरान नाव साफ और सूखी हो। छोटे बच्चों को अकेले नाव पर यात्रा न करने दें। नाव में यात्रा करते समय यह भी देख लें कि नाव की भार क्षमता कितना है और नाव पर लाइफ जैकेट है अथवा नहीं। उन्होंने ने कहा कि कोई भी व्यक्ति मादक पदार्थों का सेवन करके नदी, तालाब व पोखर में प्रवेश न करें। जल में बने सुरक्षात्मक चिन्ह के आगे जाने का प्रयास न करें। घाट पर उपस्थित सुरक्षा दल के निर्देशों को सुने व उसका पालन करें। उन्होंने कहा कि पानी में किसी भी प्रकार का खेल न खेलें। तैरना न आने पर नदी या अन्य जल स्त्रोत से दूर रहें। अधिक गहरे जल में प्रवेश न करें। एक नाव से दूसरे नाव में कूदकर जाने एवं पानी में सेल्फी लेने का प्रयास न करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति पानी में डूब रहा हो तो सबसे पहले आस-पास के मौजूद लोग उसकी मदद करें, और एम्बुलेंस को बुलायें। यदि व्यक्ति श्वास नहीं ले रहा हैं तो उसकी नब्ज चेक करें और उसे सीपीआर दें।

10 अगस्त ने शुरू हो रहे फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर चल रहा प्रशिक्षण

लहरपुर सीतापुर। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आगामी 10 अगस्त से प्रारंभ होने वाले फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आशा व संगिनी को दिया गया प्रशिक्षण।

बीसीपीएम मनोज वर्मा ने फाइलेरिया उन्मूलन हेतु 10 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले कार्यक्रम को लेकर 73 आशा व संगिनी को प्रशिक्षित किया उन्होंने बताया कि सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत आशा व संगिनी प्रतिदिन 25 घरों का भ्रमण कर पात्र लोगों को फाइलेरिया की दवा अपने सामने ही खिलायेंगी, उन्होंने कहा कि दो साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रोग से पीड़ति व्यक्तियों को छोड़कर यह दवा सभी को खिलाना आवश्यक है, उन्होंने बताया कि फाइलेरिया की दवा साल में एक बार ही प्रत्येक व्यक्ति को खानी चाहिए केवल दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों और गर्भवती महिलाओं को यह दवा नहीं खिलायी जाएगी, उन्होंने बताया कि फाइलेरिया क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है और यह मच्छर घरों के दूषित स्थलों, छतों और आसपास जमा पानी में पाया जाता है इस लिए घरों के आसपास गंदगी और पानी नहीं जमा होने दें और साफ-सफाई रखें। प्रशिक्षण में आशा और संगिनी ने भाग लिया।

आरबीआई ने किया वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

सीतापुर। मिश्रिख ब्लॉक की ग्राम पंचायत फूलपुर झरिया में रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आरबीआई के अधिकारी समसुद्दीन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) मनोज कुमार इंडियन बैंक मिश्रिख शाखा के प्रबंधक आशीष कुमार, बैंक ऑफ इंडिया से आए अधिकारीगण तथा क्रिसल फाउंडेशन के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में 100 से अधिक ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें महिलाएं, युवा एवं वरिष्ठ नागरिक प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना एवं बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी जनसामान्य तक पहुंचाना था।

खेत में काम करने गये युवक ने खुद को लगा ली आग, भर्ती

तंबौर सीतापुर। मंगलवार शाम एक गाँव में एक युवक ने अपने खेत में खुद को आग लगा ली। राहगीरों के माध्यम से जानकारी पाकर पहुंचे परिजनों ने उसे तुरन्त सीएचसी तंबौर लाये जहाँ गम्भीर हालत में डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रिफर कर। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। क्षेत्र के गाँव पचुरखी निवासी अनुज कुमार 25 पुत्र प्रेमसागर मंगलवार दोपहर अपने खेत को गया था जहाँ से देर शाम परिजनों को सूचना मिली कि अनुज ने खेत में खुद को आग लगा ली है। आनन-फानन में पहुंचे परिजनों उसे अस्पताल तंबौर लाये लेकिन गम्भीर रूप से जले अनुज को डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर कर दिया जहाँ इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। लेकिन सूत्रों के अनुसार अनुज कुमार सोमवार को पड़ोसी गाँव काशीपुर निवासी धीरज के ऑटो रिक्शा से घर आया था। इसके कुछ घंटे बाद धीरज ने उसके घर आकर कहा कि मेरा मोबाइल तुमने उठा लिया है उसे वापस कर दो। अनुज द्वारा मना करने पर उसने दलपतपुर चौकी जाकर शिकायत की। जहाँ से मंगलवार दोपहर चौकी इंचार्ज शैलेन्द्र सिंह हमराही सिपाही के साथ गाँव पचुरखी आकर अनुज की तलाश की । लोगों का कहना है कि खेत पर काम कर रहे अनुज को जब इसकी जानकारी हुई तो उसने वहीं अपने को आग के हवाले कर दिया। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश सिंह ने बताया कि परिजनों ने अभी तक कोई तहरीर नहीं दी है। जानकारी में आया है कि मोबाइल के बारे में चौकी पुलिस जाँच के लिए गईथी लेकिन वह घर पर नहीं मिला था इसके अलावा वह मानसिक रूप से बीमार भी था।

श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन कल से

- बाबा टेकेश्वर धाम महोली में एक अगस्त से 25वीं श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का आयाजन

महोली (सीतापुर)। बीते वर्षों की तरह इस वर्ष भी बाबा टेकेश्वर धाम महोली में एक अगस्त से 25वीं श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का आयाजन किया जा रहा है। महापुराण के आयोजक मनोज त्रिवेदी ने बताया कि कथा व्यास आचार्य केशरीनंदन शुक्ल के मुखार बिंदु से श्रद्धालु कथा श्रवण कर सकेंगे। मुख्य यजमान मृदुल त्रिवेदी व प्राची त्रिवेदी होंगे जबकि मुख्य अतिथि विधायक शशांक त्रिवेदी होंगे। कथा आयोजक ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से प्रत्येक दिन दो बजे से शाम पांच बजे तक कथा श्रवण करने का आवाहन किया है।

चोरों ने घर को बनाया निशाना 46000 नकद व जेवर उड़ाएं

लहरपुर सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र के भदफ़र चौकी अंतर्गत ग्राम रमुआपुर में चोरों ने बीती रात एक घर को बनाया निशाना 46000 की नकदी सहित उड़ाए जेवर। प्राप्त जानकारी के अनुसार रजनीश कुमार यादव पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम रमुआपुर ने भदफर चौकी पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर

आरोप लगाया है कि, मंगलवार देर रात अज्ञात चोरों ने घर के पीछे की दीवार फांदकर घर मे घुसकर कमरे का दरवाजा खोलकर बक्शा चोरी कर ले गए, घटना के समय घर के सभी लोग छत पर सो रहे थे, बुधवार सुबह उठने पर घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद इधर-उधर काफी तलाश की गई घर से लगभग 300 मीटर की दूरी पर चोरी हुआ बक्शा एक खेत में पड़ा मिला। गृह स्वामी रजनीश कुमार यादव ने बताया है कि चोरी में एक सोने की चेन, झाला, टप्स, तीन माला, एक अंगूठी, तीन जोड़ी चांदी की पायल चोर चोरी कर ले गए पीड़ित ने बताया कि बैंक से मंगलवार को 46 हजार रुपये निकाले थे जो बक्शे मे रखे थे उसे भी चोर चोरी कर ले गए। घटना के संबंध में भदफर चौकी पर प्रभारी लाल बहादुर मिश्रा ने बताया कि, चोरी की घटना की जांच कर कार्रवाई की जा रही है शीघ्र ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

अभियोजन एवं शांति व कानून व्यवस्था कार्यों संबंधी समीक्षा बैठक, अभियोजन एवं शांति व्यवस्था की बैठक में डीएम ने दिये निर्देश

भूमाफियों को चिन्हित कर करें कड़ी कार्रवाई : अभिषेक आनंद

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में अभियोजन एवं शांति व कानून व्यवस्था कार्यों संबंधी समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। संयुक्त निदेशक अभियोजन द्वारा कानूनी कार्यवाहियों एवं उपलब्धियों से संबंधित जानकारी दी गई। विभिन्न वादों की स्थिति पर चर्चा करते हुए अपीलों पर गुणवत्तापूर्ण पैरवी करने का निर्देश प्रदान किया। विभिन्न वादों के अभियोजन अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली। महिला एवं पॉक्सों वादों में कार्यवाही एवं स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश संबंधित को प्रदान किये। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने टॉप-10 अपराधियों के विरूद्ध तीव्र एवं विशेष अभियोजन करने के निर्देश संबंधित को प्रदान किये। कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह ने विभिन्न वादों से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने अशांति फैलानें वालों को निरुद्ध करते हुए विधिक कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित को प्रदान किये। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने निर्देश दिया कि अपराधियों को चिन्हित करते हुए उनका इतिहास खंगालकर जिलाबदर करने के साथ कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जमीन के ऐसे कारोबारी जो पेशेवर गवाह है, उनको चिन्हित किया जाये। जमीन की बिना रजिस्ट्री कराये अग्रीमेंट के तहत प्लाटिंग करने वाले भू-कारोबारियों को चिन्हित कर उनका आपराधिक इतिहास खंगाला जाये,

उन पर भू-माफिया जैसी कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जनपद में अवैध खनन करने वाले अपराधियों को चिन्हित किया जाये। उनका आपराधिक इतिहास खंगालते हुये कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये। खनन व भूमाफिया से संबंधित शिकायतों पर त्वरित मुकदमा पंजीकृत किया जाये एवं गिरफ्तारी कर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा कि एक किसान जो अपनी जमीन से अपने काम के लिए मिट्टी ले जा रहा है, मानक व नियम सीमा के अंतर्गत उन पर कार्यवाही न की जाये किंतु ऐसे खनन माफिया जो खुद को किसान बताकर प्रशासन को गुमराह कर अपने निजी काम के बहाने खनन के कार्यों में संलिप्त है उनको चिन्हित कर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कच्ची शराब उत्पादन एवम बिक्री में संलिप्त लोगों को अभियान चलाकर चिन्हित करते हुए कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। ऐसे शराब ठेके जो शराब में मिलावट करते हैं, उन पर निगरानी रखी जाए, चिन्हित किया जाये एवं उन पर कड़ी विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सभी क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद के सभी शराब ठेकों का निरीक्षण करें। ठेके की निगरानी करें, विशेष रूप से मिलावटी शराब व मानक मूल्य से अधिक मूल्य पर शराब बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जनपद में शराब माफियाओं को चिन्हित कर उनका इतिहास खंगाल लिया जाये एवं उन पर कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने महमूदाबाद एवं मिश्रिख में आगामी उपचुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश संबंधित को दिये तथा बूथों पर जो भी कमियां है, उन्हें समय रहते पूर्ण कर लिया जाये तथा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों पर निगरानी रखी जाये। माहौल खराब करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित करते हुये विधिक कार्यवाही की जाये। उन्होंने संबंधित को निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं पर कड़ी निगरानी रखी जाये ताकि कोई अप्रिय घटना न होने पाये। समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, सभी उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

लाइन शिफ्टिंग में कई इलाकों की बिजली रही गुल

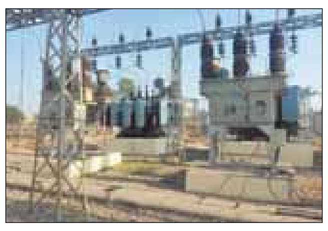

कानपुर। केस्को ने बुधवार को कानपुर के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रखी। इसका कारण बिजली विभाग का लाइन शिफ्ट करना, केबल डालना, पोल लगाना और पेड़ों की छंटाई जैसा रखरखाव करना रहा। दादानगर औद्योगिक क्षेत्र में सबसे लंबी कटौती रही। यहां सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पूरे 7 घंटे बिजली गुल रही। पोल लगाने का काम इस दौरान किया गया। रतनपुर में सुबह 9 बजे से 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। रावतपुर गांव, एम ब्लॉक, पांडुनगर, रविदासपुरम और तेल मिल क्षेत्र में एबी केबल डालने और पोल लगाने के कारण सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली नहीं रही। मंगला विहार में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली कटौती रही। ट्रांसपोर्टनगर में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

बंदरों ने आधा दर्जन लोगों को घायल करके मचाया आतंक

कानपुर। थाना महाराजपुर के नारायनपुर ग्राम में बंदरों का आतंक फैला हुआ है। लोग घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं। छोटे बच्चों को स्कूल जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। परिजन बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए दर्जनों की भीड़ में जाते हैं। वे लाठी-डंडे लेकर स्कूल तक बच्चों को छोड़कर आते हैं। पिछले 3 दिनों में आधा दर्जन से अधिक लोग बंदरों के हमले से घायल हो चुके हैं। इनमें गांव के बीरेश पासवान, अमन पासवान, शबनम पत्नी विमल और चंदर सहित अन्य लोग शामिल हैं। सभी घायलों का उपचार अस्पतालों में चल रहा है। नारायनपुर के प्रधान पति उमेश गुप्ता ने बताया कि उन्होंने पहले भी कई बार सरकारी हेल्पलाइन नं.1076 पर बंदरों के काटने और आतंक की शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों के सहयोग से बंदरों को भगाने का प्रयास भी किया गया, परंतु सफलता नहीं मिली। उमेश गुप्ता ने कहा कि अब वे इस मामले की शिकायत कानपुर जिलाधिकारी से करेंगे।

बच्चों को छोड़ने जा रही अनियंत्रित होकर पलटी बच्चों को आई मामूली चोटें

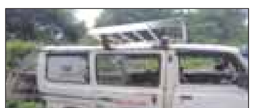

चकलवंशी उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में बुधवार मुंशी गंज अजगैन सम्पर्क मार्ग पर छुट्टी के बाद बच्चों को घर छोड़ने जा रही वैन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गयी गनीमत रही बच्चों को मामूली चोट लगी जिन्हें निजी चिकित्सक के यहां प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। हसनगंज स्थित एक निजी विद्यालय में लगी वैन छुट्टी के बाद बच्चों को घर छोड़ने के लिए जा रही थी इसी बीच बीरु गढ़ी गांव के पास चालक की लापरवाही से वैन सड़क पर पलट गयी घटना के समय वैन में एक दर्जन बच्चे सवार थे। ग्रामीणों ने वैन को सीधा किया और बच्चों को बाहर निकाला जिसमें कुछ बच्चों को मामूली चोट लगी जिन्हें मुंशी गंज स्थित एक निजी चिकित्सक के यहां प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

पत्नी के गले में चाकू मारने वाले युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला

कानपुर। घाटमपुर के सजेती में घरेलू विवाद के दौरान पत्नी के गले में चाकू मारने वाले युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। माना जा रहा है कि उसने ट्रेन से कटकर आत्महत्या की है। मृतक फतेहपुर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र के झाऊपुर गांव का रहने वाला था। उसका शव कानपुर-बांदा रेलवे ट्रैक पर सिरसा और धरछुआ क्रासिंग के बीच पाया गया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। युवक के हाथ पर सुनील कुमार झाऊपुर गुदा था। इसी से पुलिस ने उसकी पहचान की। जानकारी के अनुसार सोमवार को सुनील ने विवाद के बाद अपनी पत्नी गोलू देवी के गले में चाकू मार दिया था। गंभीर रूप से घायल होने पर गोलू को जहानाबाद सीएचसी से कानपुर के एलएलआर अस्पताल रेफर किया गया था। वहां उसका इलाज जारी है। गोलू देवी के पिता रिठवां निवासी देवीदीन ने दामाद सुनील के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सुनील की पिटाई भी की थी। सुनील के दो बेटे और दो बेटियां हैं। उसका पत्नी से अक्सर विवाद होता रहता था। इसी कारण गोलू देवी करीब दो महीने से अपने मायके में रह रही थी। कुछ दिन पहले ही वह ससुराल लौटी थी। सजेती थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है।

आधुनिकता की दौड़ में विलुप्त होती जा रही है प्राचीन परंपराएं

असोहा उन्नाव। आधुनिकता के दौर में प्राचीन परंपराएं लगभग समाप्त हो गई, लेकिन गांवों में आज भी कही कही पुरातन परंपरा जीवित रखने का प्रयास लोग करते दिखाई पड़ रहे है। इन्ही परम्पराओं में सावन माह में पेड़ों पर पड़ने वाले झूले और उन झूलो पर बहु, बेटियों का झूलना, झूलने के साथ बारामासी गीत, तीज के गाने, झूले पर गाये जाने वाले गाने किसी किसी गांव में आज भी ये परंपराएं जीवित है तथा महिलाएं, बच्चे, झूलो में झूलते तथा पैग बढ़ाते नजर आते है। बुजुर्ग लोग बताते है पहले तो दरवाजे दरवाजे पेंड़ की शाखाओं में झूले पड़ते थे, परन्तु आधुनिकता की चकाचौंध तथा मोबाइल का जमाना ये सब छोटे बच्चो से छीने ले रहा है, अब बच्चे व महिलाएं इन्ही सब चकाचौंध में पड़ी रहती है। ग्रामीण चन्द्र प्रकाश सोनी, शिवनारायन अवस्थी, अशोक अवस्थी, छोटे लाल आदि बताते है कि हम लोग बचपन मे स्कूल से आने के बाद झूला झूलने के लिये लड़ते थे, देर रात घर की महिलाएं झूलती थी। कुछ भी हो अभी ग्रामीण स्तर पर इन परम्पराओं को जीवित रखने का प्रयास किया जा रहा है।

सिजेरीयन डिलीवरी के बाद गलत इंजेक्शन लगाने से महिला की मौत

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला की ऑपरेशन के करीब 15 घंटे बाद मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। आरोप है कि दर्द से तड़प रही महिला की मदद के बजाय नर्स सोती रही। दर्द का इंजेक्शन बाहर से मंगवाया गया, जिसके बाद महिला की हालत और बिगड़ गई।

औंधा रमजीपुरवा निवासी किसान कमलेश कुमार की पत्नी पूजा को सोमवार रात प्रसव पीड़ा होने पर बिधनू सीएचसी में भर्ती कराया गया था। मंगलवार दोपहर डॉ. मनीषा शुक्ला ने ऑपरेशन करके बच्ची का सुरक्षित जन्म कराया। पति कमलेश के अनुसार, देर रात 12 बजे पूजा को होश आया तो वह पेट दर्द की शिकायत करने लगी।

इस पर उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स सीमा वर्मा को जगाने की कोशिश की। कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद नर्स नहीं उठी। सुबह करीब साढ़े चार बजे पूजा असहनीय दर्द से कराहने लगी। पति ने एक बार फिर नर्स को जानकारी दी।

नर्स ने बाहर से दर्द का इंजेक्शन लाने को कहा और खुद कमरे में जाकर दोबारा सो गई। अस्पताल परिसर में कोई मेडिकल स्टोर न खुला होने के कारण कमलेश उरियारा चौराहे से एक मेडिकल खुलवाकर इंजेक्शन लाया। सुबह पांच बजे नर्स ने इंजेक्शन लगाया, जिसके कुछ ही देर बाद पूजा की हालत बिगड़ गई। स्थिति बिगड़ते देख आकस्मिक ड्यूटी पर तैनात डॉ. अजीत कुमार को बुलाया गया। लेकिन तब तक पूजा की मौत हो चुकी थी। घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंचे एसीएमओ डॉ. रविंद्र प्रताप मिश्र और सीएचसी अधीक्षक डॉ. नीरज सचान ने जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर शव को घर ले जाने का फैसला लिया।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. नीरज सचान ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सीएचसी में दर्द निवारक इंजेक्शन मौजूद होने के बावजूद भी बाहर से दवा मंगवाने की वजह भी जांच का विषय है।

दबंग ने महिला के साथ की अश्लील हरकतें, बचाने आए लोगों पर किया हमला

बांगरमऊ उन्नाव। दबंग युवक देर रात पड़ोसी के घर में घुसकर अकेली विवाहिता को दबोच लिया और अश्लील हरकतें करते हुए उसके कपड़े फाड़ दिए। दबंग ने सूचना पर पहुंचे परिजन को भी लोहे की राड से हमला कर घायल कर दिया।

कोतवाली क्षेत्र के एक ग्राम निवासिनी विवाहित युवती द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते रविवार को वह अपने घर में अकेली थी। तभी देर रात गांव का ही एक दबंग व्यक्ति घर में घुस आया और उसे जबरन पकड़कर अश्लील हरकतें करने लगा। विरोध करने पर दबंग ने युवती के कपड़े फाड़ दिए और जबरन दुष्कर्म करने की कोशिश की। दबंग के चंगुल से किसी तरह छूटकर उसने घटना की सूचना अपने जीजा और भाइयों को दी। सूचना पर घर पहुंचे जीजा और उनके साथ आए अन्य व्यक्ति पर दबंग ने लोहे की राड से हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

नाग पंचमी पर विराट दंगल का आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

बीघापुर उन्नाव। ग्राम पंचायत रुझेई में परंपरागत रूप से गांव स्तर का दंगल हर वर्ष नाग पंचमी के अवसर पर आयोजित किया जाता है। आयोजित विराट दंगल की शुरुआत सर्वप्रथम ग्राम पंचायत रुझेई के स्मृति शेष पहलवानों (स्व भरोसे, स्व गिरिजा, स्व बदलू सविता, स्व गुलज़ारी, स्व देवी गुलाम, स्व राज नारायण द्विवेदी, स्व शंकर द्विवेदी आदि) के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दंगल की माटी समर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि से हुई। इसके पश्चात ग्राम के दो महापुरुषों भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी तथा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर दंगल का विधिवत शुभारंभ किया गया।

इस पावन अवसर पर क्षेत्र के अनेक नामचीन पहलवानों ने अपने दमखम और दांव-पेंच का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों का भी सम्मान स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। ग्राम पंचायत रुझेई की ओर से आए हुए सभी पहलवानों, अतिथियों, ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों का हृदय से धन्यवाद और आभार प्रकट करता हूं। हमारी परंपरा, हमारी एकता, हमारा स्वाभिमान।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव। विकास भवन सभागार में आयोजित जिला पोषण समिति की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा एफ आर एस, पोषण, सैम बच्चों का चिन्हांकन, नैफेड एवं टीएचआर द्वारा आपूर्ति पोषाहार, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अन्तर्गत पंजीकृत लाभार्थियों की प्रगति, पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती बच्चें, आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण, कायाकल्प, सम्भव अभियान प्रगति समीक्षा की गयी।

समीक्षा में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को ज्यादा-ज्यादा लाभान्वित करने तथा सम्भव अभियान 5.0 चिन्हित सैम बच्चों को ई-कवच पोर्टल पर फीडिंग कराने तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को समय से पूर्ण कराने के सम्बन्ध में सम्बन्धित कन्वर्जन विभागाध्यक्षों एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, प्रभारी को निर्देश प्रदान किये गये। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, नवनियुक्त जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार सहित समिति के अन्य सदस्य, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

समाजवादी पार्टी के युवा नेता ने बदहाल बिजली व्यवस्था को लेकर मचे हाहाकार के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया

» क्षेत्र के आम जनमानस को कष्ट का सामना करना पड़ रहा है

विश्ववार्ता संवाददाता

बीघापुर उन्नाव। विधानसभा भगवंतनगर में बदहाल विद्युत व्यवस्था को लेकर मचे हाहाकार से त्रस्त क्षेत्रवासियों के मुद्दे को लेकर सपा नेता अंकित सिंह परिहार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पाटन पर प्रदर्शन कर एसडीएम रणवीर सिंह को ज्ञापन दिया। समाजवादी पार्टी ने पुरज़ोर तरीके से उठाने का काम किया है।

सपा के विधानसभा प्रत्याशी रहे अंकित सिंह परिहार ने कहा कि बदहाल विद्युत व्यवस्था से क्षेत्र के आम जनमानस को कष्ट का सामना करना पड़ रहा है लेकिन क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और ज़िम्मेदार अधिकारी कान में रूई डाल कर बैठे हैं, धान रोपाई के समय बिजली की समस्या को लेकर किसानों में हाहाकार मचा हुआ है लेकिन किसी भी स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हालत में सुधार नहीं हुआ तो सपा कार्यकर्ता जन आंदोलन करेंगे।

प्रमुख रूप से विधान सभा अध्यक्ष ओम प्रकाश पासवान, ज़िला उपाध्यक्ष रूप नारायण पटेल, ज़िला सचिव श्रीनारायण पाल, पूर्व ज़िला पंचायत सदस्य फूल चंद्र पासवान, पप्पू चौधरी, ब्लाक अध्यक्ष शिव नारायण गौड़, विजय यादव, बिन्दा प्रसाद लोधी, श्रीकृष्ण गौतम, सत्येंद्र यादव, गुड्डू शुक्ला, नागेंद्र सिंह, दिलीप यादव, धर्मेंद्र पटेल, चन्द्रिका पासवान, कमलेश पाल, नेपाल सिंह, गौरव वर्मा, डाक्टर देवराज, निर्मल वर्मा, आशीष यादव, अमन यादव, रमन लोधी, पम्मी यादव, सौरभ आजाद, गंगा राम लोधी, पुनीत यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

कांशीराम चिकित्सालय में हेल्थ लैब का उद्घाटन

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने आज मा. कांशीराम स्मारक चिकित्सालय में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब का शुभारंभ किया। शुभारम्भ के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस मंशा को साकार कर रही है, जिसके अंतर्गत प्राथमिक स्तर पर ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आमजन को उपलब्ध कराई जानी हैं।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में संतोषजनक प्रगति हो रही है और विभाग लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।यह लैब जनपदवासियों के लिए एक बड़ी सौगात है। अब 108 प्रकार की अत्याधुनिक जांचें एक ही स्थान पर, न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध होंगी, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी। विशेष रूप से गरीब एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को इसका अधिक लाभ मिलेगा। यह लैब सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की ओर एक मजबूत कदम है, जिसमें 1 रूपये की ओपीडी पर्ची से लेकर 108 प्रकार की अत्याधुनिक जांचें कांशीराम ट्रामा सेंटर में अब उपलब्ध हैं। इस लैब से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सस्ता, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिलेगा। प्राइवेट लैब में जहां जांचें 25,000 रूपये में होती थीं, अब वहीं सुविधाएं मात्र न्यूनतम शुल्क पर 24 घंटे उपलब्ध है।

जिलाधिकारी ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को विशेष लाभ मिलेगा, अब लोगों को प्राइवेट क्लीनिक से निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब अब कानपुर नगर ही नहीं, बल्कि पूरे मंडल के नागरिकों के लिए सस्ती, सुलभ और गुणवत्ता-युक्त स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहचान बनेगी।

रोजगार व अप्रेन्टिसशिप मेले में 71 को जॉब

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। बुधवार को राजकीय आईटीआई पाण्डु नगर कानपुर में टाटा मोटर्स ने लखनऊ प्लांट के लिए जॉब व अप्रेंटिसशिप देने के लिए प्रतिभाग किया। जॉब व अप्रेंटिसशिप हेतु लगभग 186 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से 80 का चयन अप्रेंटिसशिप के लिए व 71 का चयन जॉब के लिए किया गया। जिन्हें लगभग 13480 रुपये प्रति माह अप्रेंटिसशिप में स्टाइपेंड व टैम्परेरी वर्कमैन को लगभग 14827 रुपए सैलरी व अन्य सुविधाएं जैसे मेडिकल इंश्योरेंस, ट्रांसपोर्टेशन, यूनिफार्म, कैंटीन, शू, पीपीई किट, अटेंडेंस अवार्ड आदि सुविधाएं अलग से मिलेगी। नोडल प्रधानाचार्य हरीश कुमार मिश्रा ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर अप्रेंटिस प्रभारी अमित दीक्षित व प्लेसमेंट प्रभारी विवेक शुक्ला मौजूद रहे। प्लेसमेंट अप्रेंटिस सेल द्वारा जानकारी दी गई कि 4 अगस्त 2025 को त्रिवेणी अल्मीरा नोएडा रोज़गार देने के लिए प्रतिभाग करेगी जिसमें फिटर, वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, ग्राइंडर आदि से आई टी आई उत्तीर्ण व फ़ाइनल परीक्षा दे रहे अपीयरिंग अभ्यर्थी भी प्रतिभाग कर सकते हैं। जिन्हें सीटीसी लगभग 24079 रुपए प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी। अधिक जानकारी हेतु अभ्यर्थी राजकीय आईटीआई पाण्डु नगर कानपुर में सीओई भवन स्थित प्लेसमेंट अप्रेंटिस सेल में प्लेसमेंट अप्रेंटिस प्रभारी अमित दीक्षित व विवेक शुक्ला से संपर्क कर सकते हैं।

आरआरडीएस इंटर कॉलेज के 18 विद्यार्थियों का सरकार की प्रतिष्ठित इंस्पायर स्कॉलरशिप योजना में चयन

विश्ववार्ता संवाददाता

बांगरमऊ उन्नाव। इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 20 25 मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरआरडीएस इंटर कॉलेज के 18 विद्यार्थियों को भारत सरकार की प्रतिष्ठित इंस्पायर स्कॉलरशिप योजना में 5 वर्ष के लिए 4 लाख रुपए छात्रवृत्ति में चयनित किया गया है। इंस्पायर स्कॉलरशिप योजना में चयनित होने पर विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। विद्यालय के प्रबंधक पी के सैनी ने बताया कि किस योजना का उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में बच्चों को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की योजना में चयनित बच्चों को बीएससी और एमएससी के लिए 80 हजार रुपए प्रतिवर्ष 5 वर्षों तक कुल 4 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

इस योजना के अंतर्गत आर आर डी सैनी इंटर कॉलेज के पुनीत, अर्पित मिश्रा, सृष्टि गुप्ता, आकांक्षा गुप्ता, अनुष्का शर्मा, आयुषी अग्निहोत्री, देवांग सिंह, कोमल देवी, शिवानी पाल, यश गुप्ता, आस्था सिंह, तरूशी कश्यप, राहिला, अर्पिता कटियार, वंशिका यादव, नित्या, जेबा कोमल देवी आदि विद्यार्थियों का चयन इंस्पायर स्कॉलरशिप में हुआ है। मेधावी छात्र छात्राओं के चयन होने पर जहां उनके परिजनों में जश्न का माहौल है, वहीं विद्यालय परिवार में भी खुशी की लहर दौड़ गई है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक पीके सैनी, प्रबंधक रजनी सैनी, ग्रुप कोऑर्डिनेटर सुमन राय, प्रधानाचार्य निधि शर्मा व बृजेश शुक्ला, रामचन्द्र त्रिवेदी, अनूप कश्यप, तुषार सिंह, पुनीत पाल, अभिषेक मिश्रा, अनुपम शुक्ला, निधि गुप्ता, प्रियंका आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने योजना में शामिल सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष पेरेंट्स काउंसलिंग का हुआ आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव। जनपद के ब्लॉक संसाधन केंद्र मियागंज में अभिभावकों को शिक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी मनींद्र कुमार की देखरेख में ब्लॉक संसाधन केंद्र मियागंज सभागार में पेरेंट्स काउंसलिंग कराई गई, जिसमें 50 से अधिक अभिभावकों एवं दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांग बच्चों में नए जोश व उत्साह के साथ शिक्षा के प्रति रूझान पैदा करने के लिए काउंसलिंग में अभिभावकों से अपील की गई। सामान्य बच्चों की तरह दिव्यांग बच्चों को भी नियमित रूप से विद्यालय भेजा जाए, उन्हें भी शिक्षा का उतना ही अधिकार है जितना कि एक सामान्य बच्चे को प्राप्त है। कार्यक्रम में स्पेशल एजुकेटर रमेश चंद्र, अवधेश एवं हेमलता द्वारा दिव्यांग बच्चों की पहचान करा कर उनके सुरक्षित विकास और विभिन्न प्रकार की योजनाओं जैसे असेसमेंट उपकरण, मापन उपकरण, स्कॉर्ट अलाउंस वितरण एवं स्टाइपेंड तथा वर्कबुक आदि के संबंध में विस्तृत रूप से बताया गया।

एक नजर

एसडीएम ने गौशाला का निरीक्षण किया

बीघापुर उन्नाव। एसडीएम रणवीर सिंह ने नगर पंचायत स्थित कान्हा गौशाला कटरा दीवान खेड़ा तथा पाली स्थित गौशाला का निरीक्षण कर केयर टेकरो को साफ सफाई तथा चारे की व्यवस्था में सुधार करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण में गड़बड़ी मिलने पर कार्यवाही की चेतावनी दी। एसडीएम रणवीर सिंह नगर पंचायत तहसील स्थित कान्हा गौशाला पहुंचे जहां उन्होंने रजिस्टर में पंजीकृत गौ वंश का गिनती कर मिलान कराया। हरे चारे की उपलब्धता को लेकर केयरटेकर सुरेश शुक्ला से जानकारी ली। कान्हा गौशाला निरीक्षण के बाद एसडीएम ने कटरा दीवान खेड़ा तथा पाली स्थित गौशालाओं का निरीक्षण किया। गंदगी देख केयर टेकर से तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने गौशाला में कार्यरत केयर टेकर से कहा कि किसी भी सूरत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाला गया जेल

कानपुर। बिल्हौर कस्बे की एक नाबालिग किशोरी को दूसरे समुदाय का युवक अपने जाल में फंसाकर नोएडा ले गया था। वहां उसने पैसे और शादी का झांसा देकर उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म किया। पीड़िता किसी तरह वहां से भागकर अपने घर पहुंची। बिल्हौर के एक मोहल्ले में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी नाबालिग बेटी अचानक गायब हो गई थी। लोक लाज के कारण वे कई दिनों तक रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी तलाश करते रहे। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।चार दिन बाद उनकी बेटी डरी-सहमी अवस्था में अचानक घर पहुंची। परिजनों से मिलकर वह रोने लगी।

हाईवे की दुर्घटना में महिला की मौत, शव के टुकड़े 200 मीटर दूर तक बिखरे

कानपुर। थाना महराजपुर क्षेत्र के कुलगांव चौकी के अंतर्गत वीसी मोटर्स के सामने कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर बीती रात एक दुखद घटना घटी। अज्ञात वाहन की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। यह हादसा देर रात हुआ, इसलिए समय पर किसी को जानकारी नहीं मिली। इस कारण महिला का शव कई घंटों तक हाईवे पर पड़ा रहा। सैकड़ों वाहन शव के ऊपर से गुजरते रहे। महिला का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया है। इससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने बचे हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के दाहिने हाथ की कलाई के नीचे का हिस्सा सही अवस्था में मिला है। इस पर पी पी आर एन लिखा हुआ है।

अभियान प्राथमिक विद्यालय बंद होने की आशंका पर आम आदमी पार्टी सक्रिय

गड़सर गांव में स्कूल बचाओ अभियान के तहत निरीक्षण व जनजागरण अभियान

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव। राज्यसभा सांसद व आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश प्रभारी माननीय संजय सिंह के आह्वान पर "स्कूल बचाओ अभियान" के अंतर्गत आम आदमी पार्टी उन्नाव की टीम ने आज सिकंदरपुर कर्ण ब्लॉक के गड़सर गांव में उस प्राथमिक विद्यालय का दौरा किया, जिसे बंद किए जाने की प्रक्रिया प्रशासन द्वारा की जा रही है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष कुलदीप यादव और जिला प्रभारी तुषार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता व क्षेत्रीय ग्रामीणों ने मिलकर स्कूल परिसर का निरीक्षण किया और बच्चों के भविष्य को लेकर गहरी चिंता जाहिर की।

जिला प्रभारी तुषार श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार की ओर से शिक्षा को लेकर उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण है। जिलाध्यक्ष कुलदीप यादव ने कहा कि शिक्षा बच्चों का मौलिक अधिकार है और इसे किसी भी सूरत में छीना नहीं जा सकता। विद्यालय बंद होने की आशंका के विरोध में गांववासियों का समर्थन लगातार मिल रहा है, जिससे जन आंदोलन को ज़मीनी मजबूती मिल रही है।

2 अगस्त को लखनऊ के इको गार्डन में होगा बड़ा धरना प्रदर्शन

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कुलदीप यादव ने घोषणा की कि यदि प्राथमिक विद्यालय को बंद करने की योजना वापस नहीं ली गई तो 2 अगस्त 2025 को लखनऊ के इको गार्डन में एक विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी बच्चों की शिक्षा से कोई समझौता नहीं करेगी और पूरे प्रदेश में इस विषय को लेकर आवाज़ उठाई जाएगी।

हर घर संपर्क अभियान के तहत जनसंवाद बैठक का आयोजन

निरीक्षण के पश्चात गड़सर गांव में ही "हर घर संपर्क अभियान" के अंतर्गत एक विशेष बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत करने, आम जनमानस से संवाद बढ़ाने और सरकारी योजनाओं की सच्चाई जनता तक पहुंचाने के तरीकों पर चर्चा की गई। इस बैठक में यूथ विंग प्रदेश उपाध्यक्ष ललित वाल्मीकि भी विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस समाज में शिक्षा नहीं बचेगी, वहां विकास की कल्पना भी अधूरी है। जिलाध्यक्ष कुलदीप यादव ने दो टूक कहा कि आम आदमी पार्टी शिक्षा के मुद्दे पर सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष को तैयार है, और यदि ज़रूरत पड़ी तो प्रदेशव्यापी जन आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष दीपक राजपूत, जिलाध्यक्ष यूथ विंग दीपू कुमार, यूथ विंग जिला महासचिव भानू प्रकाश, जिला कार्यकारिणी सदस्य रईस अहमद, समाजसेवी पप्पू खान, नफीस शेख, अनिल कुमार सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता ग्रामीण तथा अभिभावकगण उपस्थित रहे।

एक नजर

सैकड़ों कांवरियों का जत्था बाबाधाम के लिए हुआ रवाना

अमेठी। सावन माह में गांव गांव से बाबा धाम में जलाभिषेक करने वाले शिव भक्तों का जत्था रवाना हो रहा है। बुधवार को कस्बा सेमरौता से बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिये कांवरियों का जत्था गाजे बाजे के साथ रवाना हुआ सैकड़ों की संख्या में जलाभिषेक को रवाना हुए कांवरियों का जगह जगह स्वागत किया गया। कांवरियों के उल्लास को देखकर कस्बा भक्तिमय नजर आ रहा था। सावन माह में भगवान शिव की आराधना का अलग ही महत्व बताया गया है प्रत वर्षों की भांति इस वर्ष भी समाजसेवी बैजनाथ अग्निहोत्री की अगुवाई में करीब सैकड़ों कांवरियां बाबा बैद्यनाथ धाम के दर्शन के लिये क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शनोपरांत रवाना हुये भोले के भक्त के नाम से मशहूर यह कांवरियां बिहार राज्य के सुल्तानगंज स्थित उत्तर वाहिनी गंगा नदी से जल भरकर एक सौ आठ किलोमीटर की लम्बी पदयात्रा कर बाबा धाम में जलाभिषेक करेंगे बुधवार को इन कांवरियों लोगों ने जोरदार स्वागत किया इस मौके पर विनीत कुमार मिश्रा, अनुराग अग्निहोत्री, राज कुमार तिवारी, हिमांशु अवस्थी, विपिन बाजपेई, अमित पाठक, सुग्गन पाठक, चंदन मिश्र, बउआ सैनी, रमेश कुमार अग्निहोत्री, अन्नू तिवारी, नंद कुमार बाजपेई, बैजनाथ अग्निहोत्री सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अनुसूचित जाति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजना का लाभ : धीरेंद्र बाल्मीकि

अमेठी। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना की प्रगति और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भारत सरकार के केंद्रीय सलाहकार सदस्य धीरेंद्र कुमार वाल्मीकि ने बुधवार को अमेठी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। यह बैठक लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान श्री वाल्मीकि ने समाज कल्याण विभाग, पंचायती राज, स्वास्थ्य, जल निगम, विद्युत, पूर्ति विभाग, यूपी सिडको और मंडी समिति के अधिकारियों से योजनाओं की अद्यतन जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने, जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना, पंचायती राज विभाग के अंतर्गत हैंडपंपों की कार्यशीलता, एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत निर्मित घरेलू शौचालयों की स्थिति पर जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। केंद्रीय सलाहकार ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाएं तभी सफल होंगी, जब इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी योजना में लापरवाही या शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास नलिन राज, खंड विकास अधिकारी, एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद निधि से जिले के धार्मिक स्थलों पर लगेंगी हाई मास्क लाइटें

अमेठी। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने जनता की मांग पर जिले में लगने वाली दर्जनों हाई मास्क लाइटें स्वीकृति की। पहले चरण में धार्मिक स्थलों को चयनित किया गया है। जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लगने वाली आई मस्क लाइटों का फाउंडेशन तैयार होने से पहले लोगों ने भूमि पूजन कर विधिवत पूजा अर्चना की। सांसद की निधि से जिले के सभी धार्मिक स्थलों के साथ ही सार्वजनिक स्थलों को आच्छादित करने की है जिस के क्रम में हाई मास्क लाइट लगने का सिलसिला शुरू हो गया है। सांसद की इस पहल के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश सिंह ने आभार जताते हुए बताया कि जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कालिकन धाम, शाहगढ़ ब्लॉक के हनुमानगढ़ी धाम, दुर्गन भवानी धाम, पिछोरा चौराहा मुसाफिरखाना तहसील के मां हिंगलाज धाम परिसर श्री दण्डेश्वर नाथ धाम परिसर महादेवन मंदिर परिसर व पूरे मलिक चौराहा में स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी में भूमि पूजन के साथ फाउंडेशन तैयार हो चुका है जल्द ही ये सभी डायल हाई मास्क लाइट से जग मग हो जायेंगे।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनी। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गंदगी से पटा लालगंज का सीएचसी परिसर

लालगंज,रायबरेली। लालगंज का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ गया है। अस्पताल परिसर की दुर्दशा मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए मुसीबत बन गई है। मुख्य गेट से लेकर अस्पताल भवन तक की सड़कें जर्जर हो चुकी हैं और चारों ओर घास-फूस और झाड़-झंखाड़ उग आए हैं, जिससे आने-जाने में भारी कठिनाई हो रही है। एनसीडी लैब और सीबीनाट लैब के पास तो लंबी घास और झाड़ियों ने जैसे डेरा डाल लिया हो। इस कारण मरीजों को जांच कराने में असुविधा झेलनी पड़ रही है। गर्भवती महिलाएं और बुजुर्ग मरीज सबसे ज्यादा परेशान नजर आ रहे हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमल पटेल ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व परिसर की सफाई कराई गई थी, लेकिन लगातार वर्षा के कारण घास व झाड़ियां दोबारा उग आई हैं।

सड़क हादसे में बुझा सलोन के व्यवसायी परिवार का इकलौता चिराग

कस्बे में पसरा मातम, व्यापारियों ने बंद रखीं दुकानें, हर आंख नम, हर दिल भारी

विश्ववार्ता संवाददाता

सलोन, रायबरेली। मंगलवार का दिन सलोन कस्बे के लिए एक ऐसा काला दिन बन गया जिसे कोई भूल नहीं पाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बाईपास के समीप सुबह एक भीषण सड़क हादसे में कस्बे के प्रतिष्ठित किराना व्यवसायी और किराना संघ अध्यक्ष संतोष उर्फ डब्बू अग्रहरी के इकलौते बेटे चंदन गुप्ता (28) की जान चली गई। वह बाइक से कहीं जा रहे थे तभी बुलेरो वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए।

इलाज के लिए एम्स रायबरेली में भर्ती कराया गया, लेकिन देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया।चंदन चार बहनों का इकलौता भाई था और अपने पिता के थोक किराना व्यवसाय में कंधे से कंधा मिलाकर काम करता था। बेटे की असमय मौत से जहां मां की ममता हमेशा के लिए सूनी हो गई, वहीं बहनों की राखी हमेशा के लिए अधूरी रह गई। पिता संतोष अग्रहरी का तो जैसे सब कुछ उजड़ गया। चंदन के असमय निधन ने सलोन की फिजाओं को गमगीन कर दिया है। उसका मुस्कुराता चेहरा और जीवंत ऊर्जा आज हर आंख के सामने कौंध रही है और हर कोई यही कह रहा है: काश ये हादसा न हुआ होता। हादसे की खबर पूरे सलोन में आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते पूरा कस्बा गहरे शोक में डूब गया। व्यापारियों ने मंगलवार को पूरे दिन अपनी दुकानें बंद रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।शोकाकुल

व्यापारी परिजनों के घर पहुंचकर ढांढस बंधाते रहे और आंखों से बहते आंसू चंदन की कमी को बयां करते रहे। पूरे कस्बे में एक अजीब सी खामोशी छा गई जैसे सब कुछ थम गया हो। चंदन की अंतिम यात्रा में युवाओं, व्यापारियों और क्षेत्र के संभ्रांत जनों का सैलाब उमड़ पड़ा।

व्यापार मंडल अध्यक्ष मोनू अरोड़ा ने घटना को बेहद पीड़ादायक बताते हुए कहा, "चंदन का जाना सिर्फ एक परिवार की नहीं, पूरे कस्बे की क्षति है। वह सौम्य स्वभाव, मिलनसार और कर्मठ युवक था। मंगलवार का दिन सलोन के लिए अमंगलकारी साबित हुआ।" शोक व्यक्त करने वालों में संतोष मोदनवाल, गोपाल मोदनवाल, चंद्रशेखर रस्तोगी, लवी गुप्ता, इसरार हैदर, इरफान सिद्दीकी, शरीफ गड्डी, प्रांशु रस्तोगी, आनंद श्रीवास्तव, प्रदीप गुप्ता, प्रखर रस्तोगी, दिनेश साहू, आर्चित कौशल, रॉकी सरदार, गगन सिंह, आशीष रस्तोगी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

एक बार फिर किशोरी लाल शर्मा ने संसद में बुलंद की जनहित की आवाज़

जय प्रकाश पाण्डेय

» अमेठी में एफएम स्टेशन की क्षमता वृद्धि का मुद्दा उठाया

अमेठी। संसद में लगातार जनहित के मुद्दे उठाने वाले सांसद किशोरी लाल शर्मा अमेठी वालो के लोकप्रिय बनते जा रहे हैं। लोकसभा में जनहित के मुद्दे उठाने वाले अमेठी के पहले सांसद हैं जिसपर तत्काल अमल हुआ है। बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही के दौरान शून्य काल में अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने गौरीगंज स्थित एफ.एम. स्टेशन की ट्रांसमिशन क्षमता बढ़ाने एवं स्थायी स्टूडियो की स्थापना से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्हों ने सभा को अवगत कराया कि दिनांक 19 फरवरी 2014 को तत्कालीन सांसद राहुल गांधी द्वारा ग्राम सभा सराय हृदयशाह, ब्लॉक गौरीगंज में 5 किलोवाट क्षमता वाले एफ.एम. स्टेशन की आधारशिला रखी गई थी।

शुरुवात में यह स्टेशन टीवी टॉवर परिसर से अस्थायी रूप से संचालित हुआ, किंतु वर्ष 2018 में टॉवर बंद हो जाने के पश्चात इसे नगर पालिका क्षेत्र के कटरालालगंज में, जल निगम कार्यालय के निकट लगभग 5000 वर्ग मीटर भूमि पर पुनः स्थापित किया गया।

वर्तमान में यह स्टेशन केवल लखनऊ रेनबो एफ.एम. कार्यक्रम का रिले केंद्र बना हुआ है, जिसकी फ्रीक्वेंसी 103.10 MHz है और जो लगभग 40 किलोमीटर की वायवीय दूरी तक सीमित है। इस स्टेशन में स्थानीय कार्यक्रमों के निर्माण एवं प्रसारण की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे क्षेत्रीय कला, संस्कृति,लोक भाषाएं, युवाओं की प्रतिभा और स्थानीय जनहित सूचनाओं को प्रसारित करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। सांसद ने सरकार से मांग की है कि स्टेशन की प्रसारण क्षमता को 5 किलोवाट से बढ़ाकर कम-से-कम 20 किलोवाट किया जाए, स्थाई स्टूडियो की स्थापना शीघ्र की जाए व स्थानीय कलाकारों, विद्यार्थियों व कृषि विशेषज्ञों को मंच देने हेतु रिकॉर्डिंग, लाइव प्रसारण एवं संवाददाता नेटवर्क की सुविधा प्रदान की जाए और इसे सूचना, शिक्षा व मनोरंजन के स्थानीय केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

उन्होंने कहा कि यह प्रयास न केवल अमेठी की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती देगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, प्रशिक्षण और रचनात्मक अवसर भी सृजित करेगा। यह मांग पूरी तरह जनहित में है और अमेठी के सर्वांगीण विकास से जुड़ी हुई है।

सीसीटीएनएस रैंकिंग में अमेठी टॉप पर, तकनीक व टीमवर्क ने रचा इतिहास

» पुलिस महानिदेशक ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा प्रशस्ति पत्र

विश्ववार्ता संवाददाता

अमेठी। अमेठी जनपद को सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम) की जून 2025 की रैंकिंग में पूरे उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है।

राज्य भर की पुलिस इकाइयों में जहां यह उपलब्धि हासिल करना चुनौती होती है, वहीं अमेठी पुलिस ने 100 प्रतिशत अंक पाकर तकनीकी दक्षता का परचम लहरा दिया।29 जुलाई 2025 को तकनीकी सेवाएं मुख्यालय, लखनऊ से जारी रिपोर्ट के अनुसार, अमेठी ने न केवल सभी मापदंड पूरे किए, बल्कि उत्कृष्टता का नया मानक भी स्थापित किया।

इस उपलब्धि पर अपर पुलिस

महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं ने पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।सम्मान पाने वालों की सूची यहीं नहीं रुकी।अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह, जिन्होंने इस मिशन को बतौर सीसीटीएनएस नोडल अधिकारी निर्देशित किया, और जनपदीय कोऑर्डिनेटर अनुज कुमार शुक्ल, जिनके हाथों कंप्यूटर कीबोर्ड से उत्कृष्टता निकली — दोनों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

पुलिस टीम की मेहनत व लगन ने महकमे को हासिल हुआ मुकाम

पुलिस अधीक्षक ने कहा,यह उपलब्धि हमारी पूरी टीम की मेहनत और तकनीकी रूप से दक्ष पुलिस व्यवस्था का परिणाम है। सभी थानों और कार्यालयों पर कार्यरत कर्मियों को मैं इस सफलता के लिए बधाई देती हूं। सीसीटीएनएस सिर्फ एक तकनीकी प्लेटफ़ॉर्म नहीं, बल्कि पुलिसिंग को पारदर्शी, तेज और प्रभावशाली बनाने का माध्यम है। केस फाइलिंग से लेकर आरोपियों की ट्रैकिंग और कोर्ट समन तक — सब कुछ अब डिजिटल रूप से एक क्लिक में संभव है। अमेठी का यह प्रदर्शन यह दर्शाता है कि अब यह जनपद तकनीकी पुलिसिंग में प्रदेश का नेतृत्व कर रहा है। इस रैंकिंग ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि नेतृत्व स्पष्ट हो, और टीम समर्पित — तो छोटे जिले भी बड़ी उपलब्धियां लिख सकते हैं।

इस सफलता के पीछे सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक संगठित टीम, सशक्त नेतृत्व और अथक परिश्रम की पूरी कहानी है।एसपी अपर्णा रजत कौशिक के कुशल निर्देशन, एएसपी शैलेन्द्र सिंह के सटीक पर्यवेक्षण, और सीसीटीएनएस प्रभारी निरीक्षक चन्द्रशेखर के तकनीकी मार्गदर्शन ने अमेठी को यह गौरव दिलाया।

अब डाक विभाग वॉटरप्रूफ लिफाफे में पहुंचाएगा राखी

विश्ववार्ता संवाददाता

रायबरेली। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनज़र डाक विभाग ने बहनों की सुविधा के लिए विशेष तैयारी की है। इस बार रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा, जिसे देखते हुए विभाग ने प्रेम के पवित्र धागों को सुरक्षित और समय पर गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वॉटरप्रूफ और टिकाऊ लिफाफा जारी किया है। यह लिफाफा मात्र 10 रुपये में उपलब्ध है। डाक अधीक्षक अनुप अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष लिफाफा बहनों की भावनाओं को सम्मान देते हुए डिजाइन किया गया है, ताकि बारिश या मौसम की कोई भी बाधा राखी के पवित्र संदेश को नुकसान न पहुंचा सके। रायबरेली प्रधान डाकघर में राखी भेजने के लिए स्पीड पोस्ट बुकिंग काउंटर का समय सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक कर दिया गया है, जिससे कार्यरत बहनों को भी

सुविधा मिल सके। डाक विभाग ने अपील की है कि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठाएं और वॉटरप्रूफ लिफाफों के माध्यम से अपनी राखियां रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट या पार्सल द्वारा देश-विदेश में सुरक्षित रूप से भेजें। विभाग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि यह आकर्षक रंगीन लिफाफा सहज, सुलभ और तत्काल उपलब्ध हो। इस नई पहल से न केवल बहनों की भावनाएं सुरक्षित रहेंगी, बल्कि त्योहार की आत्मा भी डाक सेवा के माध्यम से सजीव बनी रहेगी।

संगठन का आधार होता है कार्यकर्ताओं : भगवती प्रसाद

» अमेठी कांग्रेस संगठन सृजन समीक्षा बैठक सम्पन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

अमेठी। अमेठी में बुधवार को गौरीगंज कांग्रेस कार्यालय स्थित राजीव गांधी सभागार में जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल की मौजूदगी में पार्टी की संगठन सृजन समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। अध्यक्षता प्रयाग जोन के जोनल कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने की।

बैठक में जिला, ब्लॉक, न्याय पंचायत एवं बूथ स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। श्री चौधरी ने कहा कि संगठन का आधार कार्यकर्ता होता है और जब तक कार्यकर्ता मजबूत नहीं होगा, तब तक कोई भी लड़ाई नहीं जीती जा सकती।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी का कायाकल्प हो रहा है, और संगठनात्मक मजबूती उसका केंद्र बिंदु है।

उन्होंने कहा कि अमेठी की धरती कांग्रेस की कर्मभूमि रही है। यहाँ का हर कार्यकर्ता पार्टी के लिए समर्पित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान कर आगामी चुनावों की तैयारी अभी से शुरू करने की बात कही। बैठक में प्रमुख रूप से अमेठी जिला कांग्रेस अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एन एस यू आई तथा सेवादल के प्रतिनिधियों ने अपनी भागीदारी निभाई और संगठन की जमीनी समस्याओं पर चर्चा की। ब्लॉकवार समीक्षा के दौरान कई स्थानों पर संगठनात्मक रिक्तियों की जानकारी दी गई, जिस पर त्वरित नियुक्तियों हेतु प्रस्ताव पारित किया गया। पूर्व विधायक ने कहा कि आने वाले समय में हर ब्लॉक, न्याय पंचायत और बूथ पर नियमित बैठकें होंगी, जिससे संगठन मजबूत हो सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क, जनचौपाल और सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों को आमजन तक पहुँचाने का आह्वान किया। बैठक के अंत में उन्होंने कहा कांग्रेस एक विचारधारा है जिसे गाँव-गाँव तक ले जाने का संकल्प हमें लेना होगा।

बैठक में अमेठी संगठन प्रभारी फरहान वारसी जी, , प्रवक्ता अनिल सिंह, जायस नगर पालिका अध्यक्ष मनीषा चौहान, रामदत्त यादव, मो.मतीन, अनुराग सिंह, शकील इदरीसी, ममता पाण्डेय, किरन देवी, सवीना, रमा कांती, श्रद्धा सिंह, धर्मराज बहेलिया, खुर्शीद अजीज, वीरेंद्र मिश्र, तुलसी राम पासी, अरविन्द चतुर्वेदी, अजहरुल हक, राजीव लोचन तिवारी, अशोक शुक्ला, फिरोज आलम, सर्वेश सिंह, आई पी माली उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने किया।

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में मनाई गई नाग पंचमी

विश्ववार्ता संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। नगर स्थित न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में मंगलवार को नाग पंचमी का पावन पर्व पारंपरिक आस्था, उल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में नाग पंचमी के आध्यात्मिक, पर्यावरणीय एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना सभा से हुआ, जिसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी ने समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं के साथ भगवान शिव तथा नाग देवता का विधिपूर्वक पूजन-अर्चन किया। पूजा के उपरांत विद्यार्थियों ने शिव और नाग देवता पर केंद्रित एक प्रेरणादाई लघु नाटिका का मंचन कर सभी उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया।

» शिव-पार्वती व नाग देवता की आराधना, विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की सांस्कृतिक नाटिका

प्रधानाचार्य श्री अवस्थी ने अपने संबोधन में कहा कि नाग पंचमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि यह हमें प्रकृति, जीव-जंतुओं एवं पर्यावरण के प्रति सह-अस्तित्व और सम्मान का संदेश भी देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय परंपरा में निहित पर्यावरणीय संतुलन के मूल्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर समस्त विद्यालय परिवार ने सामूहिक रूप से नाग देवता की आराधना करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दुकान से गेहूं चोरी करने वाले दो आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में

बछरावां, रायबरेली। थाना बछरावां क्षेत्र के हरदोई चौराहे पर स्थित एक दुकान से गेहूं की बोरियां और अन्य सामान चोरी करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है, जबकि एक बाल अपचारी को हिरासत में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित विनय कुमार पुत्र श्री शिव कुमार सिंह निवासी ग्राम हरदोई, थाना बछरावां ने 29 जुलाई को थाना बछरावां में दी गई लिखित तहरीर में बताया कि उसकी पॉलीसर व स्पेलर की दुकान के बगल में कुछ गेहूं की बोरियां रखी थीं। जब वह सुबह दुकान पर पहुंचा, तो वहां से छह बोरी गेहूं और एक काले रंग का थैला गायब था, जिसमें आधार कार्ड व बिजली का बिल रखा हुआ था। जांच के क्रम में पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त बबलू पुत्र होरीलाल तथा रामकुमार उर्फ पोलई पुत्र रामलखन, दोनों निवासी ग्राम हाजीपुर, थाना बछरावां को गिरफ्तार किया गया।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित तीन अभियुक्त पुलिस के हत्थे चढ़े

विश्ववार्ता संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। थाना लालगंज पुलिस को मंगलवार को बड़ी सफलता मिली जब गिरोहबंद अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत वांछित तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के मलपुरा पावरहाउस के आगे स्थित पुलिया के पास की।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में शामिल हैं जिसमें मो. शोएब उर्फ स्वैब पुत्र रफीक अहमद, निवासी कस्बा व थाना सरेनी, एहसान उर्फ अहसान पुत्र इस्माइल, निवासी अलीनगर, थाना लालगंज, अरशद पुत्र नसीम, निवासी अलीनगर, थाना लालगंज, उक्त तीनों के खिलाफ थाना लालगंज पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 346/2025, धारा 2/3 उत्तर प्रदेश गिरोहबंद अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज था।

» लालगंज पुलिस ने पुलिया के पास दबोचा, भेजा गया जेल

पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को नियमानुसार गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, अपराधियों के आपराधिक इतिहास की भी गहराई से जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

वांछित वारंटी अभियुक्त गोपाल शुक्ला सरेनी पुलिस की गिरफ्त में

विश्ववार्ता संवाददाता

सरेनी/लालगंज, रायबरेली। थाना सरेनी पुलिस को बड़ी सफलता उस समय मिली जब वर्ष 2020 में दर्ज एक गंभीर प्रकरण में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम निसार, थाना सरेनी निवासी गोपाल शुक्ला के विरुद्ध थाना सरेनी पर वर्ष 2020 में मारपीट, अभद्रता, धमकी, सरकारी आदेशों की अवहेलना एवं संक्रामक रोगों के फैलाव से जुड़ी धाराओं के अंतर्गत एक मामला दर्ज किया गया था। उक्त प्रकरण में उसे लंबे समय से वांछित माना जा रहा था। पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर थाना सरेनी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त गोपाल शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया और

» सरेनी थाने में पंजीकृत पुराने मामले में चल रहा था फरार न्यायालय में किया गया प्रस्तुत

आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

सीएम से भूमाफियाओं के खिलाफ कारवाई की मांग

रायबरेली। नगर के लालगंज क्षेत्र स्थित निराला नगर मोहल्ला निवासी वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता श्यामा प्रसाद दीक्षित ने सूदनखेड़ा स्थित अपनी पुश्तैनी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे को लेकर मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है। दीक्षित ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में आरोप लगाया है कि भूमाफियाओं ने उनकी जमीन पर फर्जी दस्तावेज़ों के आधार पर न केवल कब्जा कर लिया, बल्कि उस पर पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से तीन बार अलग-अलग रजिस्ट्री भी करा दी गईं। पीड़ित ने कब्जा रोकने का प्रयास किया, तो उल्टे प्रशासन ने उन पर ही मुकदमा दर्ज कर दिया। अपने मंडल के सबसे बुजुर्ग भाजपा कार्यकर्ता होने के बावजूद प्रशासन उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने बताया कि जब उपजिलाधिकारी से अनुमति लेकर जमीन पर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया था, तो विरोधियों ने कथित फर्जी आदेश प्रस्तुत कर निर्माण रुकवा दिया।

बैठक राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन में जुटेगा वैश्य समाज, वाराणसी में होंगे ऐतिहासिक प्रस्ताव

राजनीति में अब वैश्य समाज को दरकिनार नहीं किया जा सकता: डॉ. सुमंत गुप्त

विश्ववार्ता संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। अब राजनीति, व्यापार और सामाजिक विमर्श में वैश्य समाज की अनदेखी नहीं की जा सकती। समय आ गया है जब समाज को संगठित होकर निर्णायक भूमिका निभानी चाहिए।" यह बात अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुमंत गुप्ता ने कही। वे लालगंज कस्बे में परिषद की स्थानीय इकाई द्वारा आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. गुप्ता ने 5 अगस्त को वाराणसी स्थित श्री काव्य कुंज धर्मशाला में होने वाले राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान करते हुए कहा कि यह सम्मेलन केवल सामाजिक एकजुटता का मंच

नहीं, बल्कि वैश्य समाज की उपेक्षा के खिलाफ आवाज बुलंद करने का अवसर है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री रविंद्र जायसवाल करेंगे और 6 अगस्त को परिषद की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर बाबा विश्वनाथ के दरबार में सामूहिक जलाभिषेक भी किया जाएगा।डॉ. गुप्ता के लालगंज आगमन पर उनका राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरबी वैश्य, संरक्षक पीके गुप्ता, अनिल गुप्ता, अशोक गुप्ता, सत्यम गुप्ता व नगर अध्यक्ष सतीश महाजन ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। सभा में उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक मोर्चे पर जब तक वैश्य समाज संगठित नहीं होगा, तब तक उसकी उपेक्षा होती रहेगी।

उन्होंने सम्मेलन को 'एक निर्णायक पहल' बताते हुए कहा कि इसमें वैश्य समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाने, भारत की व्यापारिक नीति में विदेशी कंपनियों का दखल रोकने, ई-कॉमर्स नीति में सुधार, खुदरा व्यापार को बैंकिंग सुविधा व सुलभ ऋण की उपलब्धता तथा ऑनलाइन मार्केट प्लेटफॉर्म पर रेगुलेशन लागू कराने जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

बैठक का संचालन व्यापारी नेता अनिल गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नागेंद्र गुप्ता, महामंत्री आलोक गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, विकास गुप्ता, शिवम गुप्ता, गोपाल गुप्ता, महेश सोनी, दीपेंद्र रस्तोगी, विमल गुप्ता, रामू गुप्ता, रामशरण समेत बड़ी संख्या में वैश्य समाज के लोग मौजूद रहे।

एक नजर

बेन स्टोक्स भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट नहीं खेलेंगे

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट नहीं खेलेंगे। उनके दाएं कंधे में चोट लगी है। इंग्लिश कप्तान ने मैनचेस्टर टेस्ट के चौथे दिन गेंदबाजी नहीं की थी। वे क्रैम्प से भी परेशान दिखे थे। ECB ने बुधवार को प्लेइंग-11 जारी करते हुए स्टोक्स के चोटिल होने की जानकारी दी। बोर्ड ने बताया कि स्पिनर लियाम डायन, जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स भी 31 जुलाई से लंदन के ओवल मैदान पर शुरू होने जा रहे इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे। मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन बेन स्टोक्स को लगातार क्रैम्प आ रहे थे। ऐसे में वे 66 रन पर रिटायर हर्ट हो गए। वे ड्रेसिंग रूम में जांच के बाद दोबारा बैटिंग करने आए और दिन का खेल समाप्त होने पर 77 रन बनाकर नाबाद लौटे। चौथे दिन वे 141 रन बनाकर आउट हुए। इस दिन उन्होंने दूसरे और तीसरे सेशन में गेंदबाजी नहीं की थी। हालांकि, स्टोक्स ने मैच के आखिरी और 5वें दिन 11 ओवर गेंदबाजी की और एक विकेट चटकाया था।

भरत अरुण लखनऊ सुपर जायंट्स के नए बॉलिंग कोच बने

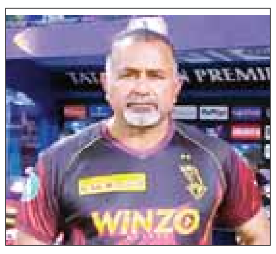

IPL टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) ने भरत अरुण को अपना नया बॉलिंग कोच बनाया है। वे कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के साथ 2022 से 2025 तक चार साल तक जुड़े रहे और 2024 में टीम को चैंपियन भी बनाया। भरत अरुण पहले टीम इंडिया के भी बॉलिंग कोच रह चुके हैं और उनकी कोचिंग में भारत की गेंदबाजी यूनिट ने शानदार परफॉर्म किया था। अब उन्होंने LSG के साथ दो साल का कॉन्ट्रैक्ट किया है। KKR और भरत अरुण ने आपसी सहमति से साथ छोड़ा है। KKR का मानना है कि बहुत सारे कोचिंग इनपुट्स होने से टीम के लिए भ्रम पैदा हो सकता है। टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो भी गेंदबाजी रणनीति में एक्टिव रोल निभाते हैं। इसीलिए भरत अरुण को नई टीम में जाने की अनुमति दे दी गई।

ओवल टेस्ट से बुमराह को आराम दिया गया

जसप्रीत बुमराह को पीठ की समस्या के कारण इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से आराम दिया गया है। उनकी जगह आकाश दीप को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। यह फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की मेडिकल टीम ने बुमराह की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए लिया है। क्रिकेट की वेबसाइट ईएसपीएन क्रिकइंफो ने दावा किया है कि सीरीज में बराबरी का मौका को देखते हुए पहले बुमराह को आखिरी टेस्ट में खिलाने फैसला किया गया था, पर मेडिकल टीम ने उनकी फिटनेस को देखते हुए आराम देने का फैसला किया।

ICC रैंकिंग- अभिषेक शर्मा पहली बार नंबर-1 टी-20 बैटर बने

टेस्ट में पंत सातवें नंबर पर आए, जडेजा लगातार 177 हफ्ते से नंबर-1 ऑलराउंडर

टेस्ट बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	जो रूट	इंग्लैंड	904
2	केन विलियमसन	न्यूजीलैंड	867
3	हैरी ब्रूक	इंग्लैंड	834
4	स्टीवन स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	816
5	टेम्बा बावुमा	द. अफ्रीका	790
6	कामिंदु मेंडिस	श्रीलंका	781
7	ऋषभ पंत	भारत	776
8	यशस्वी जायसवाल	भारत	769
9	शुभमन गिल	भारत	754
10	बेन डकेट	इंग्लैंड	743

टी-20 बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	अभिषेक शर्मा	भारत	829
2	ट्रेविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	814
3	तिलक वर्मा	भारत	804
4	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	791
5	जोस बटलर	इंग्लैंड	772
6	सूर्यकुमार यादव	भारत	739
7	पथुम निसंका	श्रीलंका	736
8	टिम साइफर्ट	न्यूजीलैंड	725
9	जोश इंग्लिस	ऑस्ट्रेलिया	717
10	शाई होप	वेस्टइंडीज	660

नई दिल्ली। भारत के अभिषेक शर्मा बुधवार को जारी वीकली ICC रैंकिंग में टी-20 के नंबर-1 बैटर बन गए हैं। वे विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के बाद नंबर-1 पोजिशन पर पहुंचने वाले तीसरे भारतीय बैटर बने हैं। अभिषेक के 829 अंक हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते एक भी टी-20 नहीं खेला है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड वेस्टइंडीज के खिलाफ 5वां टी-20 मैच नहीं खेले थे, इससे उनके अंक गिरकर 814 हो गए। इससे अभिषेक नंबर-1 पोजिशन पर आ गए और हेड दूसरे पर खिसक गए। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट में चोट के बावजूद फिफ्टी बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 776 अंक के साथ ICC टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में आठवें से सातवें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लिश बैटर जो रूट इस लिस्ट में टॉप पर कायम हैं। टेस्ट बॉलर्स की लिस्ट में टॉप-10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इधर रवींद्र जडेजा लगातार 177 हफ्तों से नंबर-1 ऑलराउंडर बने हुए हैं।

रूट ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 150 रन की पारी खेली थी

रूट ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 150 रन की पारी खेलकर टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर अपनी बढ़त कायम रखी है। ओल्ड ट्रैफर्ड मुकाबले के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा और टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत एक स्थान के फायदे के साथ एक स्थान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने चोट के बावजूद मैनचेस्टर टेस्ट में अर्धशतक लगाया था। ओपनर यशस्वी जायसवाल को तीन स्थान का नुकसान हुआ है, वे आठवें स्थान पर आ गए हैं।

भारत ने पाकिस्तान से WCL सेमीफाइनल खेलने से इनकार किया

स्पॉन्सर कंपनी भी हटी, यह रिटायर्ड क्रिकेटर्स की वर्ल्ड चैंपियनशिप है

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) में भारत-पाकिस्तान के बीच पहला सेमीफाइनल मैच नहीं होगा। यह मुकाबला 31 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाना है। रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन प्लेयर्स ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से दूसरी बार इनकार कर दिया है।

बुधवार को थोड़ी देर पहले लीग की स्पॉन्सर कंपनी ने सेमीफाइनल से हटने का ऐलान किया था। स्पॉन्सर कंपनी के ईजमाई ट्रिप के को-फाउंडर ने X पोस्ट में लिखा था- 'आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते।' इससे पहले 20 जुलाई को भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद इस मैच को रद्द कर दिया गया था। इसके बाद WCL के आयोजकों ने भारतीय फैंस के माफी भी मांगी थी।

ईजमाई ट्रिप के को-फाउंडर ने X पर लिखा- 'हम वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। आपने पूरे देश का गौरवान्वित किया। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है, आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते।

ईजमाई ट्रिप भारत के साथ खड़ा है। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करता हो। उन्होंने आगे कहा, कुछ चीजें खेल से भी बड़ी होती हैं। देश पहले, व्यापार बाद में।'

टाटा मोटर्स इटली की ट्रक मेकर कंपनी इवेको को खरीदेगी

39,245 करोड़ में हो सकता है सौदा, इससे कॉमर्शियल व्हीकल बिजनेस मजबूत

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स इटली की ट्रक बनाने वाली कंपनी इवेको (Iveco) को 4.5 बिलियन डॉलर (लगभग 39,245 करोड़ रुपए) में खरीद सकता है। इवेको ग्रुप ने भी इस बात की पुष्टि की है कि वे टाटा मोटर्स के साथ कॉमर्शियल ट्रक बिजनेस के बिक्री पर बातचीत कर रहे हैं। यह टाटा मोटर्स का अब तक का सबसे बड़ा सौदा होगा, जो 2008 में जगुआर लैंड रोवर (JLR) को 2.3 अरब डॉलर में खरीदने से भी बड़ा है। खबर है कि टाटा इवेको के मालिक अगनेली परिवार से उनकी हिस्सेदारी (27.1%) खरीदेगा और बाकी शेयरधारकों के लिए टेंडर ऑफर लॉन्च करेगा।

इस डील से टाटा की कॉमर्शियल व्हीकल यूनिट मजबूत होगी

हालांकि, इस सौदे में इवेको का डिफेंस बिजनेस शामिल नहीं होगा। यह डील टाटा की कॉमर्शियल व्हीकल (CV) यूनिट को ग्लोबल स्तर पर मजबूत करेगी, क्योंकि इवेको का 74% रेवेन्यू यूरोप से आता है, जबकि टाटा का 90% रेवेन्यू भारत से।

यह सौदा टाटा के लिए ग्लोबल मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत करने का मौका है। यह टाटा के लिए एक बड़ा कदम है, जो उनकी ग्लोबल पहचान को और बढ़ाएगा।

टाटा मोटर्स के शेयर्स में गिरावट

इस सौदे की खबर सामने आने के बाद आज यानी 30 जुलाई को टाटा मोटर्स के शेयर्स में 3% से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं इवेको के शेयर्स पर इस खबर का अच्छा असर हुआ और 29 जुलाई को इसका शेयर 4.84% बढ़कर बंद हुआ।

टाटा ग्रुप की कंपनियों के अब तक के बड़े सौदे

टाटा की किस कंपनी ने खरीदा	किस कंपनी को खरीदा	कब खरीदा	कितने में खरीदा
टाटा स्टील	कोरस	2007	12 बिलियन डॉलर (1.04 लाख करोड़ रुपए)
टाटा मोटर्स	जगुआर	2008	2.3 बिलियन डॉलर (20 हजार करोड़ रुपए)
टाटा टी	टेटली	2000	407-430 मिलियन डॉलर (3.75 हजार करोड़ रुपए)
टाटा स्टील	नैट स्टील	2004	292 मिलियन डॉलर (2.54 हजार करोड़ रुपए)
टाटा कॉफी	8 O'Clock कॉफी	2006	220 मिलियन डॉलर (1.91 हजार करोड़ रुपए)

सेंसेक्स 144 अंक चढ़कर 81,482 पर बंद :निफ्टी 24,855 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार (30 जुलाई) को सेंसेक्स 144 अंक चढ़कर 81,482 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 34 अंक की तेजी रही, ये 24,855 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में तेजी और 15 में गिरावट रही। L&T, सनफार्मा और NTPC के शेयर्स 4.72% तक चढ़कर बंद हुए। वहीं, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड और बजाज फिनसर्व के शेयर्स 3.48% तक गिरे। निफ्टी के 50 शेयरों में से 21 ऊपर जबकि 29 नीचे बंद हुए। NSE के FMCG, IT और फार्मा इंडेक्स में मामूली तेजी रही। जबकि, ऑटो, मीडिया, बैंकिंग और रियल्टी इंडेक्स 1% तक गिरकर बंद हुए।

लक्ष्मी इंडिया और आदित्य इन्फोटेक के IPO आज दूसरा दिन है।निवेशक इन IPO के लिए 31 जुलाई तक मिनिमम

14,850 रुपए से इन्वेस्ट कर सकते हैं। दोनों कंपनियों के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में 5 अगस्त को लिस्ट होंगे। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार (29 जुलाई) को सेंसेक्स 447 अंक चढ़कर 81,338 के स्तर पर बंद हुआ। डे-लो से यह करीब 850 अंक संभला है। निफ्टी में भी 140 अंक की तेजी रही, ये 24,821 पर बंद हुआ।

अमेरिका में इंपोर्टेड 44% स्मार्टफोन मेड इन इंडिया

भारत चीन से आगे निकला, देश में स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग एक साल में 240% बढ़ी

नई दिल्ली। भारत अब चीन को पीछे छोड़कर अमेरिका को स्मार्टफोन का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। यह इस बात का संकेत है कि टैरिफ वॉर के बीच मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चेन चीन से दूर जा रही है। रिसर्च फर्म कैनालिस के मुताबिक, इस साल अप्रैल-जून में अमेरिका में इम्पोर्टेड स्मार्टफोन में मेड इन इंडिया का हिस्सा 44% रहा।

पिछले साल अप्रैल-जून में भारत का हिस्सा मात्र 13% था। दूसरी तरफ जून तिमाही में अमेरिका को एक्सपोर्ट किए गए स्मार्टफोन में चीन का हिस्सा घटकर 25% रह गया, जो एक साल पहले 61% था।

एक साल में स्मार्टफोन की मैन्युफैक्चरिंग 240% बढ़ी

अमेरिका को स्मार्टफोन एक्सपोर्ट में वियतनाम की हिस्सेदारी भी चीन से ज्यादा 30% रही। ये पहली बार है जब

भारत ने चीन की तुलना में अमेरिका को ज्यादा स्मार्टफोन भेजे हैं। कैनालिस की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्मार्टफोन की मैन्युफैक्चरिंग एक साल पहले की तुलना में 240% बढ़ गई है।

एपल चीन में पहली बार रिटेल स्टोर बंद कर रही

एपल ने चीन में पहली बार एक रिटेल स्टोर बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने घोषणा की कि डालियान शहर का पार्कलैंड मॉल स्टोर 9 अगस्त को बंद कर दिया जाएगा। ये कदम एपल के लिए एक अहम मोड़ है, क्योंकि चीन एपल का बड़ा बाजार है। चीन में एपल के 56 स्टोर हैं, जो इसके कुल आउटलेट्स के 10% से ज्यादा हैं।

चीन से भारत शिफ्ट हो रही ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग

कैनालिस के प्रमुख एनालिस्ट संयम चौरसिया ने कहा कि ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग धीरे-धीरे भारत शिफ्ट हो रही है। चीन की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी एजिलियन टेक्नोलॉजी के एक्जीक्यूटिव वीसी रेनॉड अंजोरन के मुताबिक, कई ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां लास्ट माइल असेंबली तेजी से भारत में शिफ्ट कर रही हैं। एपल को ट्रम्प की धमकी के बावजूद अमेरिका में बिकने वाले 78% आईफोन भारत में बन रहे हैं। मार्केट रिसर्चर कैनालिस के मुताबिक 2025 में जनवरी से जून के बीच भारत में 23.9 मिलियन (2 करोड़ 39 लाख) आईफोन बने।

सोनू निगम@52, बचपन गरीबी में बीता, शादियों में गाते थे

अजान पर बयान देकर मुंडवाया सिर, 32 भाषाओं में गाए 6 हजार से ज्यादा गाने

बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी सुरीली आवाज से जादू बिखेरने वाले सिंगर सोनू निगम आज 52 साल के हो गए हैं। उन्होंने कल हो ना हो, मुझ में कहीं, दिल डूबा जैसे एक से बढ़कर एक हिट गाने गाए हैं। बतौर बाल कलाकार उन्होंने फिल्म बेताब में भी काम किया था। महज 4 साल की उम्र में सिंगिंग करियर की शुरुआत की थी। वे अपने पिता के साथ शादियों, मेलों और स्टेज पर गाया करते थे। बड़े सपनों को लेकर दिल्ली से मुंबई आए, लेकिन यह सफर आसान नहीं था। शुरुआती चार साल तक उन्हें लगातार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। हालांकि, मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया। सोनू निगम गायकी के अलावा अपने बेबाक बयानों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। उन्होंने अजान, राधे मां और म्यूजिक इंडस्ट्री में माफिया कल्चर जैसे मुद्दों पर खुलकर राय रखी, जिसके चलते उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। सोनू निगम के पिता अगम कुमार निगम एक गायक हैं। एक समय घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इसलिए वे शादियों और कई कार्यक्रमों में स्टेज पर गाना गाया करते थे। इसी के चलते सोनू को भी छोटी उम्र से ही संगीत में रुचि होने लगी। जब सोनू सिर्फ 4 साल के थे और उनके पिता स्टेज पर गा रहे थे, तभी सोनू अचानक रोने लगे और गाने की जिद करने लगे। यह देखकर उनके माता-पिता हैरान रह गए, क्योंकि इससे पहले सोनू ने कभी ऐसा व्यवहार नहीं किया था, न ही कोई गाना गाया था। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने कहा कि बच्चा है, गाने दो, तो माता-पिता ने भी उन्हें मंच पर जाने दिया। सोनू ने पहली बार अपने पिता के साथ मंच पर मोहम्मद रफी का मशहूर गाना 'क्या हुआ तेरा वादा' गाया था। उनकी आवाज में इतनी मिठास कि वहां मौजूद माता-पिता ही नहीं, बल्कि हर कोई हैरान रह गया। उसी पल उनके माता-पिता को एहसास हुआ कि सोनू के भीतर प्रतिभा छिपी है। संगीत की प्रारंभिक शिक्षा सोनू को पिता से ही मिली। इसके बाद धीरे-धीरे सोनू ने पिता के साथ मेलों, शादी समेत हर तरह के इवेंट में गाने गाए। हालांकि जब सोनू बड़े हो रहे थे, तो उन्होंने एक समय वैज्ञानिक बनने की इच्छा भी जताई, लेकिन संगीत के प्रति उनका जुनून इतना गहरा था कि वे इससे कभी दूर नहीं हो पाए।

नागार्जुन ने ईशा कोप्पिकर को 14 थप्पड़ मारे थे

चेहरे पर निशान आए, बाद में एक्टर बोले- सॉरी

एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्मों से की थी। हाल ही में ईशा ने बताया कि उनकी दूसरी फिल्म चंद्रलेखा के एक सीन में उन्हें एक्टर नागार्जुन से 14 बार थप्पड़ खाना पड़ा था। ईशा ने बताया, नागार्जुन ने मुझे थप्पड़ मारा। मैं पूरी तरह से एक्टिंग में डेडिकेटेड थी और गुस्से का असली भाव लाना चाहती थी। जब वो मुझे थप्पड़ मार रहे थे, तब मुझे कुछ महसूस ही नहीं हो रहा था। यह मेरी दूसरी फिल्म थी, तो मैंने उनसे कहा - नाग (नागार्जुन), मुझे सच में थप्पड़ मारो। तो उन्होंने कहा- क्या तुम्हें यकीन है? मैंने कहा- हां, फिर उन्होंने कहा- नहीं, मैं नहीं कर सकता। मैंने कहा - मुझे वो एहसास चाहिए। मुझे वो एहसास नहीं हो रहा है। फिर उन्होंने मुझे हल्के से थप्पड़ मारा। हालांकि, डायरेक्टर को ईशा के चेहरे पर गुस्सा नहीं दिखा। इसी वजह से सीन को कई बार शूट करना पड़ा। गुस्से वाला एक्सप्रेशन लाने के चक्कर में मुझे 14 बार थप्पड़ खाना पड़ा। आखिर में मेरे चेहरे पर निशान आ गए थे। नागार्जुन मेरे पास आकर बोले - सॉरी। मैंने कहा- मैंने खुद कहा था, आप क्यों माफी मांग रहे हो? यह फिल्म ईशा की तेलुगु सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर पहली फिल्म थी। इसका डायरेक्शन कृष्णा वामसी ने किया था। फिल्म में नागार्जुन के साथ राम्या कृष्णन, मुरली मोहन, चंद्र मोहन, गिरि बाबू और तनिकेला भरानी जैसे कलाकार थे। यह फिल्म मलयालम फिल्म चंद्रलेखा की रीमेक थी। ईशा को आखिरी बार 2024 की साइंस-फिक्शन फिल्म 'आयालान' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ शिवकार्तिकेयन और रकुल प्रीत सिंह नजर आए थे।

ED के समन पर हाजिर हुए अभिनेता प्रकाश राज, ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में हुई घंटों पूछताछ

ऑनलाइन सट्टेबाजी के खेल को बढ़ावा देने से जुड़े एक मामले में समन मिलने के बाद अभिनेता प्रकाश राज बुधवार को हैदराबाद के बशीरबाग स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में पेश हुए। प्रकाश राज 'वांटेड' और 'सिंघम' जैसी फिल्मों में अपनी नकारात्मक भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं और अपने करियर में 300 से ज़्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। इस साल की शुरुआत में, तेलंगाना पुलिस ने 25 मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और मांचू लक्ष्मी जैसी लोकप्रिय हस्तियां शामिल थीं, जिन पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अवैध सट्टेबाजी और जुआ ऐप्स को बढ़ावा देने का आरोप था, जैसा कि एएनआई ने बताया था। तेलुगु, कन्नड़ और अन्य दक्षिण भारतीय फिल्मों से पहचान बनाने वाली अभिनेता ईडी के यहां जोनल कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश हुए। इस मामले में प्रकाश राज के अलावा ईडी ने अभिनेताओं राणा डग्गुबाती एवं विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू को भी समन जारी किया है। जांच एजेंसी ने पहले राणा डग्गुबाती (40) को यहां जोनल कार्यालय में 23 जुलाई को, राज (60) को 30 जुलाई, देवरकोंडा (36) को छह अगस्त और लक्ष्मी (47) को 13 अगस्त को पेश होने के लिए कहा था।

पृथ्वीराज सुकुमारन की वाइफ ट्रोलिंग का हुईं शिकार :

सात साल से महिला नर्स कर रही थी परेशान, इंस्टाग्राम पर सुप्रिया मेनन ने लगाई फटकार

एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन की वाइफ सुप्रिया मेनन ने बताया है कि उन्हें पिछले सात साल से ऑनलाइन हैरेस किया जा रहा है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में दी है। साथ ही, सुप्रिया ने उस ट्रोल को फटकार लगाई है। दरअसल, सुप्रिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक रूप से उस महिला का नाम लिया, जो कथित तौर पर उन्हें सालों से ट्रोल कर रही है। स्टोरी में वो लिखती हैं- ₹ क्रिस्टीना एल्डो से मिलिए। ये ज्यादातर अकाउंट्स पर भद्दे कमेंट्स करती हैं, जो मेरे बारे में कुछ पोस्ट करते हैं। ये लगातार फर्जी अकाउंट बनाकर पोस्ट करती रहती थी और मैं उसे ब्लॉक। मुझे कई साल पहले पता चला कि वो कौन है, लेकिन मैंने रहने दिया क्योंकि उसका एक छोटा बेटा है। यहां तक कि उसने जो फिल्टर लगाया है, वो भी उसकी अंदर की कुरूपता को छिपा नहीं पा रहा। जो वो मुझ पर 2018 से उगल रही है। ईटाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रिया को परेशान करने वाली क्रिस्टीना एल्डो उर्फ क्रिस्टीना बाबू कुरियन एक मलयाली नर्स है, जो अमेरिका में रहती है। सुप्रिया को इस महिला ट्रोल के बारे में सार्वजनिक रूप से लिखने के लिए मजबूर होना पड़ा, जब उसने उनके दिवंगत पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। साल 2023 में, सुप्रिया ने अपने परिवार पर टिप्पणी के बाद कानूनी कार्रवाई करने का संकेत दिया था।बता दें कि पृथ्वीराज सुकुमारन से शादी करने के पहले सुप्रिया जर्नलिस्ट थीं। दोनों ने कुछ सालों की डेटिंग के बाद 2011 में शादी कर ली। साल 2014 में उनकी बेटी अलंकृता का जन्म हुआ। शादी के बाद सुप्रिया ने जॉब छोड़ दी और अब वो पृथ्वीराज प्रोडक्शंस की हेड हैं। वहीं, एक्टर की वर्कफ्रंट की बात करें तो वो हाल ही में जियो हॉटस्टार की फिल्म 'सरजमीन' में काजोल और इब्राहिम अली खान के साथ नजर आए थे।

बार चुनाव में राघवेन्द्र सिंह अध्यक्ष व दिनेश दुबे सचिव निर्वाचित

समर्थकों ने अबीर–गुलाल उड़ाकर मनाया जश्न, बांटी मिठाई

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। जिले के बार एसोसिएशन की 57वीं कार्यकारिणी के गठन के लिए हुए चुनाव में राघवेन्द्र सिंह को अध्यक्ष और दिनेश कुमार दुबे को सचिव चुना गया है। शुक्रवार को रात आठ बजे तक चली मतगणना के बाद कार्यकारिणी के 14 अन्य पदाधिकारी भी तय हो गए। विभिन्न पदों पर सम्पन्न हुए चुनाव में विजयी पदाधिकारियों के समर्थकों ने अबीर-गुलाल उड़ाकर व मिठाईयां बांटकर जश्न मनाया।

बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के गठन के लिए पांच जुलाई से शुरू हुई चुनाव प्रक्रिया बुधवार को मतगणना के साथ समाप्त हुई। मंगलवार को हुए चुनाव की मतगणना बुधवार सुबह 10 बजे से शुरू हुई जो रात करीब नौ बजे समाप्त हुई। जिसके बाद पदाधिकारियों के चुनाव परिणाम सामने आए। अध्यक्ष पद पर राघवेन्द्र सिंह ने शारदा प्रसाद मिश्र और सचिव पर दिनेश दुबे ने अजय कुमार सिंह को पीछे छोड़ा। अधिवक्ता संघ के चुनाव में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के सात प्रत्याशियों में से हरीश्वर सिंह ने कांटे की टक्कर में करुणाशंकर पाण्डेय को 10 वोटों से पीछे छोड़ा। उपाध्यक्ष पद पर प्रणव द्विवेदी ने सतीश कुमार को 568 वोटों से हराया। सह सचिव प्रशासन पद पर पुष्पलता मौर्या 19 वोटों से अजय कुमार पाठक से आगे रहीं।

सह सचिव खुर्शीद क्लब पद पर अनिल कुमार मिश्र ने शिव बहादुर मौर्य को पीछे छोड़कर 89 वोटों से जीत दर्ज की। विजय कुमार पांडेय ने 200 वोटों से जीत दर्ज कर पुस्तकालय पद पर जीत हासिल की। उन्होंने संतोष यादव को हराया। वीरेन्द्र प्रताप यादव कोषाध्यक्ष चुने गए। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अजीत तिवारी को 183 मतों से हराया।

वरिष्ठ कार्यकारिणी में अशोक कुमार शुक्ल, मनीष तिवारी, अशोक सिंह बिसेन और जय प्रकाश मिश्र चुने गए। कनिष्ठ कार्यकारिणी में रेखा गुप्ता, कुलदीप पाठक, ज्ञानेश्वर द्विवेदी और राकेश कुमार शुक्ल ल ने चुनाव जीता। जीत दर्ज कर पदाधिकारियों ने अबीर गुलाल उड़ाकर और खुशी जताई। ढोल नगाड़ों से भी समर्थकों ने खुशी जताई।

एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद दुबे, पूर्व अध्यक्ष एमपी शर्मा, अरविंद सिंह राजा, अब्बास अहमद खान,अयूब उल्ला समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने नई कार्यकारिणी के चयन पर खुशी जताई है। बार अध्यक्ष रणजीत सिंह त्रिशुंडी ने शांतिपूर्ण चुनाव पर सभी का आभार जताया।

एक नजर

सर्प दंश से होमगार्ड की मौत, परिवार में कोहराम

कुड़वार–सुलतानपुर। घर के अन्दर होमगार्ड को सांप ने डस लिया।गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक की सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस ने विधिक कार्यवाही की। मंगलवार को स्थानीय थाना क्षेत्र के बांसी गांव निवासी होमगार्ड सुदामा प्रसाद गौतम (50) पुत्र जगराम को सांप ने डस लिया। गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया। जहा चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक की सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस ने बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनो को सौप दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना से पत्नी गुड्डा,बेटों सुमित व सुरेंद्र तथा बेटियों पूजा व रूपा का बुरा हाल है। मृतक होमगार्ड नगर कोतवाली में यातायात की ड्यूटी करते थे। जो कुड़वार कंपनी के होमगार्ड थे। शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचने पर यातायात निरीक्षक राम निरंजन यादव, बीओ अमर सिंह सहित होमगार्ड के जवानों ने श्रद्धांजलि दी। मृतक होमगार्ड का कुड़वार राजघाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

चोरी का ई-रिक्शा बरामद, एक गिरफ्तार

सुलतानपुर। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने चोरी गए ई–रिक्शा को बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत की गई। मिली जानकारी के अनुसार, मुकदमा बीएनएस के तहत वांछित आरोपी इशरार पुत्र इद्रीश निवासी खैराबाद, हाल पता गभड़िया, को रेलवे स्टेशन के पास से चोरी के ई–रिक्शा सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शिवानंद यादव,उपनिरीक्षक विनय कुमार सिंह,कांस्टेबल आनंद यादव,कांस्टेबल रोहित यादव शामिल रहे।

मारपीट में पांच पर मुकदमा दर्ज

कादीपुर–सुलतानपुर। क्षेत्राधिकार के निर्देश पर पुलिस ने मारपीट के मामले में पांच लोगों के विरुद्ध नामजद केस दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के आलापुर गांव के विश्व कुमार सिंह का आरोप है कि 25 जुलाई को शाम लगभग साढ़े चार बजे वे खेत से अपने घर आ रहे थे। तभी विपक्षियों ने लाठी–डंडा लेकर उन्हें दौड़ा लिया। वह डर बस घर में घुस गए। विपक्षी घर में घुसकर उन्हें लाठी–डंडे से मारापीटा। जिससे उन्हें काफी चोट आई। प्रभारी निरीक्षक श्यामसुंदर ने बताया कि पीड़ति की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही आदित्य प्रताप सिंह,भानु प्रताप सिंह,सूर्य प्रकाश सिंह,सुजीत सिंह उर्फ गोलू एवं दिव्य प्रकाश सिंह के विरुद्ध नामजद केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जल निगम का मोटर जला, पानी को तरस रहे लोग

कुड़वार–सुलतानपुर। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्थापित पानी की टंकी का मोटर जलने से बंद हुई जल आपूर्ति के चलते एक सप्ताह से लोग पानी बिना तरह रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत स्थानीय कस्बे में बनी पानी की टंकी का मोटर एक सप्ताह से जल गया है।

जिससे कुड़वार ग्राम पंचायत के दर्जनों पुरवे के हजारों लोग एक सप्ताह से पानी बिना तरह रहे हैं। खासकर स्थानीय कस्बे के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी की सप्लाई कुड़वार कस्बा,शुक्ल का पुरवा, मियां की तकिया, खरगिनपुर, मुराइनटोला, लोनीखार, तिलक का पुरवा आदि पुरवों में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत लगभग 1800 कनेक्शन धारकों को पानी की सुविधा दी गई है, लेकिन बीते सप्ताह मोटर खराब हो गया है। जिसकी मरम्मत अब तक नहीं हो सकी है। क्षेत्र के भागीरथी, अशोक कुमार, रमेश तिवारी, श्रवण कुमार, शिवबहादुर कहना है कि पानी नहीं आने से उन्हें इधर–उधर से पानी लाना पड़ रहा है। महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इस सम्बन्ध में जानकारी के लिए विभाग के जेई और एई का फोन नहीं उठा।

तीन दिन में समाधान का भरोसा, वरना उग्र आंदोलन की चेतावनी

सुलतानपुर। विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को एसडीएम सदर न्यायालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हैंडपंप रिपोर्ट में पक्षपात, अपात्रों को पट्टा आवंटन और सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में कलेक्ट्रेट परिसर में किसानों ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए अधिकारियों को घेरा। मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी ने प्रतिनिधिमंडल से वार्ता कर तीन दिन के भीतर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। किसान नेताओं ने साफ कहा कि निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई न हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। हैंडपंप रिपोर्ट में कथित पक्षपात पर कार्रवाई की मांग,अपात्र लोगों को पट्टा दिए जाने की जांच व निरस्तीकरण की मांग,विभागीय भ्रष्टाचार पर ठोस कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की मांग की।

जिंदा होने की गुहार लगा रहे कागजों में मृत किसान

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील में आम जनता के साथ अमानवीय व्यवहार, वर्षों तक मुकदमें लटकाना, पत्रावली गायब करना और जीवित व्यक्तियों को अभिलेखों में मृत घोषित कर देना कोई नई बात नहीं रह गई है।

तहसील के कई वादकारी न्याय की आस में दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही। गौहनिया निवासी राम प्रसाद,जिनकी उम्र करीब (75) वर्ष है पांच साल पहले सरकारी अभिलेखों में मृत घोषित कर दिए गए। जबकि वह आज भी पूरी तरह जीवित हैं और खुद को जिंदा साबित करने के लिए तहसील, जिलाधिकारी, विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर हाईकोर्ट तक गुहार लगा चुके हैं।

बावजूद इसके अब तक अभिलेखों में उन्हें पुनर्जीवित नहीं किया गया। इसी तरह महमूदपुर गांव के राम किशोर को भी राजस्व रिकॉर्ड में मृत दिखा दिया गया है। वह भी खुद को जीवित घोषित कराने के लिए वर्षों से तहसील के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी ने उनकी पीड़ा को गंभीरता से नहीं लिया।

» वर्षों से दफ्तरों के काट रहे चक्कर, नहीं मिल रहा न्याय

वादकारियों का आरोप है कि तहसील में संबंधित पटल के कर्मचारी न सिर्फ मामलों को लंबित रखते हैं बल्कि वादकारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ति भी करते हैं।

पत्रावलियां गायब कर दी जाती हैं और बार-बार नए प्रमाण लाने को कहा जाता है। बीते दिनों बल्दीराय के ही एक मामले में ओम प्रकाश तिवारी की कलेक्ट्रेट में मृत्यु हुई थी।

आज बल्दीराय में लगेगा दिव्यांगजन सहायता शिविर, मिलेगा उपकरण

सुलतानपुर। दिव्यांगजनों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विकास विभाग, लखनऊ द्वारा संचालित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत एक विशेष सहायता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 31 जुलाई को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक बल्दीराय विकास खंड कार्यालय परिसर में आयोजित होगा।

शिविर में ये सुविधाएं मिलेंगीरू विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं के अनुसार परीक्षण करेगी और उन्हें निम्नलिखित सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। उपकरण में ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, कान की मशीन, नेत्रहीनों की छड़ी, ब्रेल किट, स्मार्टफोन, टैबलेट, एमआर किट, वॉकर, ट्राईपॉड स्टिक आदि शामिल है। जबकि आवश्यक दस्तावेजों में एक पासपोर्ट साइज फोटो,पहचान पत्र (आधार कार्ड, वोटर आईडी, राशन कार्ड), दिव्यांगता प्रमाण पत्र,जाति प्रमाण पत्र,तहसीलदार, सांसद ग्राम प्रधान द्वारा जारी प्रमाण पत्र, बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने अपील की है कि सभी पात्र दिव्यांगजन निर्धारित समय पर शिविर स्थल पर पहुंचकर अनिवार्य रूप से परीक्षण कराएं, जिससे उन्हें सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ मिल सके।

बिही निदुरा में दो दिवसीय ग्राम स्वरोजगार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के बिही निदुरा ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन बृहस्पतिवार को हुआ।

यह प्रशिक्षण उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में तथा राजकीय सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्र प्रभारी अलगू राम ने किया। प्रशिक्षण में महिलाओं व पुरुषों को आचार निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण तकनीक और स्वरोजगार के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षणकर्ता सागर प्रसाद वर्मा ने प्रतिभागियों को उत्पाद निर्माण की बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम

» महिलाओं को मिली आत्मनिर्भरता की सीख

के मुख्य अतिथि बल्दीराय प्रधान संघ अध्यक्ष श्रीपाल पासी ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कारगर साबित हो रहे हैं। विशेषज्ञ डा. प्रेम नाथ प्रेम ने कहा कि यह सरकार की एक सराहनीय पहल है।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए जाते हैं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से अनुदान की सुविधा भी मिलती है। प्रशिक्षण में भाग ले रहीं शशि बाला और अफरोज ने सरकार की इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की राह आसान बनाएगा।

बार एसोसिएशन के नई कार्यकारिणी का चुनाव आज

कादीपुर–सुलतानपुर। बार एसोसिएशन के नई कार्यकारिणी के लिए हो रहे चुनाव में अध्यक्ष सहित छह पदों के लिए 31 जुलाई को मतदान होगा। प्रत्याशी एवं उनके समर्थक अधिवक्ता मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए जी जान से जुट गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशी आदर्श कुमार सिंह, अशोक कुमार पांडेय, यमुना प्रसाद मिश्र एवं बद्री प्रसाद सिंह चुनाव मैदान में हैं। इस प्रकार इस महत्वपूर्ण पद के लिए चतुष्कोणीय संघर्ष हो रहा है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर राधे मोहन प्रजापति एवं मनोज कुमार के बीच सीधा मुकाबला है। सचिव पद पर विकास सिंह, अजय मिस एवं मंगलाप्रसाद तिवारी के बीच त्रिकोणात्मक संघर्ष है। सहसचिव प्रशासन के पद पर मनोज कुमार एवं प्रदीप के बीच तथा सह सचिव कल्याण निधि के पद पर अशोक वर्मा, रविंद्र एवं विकास के बीच त्रिकोणात्मक संघर्ष चल रहा है।

वरिष्ट सदस्य कार्यकारिणी के छह पदों के लिए सात प्रत्याशी मैदान में है। जिससे इस पद के लिए भी चुनाव हो रहा है। बृहस्पतिवार 31 जुलाई को सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। उसके बाद मतगणना और परिणाम की घोषणा की जाएगी।

नवागत बीईओ का शिक्षामित्रों ने किया स्वागत

विश्ववार्ता संवाददाता

कुड़वार–सुलतानपुर। कुड़वार ब्लॉक संसाधन केंद्र पर गुरुवार को नवागत खंड शिक्षा अधिकारी रोजी सिंह का आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन कुड़वार की ओर से भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बीईओ को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र त्रिपाठी और ब्लॉक

» समस्याओं के शीघ्र समाधान का दिया भरोसा

अध्यक्ष व जिला महामंत्री प्रदीप यादव ने बीईओ से मुलाकात कर कहा कि शिक्षामित्र सीमित संसाधनों में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ शिक्षण कार्य में लगे हुए हैं।

खंड शिक्षा अधिकारी रोजी सिंह ने सभी शिक्षा मित्रों का आभार जताते हुए आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता पर लेकर शीघ्र समाधान कराया जाएगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मृदुल त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश त्रिपाठी, रामयज्ञ मौर्य, न्याय पंचायत प्रभारी दुर्गा प्रसाद मोदनवाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षा मित्र मौजूद रहे।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत छह पर मुकदमा दर्ज

कादीपुर–सुलतानपुर। क्षेत्राधिकार के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने दहेज उत्पीड़न मामले में पति सहित छह लोगों पर नामजद केस दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के लौहरा गांव की घनश्याम की पुत्री पुनीता की शादी अंबेडकर नगर जिले के अकबरपुर कोतवाली के बन्दनडीह गांव के रामसावरे के पुत्र बृजेश के साथ 20 अप्रैल 2024 को हुई थी।

ससुराल पहुंचने पर ससुरारीजन कम दहेज लाने का ताना मार रहे थे। आरोप है कि ससुरालीजन पुनीता के हिस्से की जमीन बेच कर पैसा लाने व पति के नाम बैनामा कराने की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर घर में भूखा प्यासा रख कर मारते पीटते थे। उसकी मोबाइल भी ससुररीजनो ने छीन लिया था। बीते 24 जुलाई को भांजा उसके साथ गलत व्यवहार एवं अश्लील हरकतें करने लगा। विरोध करने पर मारा पीटा। सुररीजनों ने 26 जुलाई को सुबह उसका आभूषण छीन कर गाड़ी से ला कर मायके के पास छोड़ कर चले गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति बृजेश मिश्रा,ससुर राम सावरे,सांस माधुरी,देवर आदेश ननद डिंपल एवं भांजे आनंद के विरुद्ध नामजद केस दर्ज कर लिया है।

सिपाही की गोली मारकर हत्या का आरोपी कोर्ट से हुआ बरी

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। 23 वर्ष पूर्व जगदीशपुर थाने में तैनात सिपाही की गोली मारकर हत्या के आरोपी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या-3 ने साक्ष्य के अभाव में बाइज्जत बरी कर दिया है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता राजन शुक्ल ने बताया कि लम्बी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद बेगुनाह को बचाने में सफलता मिली है।

गौरतलब हो कि बीते आठ जून 2002 को अमेठी जिले के जगदीशपुर थाने में तैनात सिपाही इन्द्रमणि यादव की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी, जब वह रात करीब 10.15 बजे अपने साथी सिपाही बृजलाल मौर्य के साथ बाइक से पिकेट ड्यूटी पर जा रहे थे।

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक बाइक बृजलाल चला रहे थे और मृतक सिपाही इंद्रमणि यादव पीछे बैठे थे। जब वह जगदीशपुर थाना क्षेत्र के साहब का पुरवा मोड़ के पास पहुंचे थे तभी लूट की नीयत से खड़े दो बदमाशों से उनका आमना-सामना हो गया तभी कहासुनी के दौरान एक बदमाश ने पीछे

» 23 वर्ष पूर्व जगदीशपुर थाने में हुई थी घटना

» बचाव पक्ष के अधिवक्ता के तर्क को एडीजे ने ठहराया सही

बैठे सिपाही को तमंचे से गोली मार दी। घटना में सिपाही इंद्रमणि की मौत हो गई। इस प्रकरण में सिपाही बृजलाल की तहरीर पर पुलिस ने मंगौली निवासी सगे भाई सुधीर विश्वकर्मा और रमेश विश्वकर्मा के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। इस सनसनी खेज वारदात के दूसरे ही दिन पुलिस ने रमेश को इनकाउंटर में ढेर कर दिया था। तब से लेकर अब तक इन 23 वर्षों में चली लम्बी कानूनी लड़ाई के बीच बचाव पक्ष के अधिवक्ता आरपी शुक्ल राजन ने आखिरकार अभियुक्त सुधीर विश्वकर्मा को बाइज्जत बरी कराने में सफलता हासिल कर ली। मंगलवार को सुनवाई के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या-3 की अदालत ने आरोपी को हत्या के मुकदमें में बरी करार दिया है।

प्रधान की पत्नी समेत दो महिलाओं से मारपीट, घर में घुसकर हमला

विश्ववार्ता संवाददाता

कूरेभार–सुलतानपुर। विकासखंड कूरेभार के जफरापुर ग्रामसभा में बुधवार को दबंगई का शर्मनाक चेहरा सामने आया, जब ग्राम प्रधान दिलीप वर्मा की पत्नी गायत्री देवी और जानकी देवी पत्नी नरेंद्र के साथ घातक हमला किया गया। आरोप है कि गांव के रवि, अमरेंद्र, संजय, सुरेश, रणजीत, राजकुमारी, सुशीला, विवेश और वीरेंद्र ने महिलाओं के घर में घुसकर लाठी-डंडों से पिटाई की।

घटना की शुरुआत ग्राम प्रधान दिलीप वर्मा के खेत की मेड़ पर लगे बबूल के पेड़ को रवि पुत्र सुरेश द्वारा काटने से हुई। जब महिलाओं ने विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। महिलाओं ने किसी तरह घर पहुंचकर जान बचाई, लेकिन आरोप है कि आरोपी वहां भी पीछे नहीं हटे और घर में घुसकर फिर से हमला किया। यही नहीं, घर के बाहर खड़ी डिजायर कार को भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना के बाद

घायल महिलाएं किसी तरह परिजनों को सूचना देकर गोसाईगंज थाना पहुंचीं, जहां पुलिस को लिखित तहरीर दी गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायल महिलाओं को मेडिकल के लिए जयसिंहपुर अस्पताल भेजा और गंभीर रूप से घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्राम प्रधान दिलीप वर्मा की तहरीर पर पुलिस ने 9 आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच चल रही है और पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के उपकरण के साथ दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत बल्दीराय पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। 30 जून को दर्ज चोरी के मुकदमें में नामजद अभियुक्त सुभाष यादव और मुकेश मिश्रा को पुलिस ने बीती रात गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से चोरी के उपकरण एक टिल्लू पंप, एक माइक्रोटेक इंजन और एक मेटल ब्लॉक पंप बरामद किए गए हैं।

इस कार्रवाई का नेतृत्व थानाध्यक्ष नारद मुनि सिंह ने किया, जिनके साथ उपनिरीक्षक राजदेव यादव, हेड कांस्टेबल पवन यादव, कांस्टेबल इंद्रेश कुमार और विशाल यादव ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लोगों में भरोसा और अपराधियों में डर देखने को मिल रहा है।

पुल पर जल निकासी व्यवस्था नहीं, गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे राहगीर

विश्ववार्ता संवाददाता

बल्दीराय–सुलतानपुर। तहसील क्षेत्र से गंभीर प्रशासनिक लापरवाही की तस्वीर सामने आई है। बल्दीराय बाजार में नहर पर बने पुल पर लोक निर्माण विभाग और शारदा सहायक खंड-16 की घोर अनदेखी के चलते जलनिकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। परिणामस्वरूप पुल पर लगातार पानी भर रहा है, जिससे सड़क की हालत बद से बदतर हो चुकी है और जगह-जगह खतरनाक गड्ढे बन गए हैं।

इन गड्ढों की वजह से रोजाना राहगीर गिरकर घायल हो रहे हैं, फिर भी जिम्मेदार विभागों की आंखें बंद हैं। सबसे चैंकाने वाली बात यह है कि इसी रास्ते से तहसील के वरिष्ठ अधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार, बीडीओ और पुलिस अधिकारी प्रतिदिन गुजरते हैं, लेकिन किसी की नजर इस गंभीर समस्या पर नहीं पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव के चलते पुल की संरचना कमजोर हो रही है, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

क्षेत्र में इस लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि प्रशासन तत्काल संज्ञान ले और न केवल जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराए, बल्कि क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत भी युद्धस्तर पर शुरू कराए।

लखनऊ में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत सी.एम.युवा कॉन्क्लेव और एक्सपो-2025 के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बना रही सीएम युवा स्कीम

सीएम योगी ने युवाओं को उद्यमिता की राह दिखाने वाले प्लेटफॉर्म को बताया 'आत्मनिर्भर भारत की नींव'

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राजधानी लखनऊ में सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत संचालित सीएम युवा योजना को प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए ₹स्वरोजगार से स्वावलंबन तक की यात्रा₹ का माध्यम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक इस योजना के अंतर्गत 68,000 से अधिक युवाओं को 2751 करोड़ रुपए का ब्याजमुक्त एवं गारंटी मुक्त ऋण उपलब्ध कराया गया है। योजना के अंतर्गत 10 प्रतिशत मार्जिन मनी की सुविधा भी राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यूपी के युवाओं में अनलिमिटेड पोटेंशियल है। सीएम युवा इन युवाओं को मंच और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है, जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हर जिले से कम से कम 50 युवाओं को लाकर इस प्रदर्शनी को दिखाया जाए, ताकि उन्हें योजनाओं, स्टार्टअप संसाधनों और मार्केट एक्सेस की सही जानकारी मिल सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने फ्रेंचाइजी व्यवसाय, बिजनेस ऑन व्हील्स व अन्य इनोवेटिव व्यवसायों के ब्रांड्स/मशीनरी की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं मशीनरी सप्लायर्स पोर्टल 'यूपी मार्ट' की लॉन्चिंग भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष 17 एमओयू भी किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम युवा योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी ब्याजमुक्त और गारंटीमुक्त संरचना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूंजी की कमी, ट्रेनिंग का अभाव, और गाइडेंस की दिक्कत इन सभी समस्याओं का समाधान इस योजना के माध्यम से किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ योजना नहीं, एक आंदोलन है। यह हर उस युवा के लिए अवसर है, जिसके पास सपना है लेकिन साधन नहीं। उन्होंने मंच पर अपनी सफलता की कहानी सुनाने वाले युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन सभी की कहानियों में एक समानता है और वह यह कि जो सपना उन्होंने देखा, सीएम युवा योजना के माध्यम से सरकार ने उसे पूरा किया। सीएम युवा उद्यमी स्कीम ने पूंजी की कमी को दूर किया, ट्रेनिंग की समस्या का समाधान किया, आत्मनिर्भर युवा के मिशन को धरातल पर उतारा। अनेक युवा अलग-अलग क्षेत्र में इस स्कीम का लाभ ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारे संस्थान एक तरह से 'टापू' बन चुके हैं, जिनका समाज और स्कीमों से जुड़ाव टूटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब जानकारी नहीं होती, तो युवा गलत स्कीम में फंसते हैं। कर्ज के बोझ से टूट जाते हैं। पलायन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सीएम युवा योजना न केवल युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित कर रही है, बल्कि उन्हें 'जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर' भी बना रही है। सीएम योगी ने बताया कि उत्तर प्रदेश की हस्तशिल्प, कुटीर और एमएसएमई इंडस्ट्री को पुनर्जीवित करने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। आज उत्तर प्रदेश में कोई भी नया उद्यम शुरू करने पर पहले 1000 दिन तक किसी प्रकार की लाइसेंस बाध्यता नहीं है। साथ ही, 5 लाख रुपए का बीमा कवर भी दिया जा रहा है।

कान खोलकर सुन लें जयराम, मोदी–ट्रंप की नहीं हुई कोई बात

बीच भाषण में टोकाटाकी तो भड़क गये जयशंकर

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर लोकसभा के बाद आज राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार का पक्ष रख रहे थे। इस दौरान वह विपक्ष के हर आरोपों का बारी-बारी से जवाब दे रहे थे। इस दौरान विपक्षी खेमे के सांसद लगातार हंगामा करते नजर आए। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और कांग्रेस सांसद जयराम रमेश विदेश मंत्री के भाषण के दौरान लगातार गतिरोध उत्पन्न कर रहे थे। विपक्षी सांसदों के आचरण से जयशंकर असहज हो गए और जयराम रमेश का नाम लेते हुए उन्हें खूब सुनाया।

जयशंकर ने अपने भाषण के बीच में जयराम रमेश को टोकते हुए कहा, 'जयराम रमेश कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से लेकर 16 जून तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन कॉल पर एक भी बार बातचीत नहीं हुई।'

आपको बता दें कि विपक्ष खासकर कांग्रेस लगातार यह आरोप लगाती रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ। हालांकि सरकार लगातार इन आरोपों को झुठलाती आ रही है। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर डीजीएमओ स्तर की बातचीत के दौरान तय हुआ, न कि किसी विदेशी दबाव के कारण।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, "पहलगाम हमला पूरी तरह अस्वीकार्य, लक्ष्मण रेखा लांघी गई। दोषियों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना आवश्यक। भारत ने आतंकवाद का दंश सहा है, ऑपरेशन सिंदूर से हमने लक्ष्य हासिल किए।" उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर भारत के जवाब को पूरी दुनिया ने देखा।

सिंधु जल संधि को रोकने के फैसले को सही ठहराते हुए जयशंकर ने कहा कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सिंधु जल संधि निलंबित कर नेहरू की नीतियों की गलतियों को सुधारा। जयशंकर ने कहा कि भारत में 1947 के बाद से सीमा पार से हमले होते रहे, हर हमले के बाद पाकिस्तान से बातचीत भी होती रही। लेकिन हमारी सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए, हमने हर मंच पर पाकिस्तान को बेनकाब किया। मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा को हमारी सरकार भारत लाई।

जयशंकर ने सदन को बताया कि हमारी कोशिश रंग लाई और संयुक्त राष्ट्र ने माना कि 'द रेजिस्टेन्स फ्रंट' पाकिस्तान स्थित आतंकी गुट लश्कर ए तैयबा का छद्म संगठन है।

विदेश मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय कूटनीति की विफलता के विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए कहा कि भारतीय कूटनीति बिल्कुल सही दिशा में थी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की गयी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं और सीमा पार आतंकवाद की निंदा की जबकि मुंबई आतंकवादी हमले के बाद हुए ब्रिक्स सम्मेलन में जो बयान जारी किया गया था उसमें सीमा पार आतंकवाद का कोई जिक्र नहीं था। जयशंकर ने कहा कि जर्मनी फ्रांस, रूस और यूरोपीय संघ ने भी पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की।

जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए 25 अप्रैल को बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यह तब हुआ जब पाकिस्तान सुरक्षा परिषद का सदस्य था और भारत इस विश्व संगठन से बाहर था।

पहलगाम और ट्रंप के दावे पर घेरा सरकार को

राज्यसभा में पीएम नरेन्द्र मोदी की चुप्पी पर विपक्ष ने उठाये सवाल

विश्ववार्ता ब्यूरो

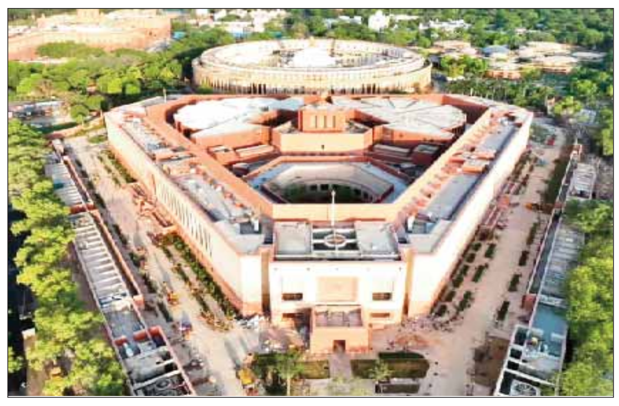

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों के सदस्यों ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दूसरे दिन भी पहलगाम आतंकवादी हमले में सुरक्षा चूक के मुद्दे तथा भारत-पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई को रूकवाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी पर सरकार को घेरा।

तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन ने 'पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक आपरेशन सिंदूर' पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि पहलगाम हमला सुरक्षा चूक के कारण हुआ जिससे लोगों की नृशंस हत्या हुई। उन्होंने कहा कि इसकी जवाबदेही किसकी है। क्या गृहमंत्री इसका जवाब देंगे।

उन्होंने पूछा कि क्या पहलगाम की घटना की सच्चाई का कभी पता चल सकेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नीतियों से आतंकवाद को बढावा दे रही है। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इससे पहले जनमत संग्रह कराया जाना चाहिए था। तृणमूल सदस्य ने कहा कि इस हमले के बाद से कश्मीर में पर्यटन ठप हो गया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के सैन्य कार्रवाई रूकवाने के दावे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

द्रमुक के एन आर इलांगो ने कहा कि बाहरी और भीतरी दोनों तरह का आतंकवाद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल इतना चाहता है कि सरकार दो टूक शब्दों में कहे कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को रूकवाने का अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का दावा असत्य है। उन्होंने कहा कि यदि इस सैन्य कार्रवाई के दौरान कोई राफेल विमान गिरा है तो इससे विमान की क्षमता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने तीन आतंकवादियों की मौत के बारे में भी सच्चाई देश के सामने रखे जाने की मांग की। तेलुगु देशम पार्टी के मस्तान राव यादव बीधा ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकवादी हमला जम्मू कश्मीर में पर्यटन की बढती गतिविधियों को ठप करने के उद्देश्य से किया था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेकर सरकार को रक्षा क्षेत्र का बजट बढाना चाहिए जिससे कि सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक बनाया जा सके।

बीजू जनता दल के मानस रंजन मंगराज ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी ढांचों को धवस्त करने के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की और कहा कि इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

राजद के मनोज झा ने कहा कि पहलगाम का हमला देश की सामूहिक पीड़ा था लेकिन सवाल उठता है कि सरकार ने पुलवामा से क्या सबक सीखा। उन्होंने कहा कि वह किसी एक दल पर आरोप नहीं लगा रहे हैं बल्कि पूरा सदन यह कहे " हम इतिहास से सबक नहीं लेते हम क्षमा प्रार्थी हैं।"

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल नारा नहीं राष्ट्रीय कर्तव्य है और इसे इसी तरह निभाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संकट में इस देश की खूबी है कि यह एक हो जाता है लेकिन परिपक्व लोकतंत्र में सैन्य सेवा और राजनीति को अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताओं का रूख भी सेना की तरह ही एकदम निष्पक्ष होना चाहिए। किसी को भी सेना के शौर्य पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किये जाने की मांग की। राजद सदस्य ने कहा कि इस सदन को एकमत से ट्रंप के दावों को असत्य बताते हुए इस बारे में प्रस्ताव पारित करना चाहिए।

पहलगाम पीड़ितों से माफी मांगे सरकार : जया

'आप मुझे कंट्रोल मत कीजिए', पास बैठीं शिवसेना सांसद पर भड़कीं बच्चन

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में बुधवार को दूसरे दिन भी चर्चा हुई। इस दौरान समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने सरकार पर आम लोगों से छल करने का आरोप लगाते हुए मांग की कि उसे पहलगाम हमले के पीड़ितों से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि जम्मू कश्मीर में सब कुछ सामान्य होने का दावा सरकार ने ही किया था। बच्चन ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर सवाल उठाकर विवाद भी खड़ा कर दिया। उन्होंने पूछा कि जब पहलगाम आतंकी हमले में इतनी सारी महिलाओं का ₹सिंदूर उजड़ गया₹ तो इसका नाम ऐसा क्यों रखा गया। ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान राज्यसभा में जया बच्चन ने 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में मारे गए 26 निर्दोष लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान सबसे पहले पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा ''यह अजीब सा लगता है कि आतंकियों ने किस तरह धर्म पूछ कर लोगों को उनके अपनों के सामने मार डाला।'' उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों की पत्नियों, बहनों का सिंदूर तो उजड़ गया लेकिन सरकार ने जवाबी कार्रवाई का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखा। पता नहीं ऐसा नाम क्यों रखा? सत्ता पक्ष को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा, ₹मैं आपको उन लेखकों के लिए बधाई देती हूँ जिन्हें आपने नियुक्त किया है। आप बड़े-बड़े नाम रखते हैं। आपने इसका नाम 'सिंदूर' क्यों रखा? सिंदूर तो उजड़ गया, मारे गए लोगों की पत्नियों का।₹ बच्चन अपने संबोधन के दौरान उस समय नाराज हो गईं, जब सत्ताधारी पार्टी के सांसदों ने उनके भाषण के बीच टोका-टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ₹या तो आप बोलें या मैं बोलूँगी। जब आप बोलते हैं, तो मैं बीच में नहीं बोलती। जब कोई महिला बोलती है, तो मैं कभी बीच में नहीं बोलती। इसलिए कृपया अपनी ज़ुबान पर काबू रखें।₹ इसी दौरान जब उनके बगल में बैठीं शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने उन्हें शांत कराने की कोशिश कीं तो जया उन पर भी बिदक गईं। एक बार, सुश्री बच्चन के बगल में बैठीं शिवसेना (यूबीटी) सांसद से जया ने कहा, ₹प्रियंका, मुझे कंट्रोल मत कीजिए।₹ इस पर प्रियंका चतुर्वेदी ने हँसती नजर आईं। समाजवादी पार्टी की सांसद ने पहलगाम आतंकी हमले के पीछे खुफिया विफलता पर सरकार से सवाल किया और कहा, ₹आपने लोगों का विश्वास तोड़ा है। पीड़ितों के परिवार आपको कभी माफ नहीं करेंगे।₹ जया ने कहा ''अनुच्छेद 370 के प्रावधान हटाए जाने के बाद जम्मू कश्मीर में शांति होने, सब कुछ सामान्य होने का दावा किया गया था और तब पर्यटक वहां गए थे। लेकिन उन्हें वहां क्या मिला ? मौत...।''

रूस में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप

पांच मीटर ऊंची सुनामी उठीं, कैलिफोर्निया तक पहुंचीं लहरें

टोक्यो। रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 8.8 थी। यह भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 4:54 बजे आया। कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई है। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने वीडियो पोस्ट कर कहा कि आज का भूकंप दशकों में सबसे शक्तिशाली था। उन्होंने कहा कि एक किंडरगार्टन स्कूल को नुकसान पहुंचा है। जापान के एनएचके टेलीविजन के मुताबिक, देश के पूर्वी तट के पास एक फुट ऊंची पहली सुनामी लहरें पहुंची हैं। जापान ने राजधानी टोक्यो में 20 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। इसके अलावा अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली को करा लिया है। अमेरिका के अलास्का और हवाई द्वीप तक सुनामी की लहरें पहुंच गई हैं। जापान के उत्तरी तट पर 40 सेंटीमीटर ऊंची लहरें आ चुकी हैं। टोक्यो में करीब 20 लाख लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया है। जापान ने कहा है कि सुनामी की लहरें एक से ज्यादा दिन तक आ सकती हैं।

गया में बनेगा पूर्वी भारत का अत्याधुनिक औद्योगिक नगर

1339 करोड़ की परियोजना के तहत ईपीसी निविदाएं जारी

विश्ववार्ता ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार और भारत सरकार की संयुक्त पहल के अंतर्गत गया जिले के डोभी प्रखंड (शेरघाटी अनुमंडल) में एक अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना की जा रही है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट द्वारा संचालित राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम का हिस्सा है।

उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार जताया और कहा कि आज बिहार के लिए उनका देखा गया सपना पूर्ण होता दिख रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि स्वीकृति में थोड़ी देरी अवश्य हुई, लेकिन अब यह परियोजना पूरी गति से आगे बढ़ रही है और शीघ्र ही इसका परिणाम धरातल पर दिखेगा

इस परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी बिहार इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग सिटी गया लिमिटेड को दी गई है, जो बियाडा (राज्य सरकार की एजेंसी) और एनआईसीडीसी (भारत सरकार की इकाई) की साझेदारी से गठित एक विशेष प्रयोजन संस्था है। यह क्लस्टर राज्य में एक नियोजित और समग्र औद्योगिक ढांचा प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है।

1339 करोड़ की लागत से विकसित होने वाले इस औद्योगिक शहर का उद्देश्य गया को पूर्वी भारत के एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसमें से 462.14 करोड़ केवल भूमि अधिग्रहण पर व्यय किया गया है। लगभग 1670 एकड़ भूमि पर विकसित हो रहे इस क्लस्टर के अंतर्गत अत्याधुनिक अधोसंरचना का निर्माण प्रस्तावित है। परियोजना के अंतर्गत (ईपीसी) कार्यों के लिए 675 करोड़ की अनुमानित लागत की निविदा जारी कर दी गई है। यह निविदा विश्वस्तरीय ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से संबंधित है, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

ईपीसी कार्यों में आंतरिक सड़कों का निर्माण, जल निकासी प्रणाली, विद्युत सब-स्टेशन, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी), सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट , ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाएं, प्रशासनिक एवं कमांड सेंटर तथा सार्वजनिक एवं अर्ध-सरकारी उपयोग की सुविधाएं शामिल होंगी। यह समस्त कार्य तीन वर्षों की अवधि में पूर्ण किए जाएंगे और इसके उपरांत चार वर्षों तक अनुरक्षण का दायित्व ठेकेदार के पास रहेगा।

मानव व्यापार रोकने में पुलिस की भूमिका बेहद अहम

डीजीपी ने मानव तस्करी रोकने में श्रेष्ठ कार्य करने वाले एसपी समेत अन्य पुलिसजनों को किया सम्मानित

संजय सिंह

पटना। राज्य में मानव तस्करी से जुड़े मामले बेहद संजीदा होते हैं। इनकी रोकथाम में पुलिस की भूमिका बेहद अहम होती है। डीएसपी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी की भूमिका अहम समझी जा रही है। सभी पदाधिकारी संवेदनशीलता के साथ इन मामलों का निपटारा करें। इसमें आम लोगों की भूमिका भी काफी बढ़ जाती है। लोगों को भी सजग होकर ऐसे मामलों में मुखर रूप से सामने आना चाहिए।

ये बातें डीजीपी विनय कुमार ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में कही। वे मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस के मौके पर मानव तस्करी और ट्रांसजेंडर मामलों पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

डीजीपी श्री कुमार ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के बाद मानव तस्करी दूसरा ऐसा सबसे बड़ा अपराध है। पहले यह प्राथमिकताओं में नहीं होता था, लेकिन हाल के वर्षों में इसके प्रति संवेदनशीलता काफी बढ़ी है। हाल के वर्षों में बिहार में 150 ट्रैफिकर्स को गिरफ्तार किया गया है। इस तरह के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। सभी जिलों में वर्ष 2013 से एंटी ट्रैफिकिंग यूनिट गठित है। अगर कोई बच्चा लगातार तीन महीने तक बरामद नहीं होता है, तो ऐसे मामले इस इकाई को ट्रांसफर हो जाते हैं।

डीजीपी ने कहा कि 2018-19 के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार से प्रति वर्ष करीब 7 हजार बच्चे लापता होते हैं, जिसमें 4 से 5 हजार बरामद हो जाते हैं। परंतु 2-3 हजार बच्चों का कोई अतापता नहीं होता है। ऐसे गुमशुदा बच्चों को भिक्षावृत्ति से लेकर अन्य तरह के अनैतिक कार्यों में धकेल दिया जाता है। ये बच्चे किसी न किसी रूप में अपराधियों या माफियाओं के चंगुल में ट्रैप हो जाते हैं। इसके लिए एक पोर्टल भी है, जिसकी मदद से आपराधिक चंगुल में फंसे ऐसे बच्चों को बाहर निकाला जाता है। इसके लिए 2008 में अस्तित्व नाम से एक कार्ययोजना भी बनी है।

विनय कुमार ने कहा कि मानव खासकर बच्चों की तस्करी के कई मामलों में सफेदपोश भी शामिल होते हैं। ऐसे लोगों की पहचान होने पर इनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाती है। समाज को भी ऐसे मामलों में उद्वेलित होने की जरूरत है। बाल तस्करी को विकराल समस्या बताते हुए उन्होंने कहा कि इस पर अंकुश लगाना बेहद जरूरी है। आजकल बच्चे भी तेजी से अपराध की तरफ आकर्षित होते जा रहे हैं। इसके लिए अभिभावक भी काफी हद तक दोषी हैं। उन्हें बच्चों का ध्यान रखना चाहिए कि उनके बच्चे क्या कर रहे हैं, किसकी संगत में हैं जैसी अन्य जरूरी बातें शामिल हैं।

इस मौके पर ट्रैफिकिंग के चंगुल से मुक्त कराकर लाई गई समस्तीपुर के खानपुर की रहने वाली रतना ने अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि घर से नाराज होकर वह भागकर समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। वहां उसे एक महिला ने बहला-फुसला कर कैसे तस्कर रोशनी खातून के हाथों 1 लाख में बेच दी। 2 साल बाद उसे इस दलदल से निकाला गया। इसी तरह जहानाबाद के मखदूमपुर निवासी अमृत कुमार और गया के चेकरी निवासी सत्येंद्र कुमार ने भी अपनी-अपनी आपबीती बताई। इन वैरियर को डीजीपी ने सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा रेल एसपी अमृतेंशु शेखर ठाकुर, सारण एसपी डॉ. कुमार आशीष, पटना सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह और रोहतास एसपी रौशन कुमार को भी उल्लेखनीय कार्य करने के लिए डीजीपी ने सम्मानित किया। इस मौके पर एडीजी (कमजोर वर्ग) अमित कुमार जैन, एडीजी (सीआईडी) पारसनाथ समेत अन्य मौजूद थे।

बार-बार एक ही मुद्दा उठाने पर गोस्वामी पक्ष को फटकार

नयी दिल्ली। वृन्दावन स्थित ऐतिहासिक श्री बाँके बिहारी मंदिर से जुड़े प्रबंधन विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गोस्वामी परिवार के वकीलों को तीखी फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान गोस्वामी परिवार की ओर से पेश हुए वकीलों को सख्त लहजे में फटकार लगाते हुए तीन सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट शब्दों मे चेतावनी दी कि बार-बार एक ही मुद्दे को उठाना बर्दाश्त नही किया जाएगा। तीन सदस्यीय पीठ में मुख्य न्यायाधीश बी.आर.गवई, सतीश चन्द्र शर्मा एवं के. विनोद चन्द्रन शामिल हैं। मामले की सुनवाई करते हुए तीन सदस्यीय पीठ ने गोस्वामी पक्ष के अधिवक्ताओं को स्पष्ट चेतावनी दी कि एक ही मुद्दे को बार-बार उठाना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग है और भविष्य में ऐसा होने पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

जयेश मीडिया प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **रोहित बाजपेयी** द्वारा दि इंडियन एक्सप्रेस लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ से मुद्रित और 33 कैंट रोड निकट ओडियन सिनेमा लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- **मनोरंजन सिंह*, उत्तराखंड कार्यालय-** जे.एन. प्लाजा कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, जिला जज न्यायालय के सामने, हरिद्वार रोड, देहरादून
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय में मान्य होगा।
RNI No. UPHIN/2008/28657 Phone No.: (BSNL) 0522-2619671, 2619672 Phone No.: (AIRTEL) 0522-4323301, 4323302, 4323303 E-Mail: vishwavarta.response@gmail.com, dailyvishwavarta@yahoo.com dailyvishwavarta@rediffmail.com